D-222 Rs. 4-00

ताऊ जी और लाठी वाला दानव

सम्पादक :- गुलशन राय. कथानक :- आशू. चित्रांकन :- मानिक

विदेशी जासूसों का एक दल हिन्दुस्तान में जासूसी कर रहा था लेकिन उनके पास अपना कोई गुप्त ठिकाना नहीं था।

दूसरे ही दिन से पहाड़ी में आधुनिक मशीनों द्वारा खुदाई कर सुरंग बनाने का काम शुरू हो गया।

भागो! ऊपर से चट्टानें लुढ़क रही हैं।
भागो!
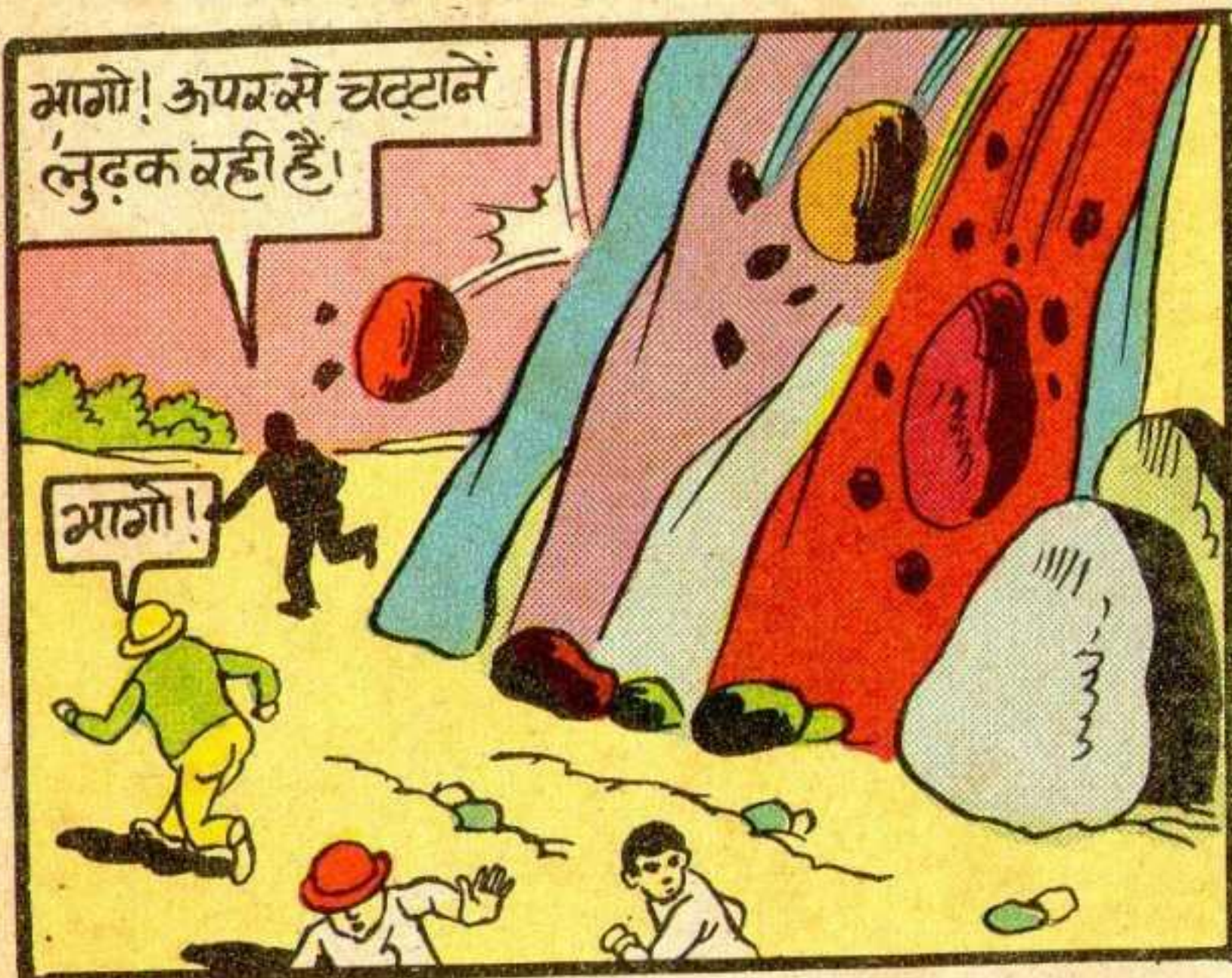
अचानक ही पूरी पहाड़ी पत्ते की तरह कांपने लगी...
घर्रर्रर्रर्र!

और उसकी विशाल चट्टानें भयानक विस्फोट करती हुई आकाश में उछलने लगीं।
भागो! भूकम्प!!
बचो! पहाड़ गिर रहा है!
भागोऽऽ! भूकम्प!
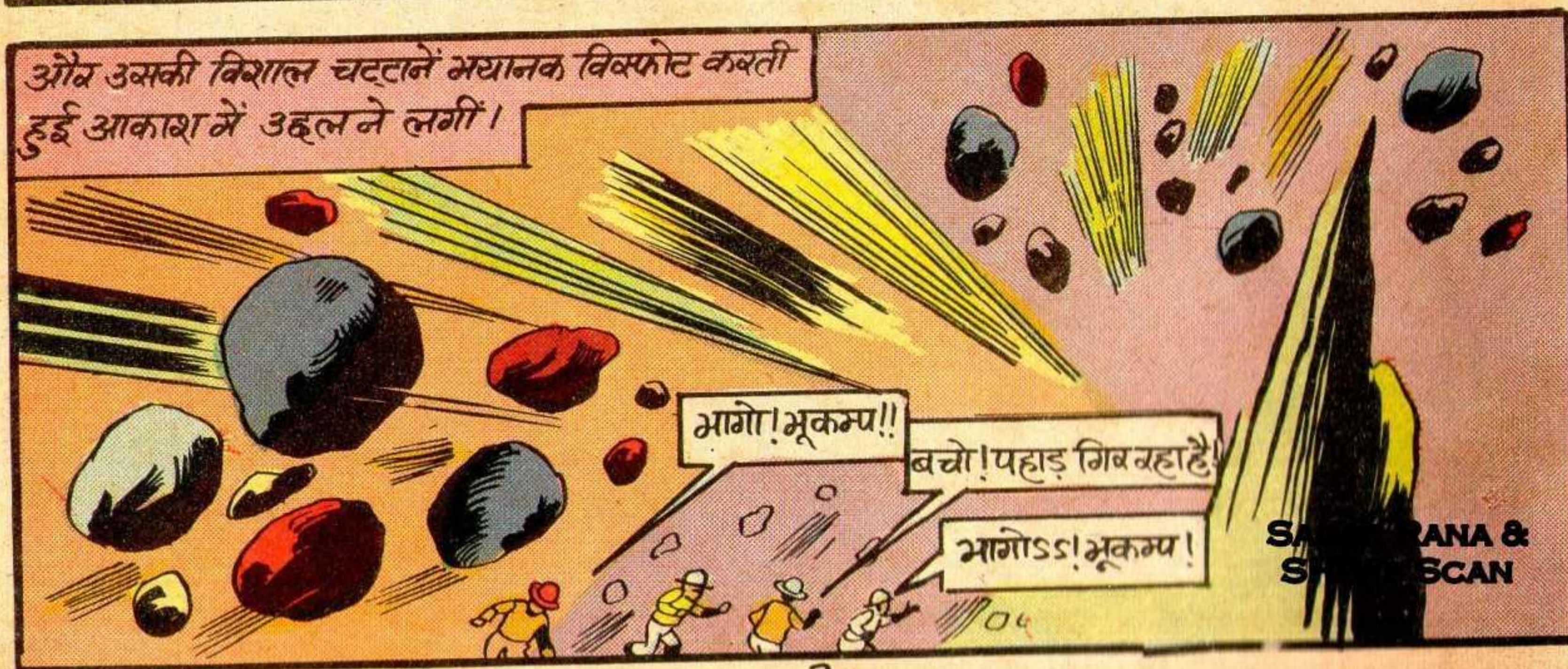
पहाड़ी से टूटकर गिरने वाली विशालकाय चट्टानें कारीगरों को अपनी चपेट में लेने लगीं।
नहीं sss
आह!

अचानक ही टूटती पहाड़ी के भीतर से एक विशालकाय हाथ बाहर निकलने लगा...
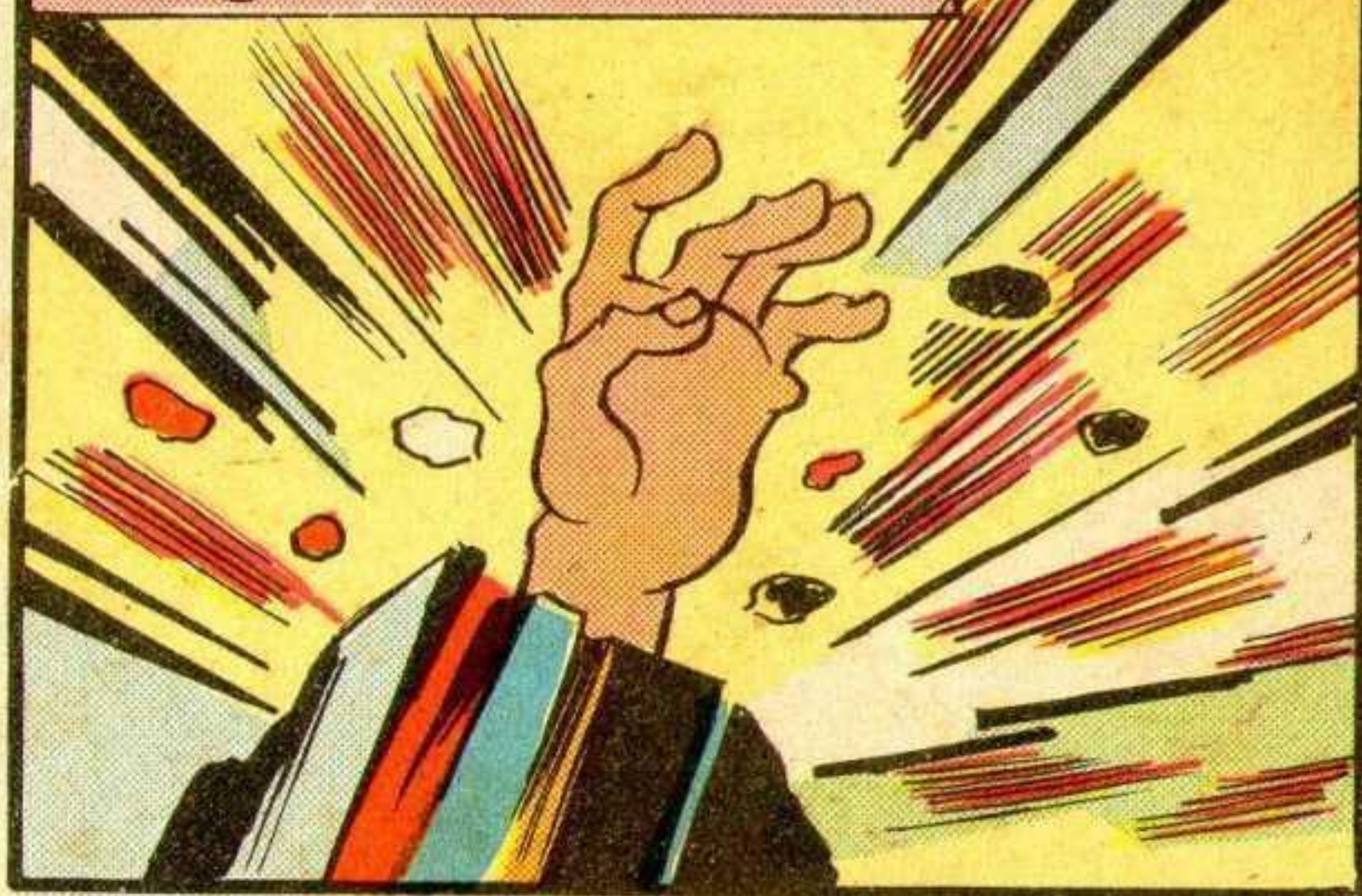
देखते ही देखते पहाड़ी से निकलने वाला वह हाथ एक विशालकाय दानव में बदल गया।

उस दानव ने एक गहरी और लम्बी उबासी ली मानो वह सैकड़ो वर्ष उस पहाड़ी में बैठा हुआ गहरी नींद से जाग उठा हो।

आहऽऽ!... अब नींद खुली है मेरी! आहऽऽ ऊ ऊ ऊऽऽऽ वोऽऽऽ
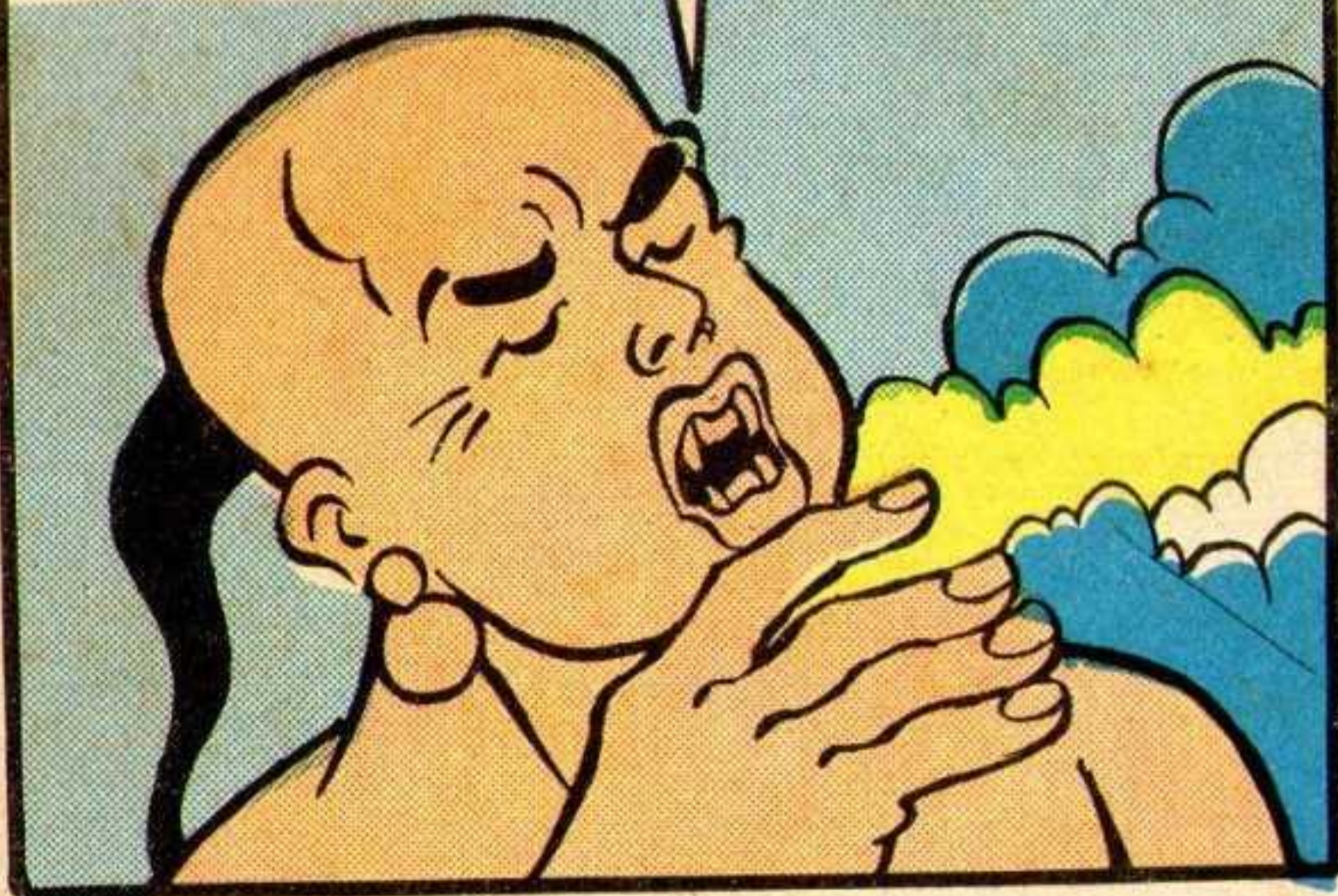
पता नहीं कितने युग बीत गये और मैं यहां सोया रहा!

सदियों से धूल मिट्टी मेरे शरीर पर जमती रही जो समय के साथ-साथ पत्थर और चट्टानें बन गई... और मैं पहाड़ बन गया ... लेकिन मेरी नींद खुली कैसे?

अयँ! यह कीड़ा क्या कह रहा है?
SAGAR RANA & SHIV's SCAN
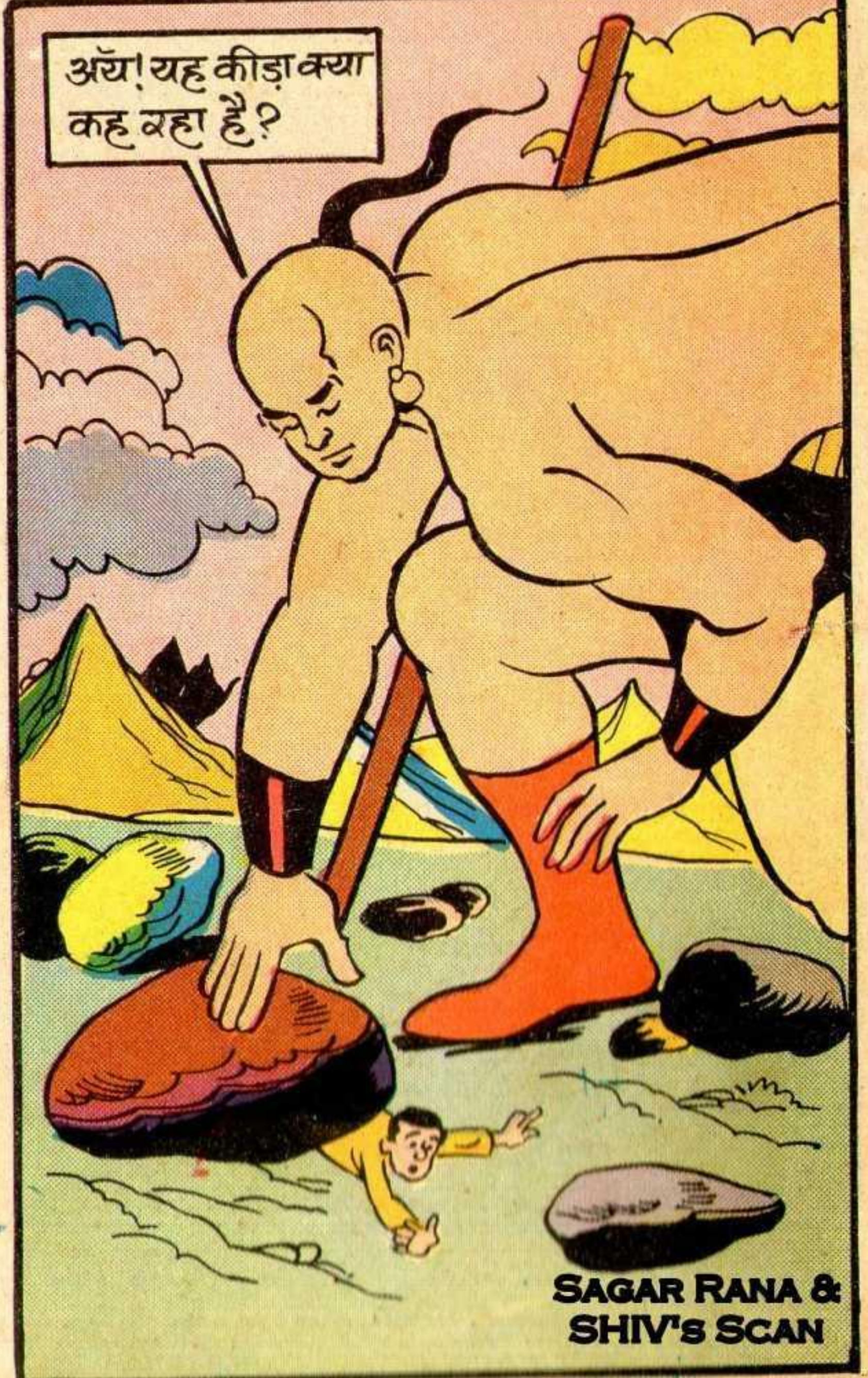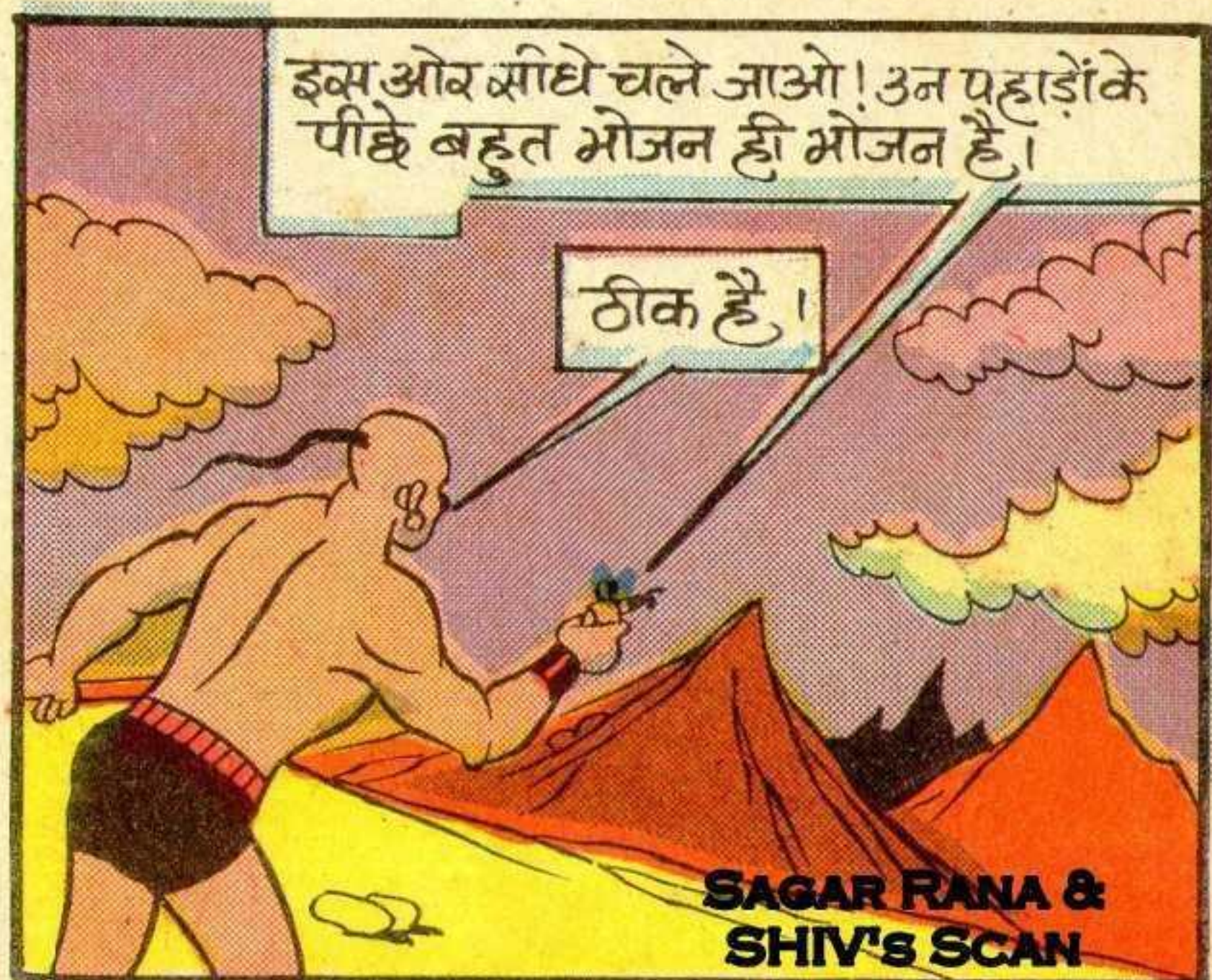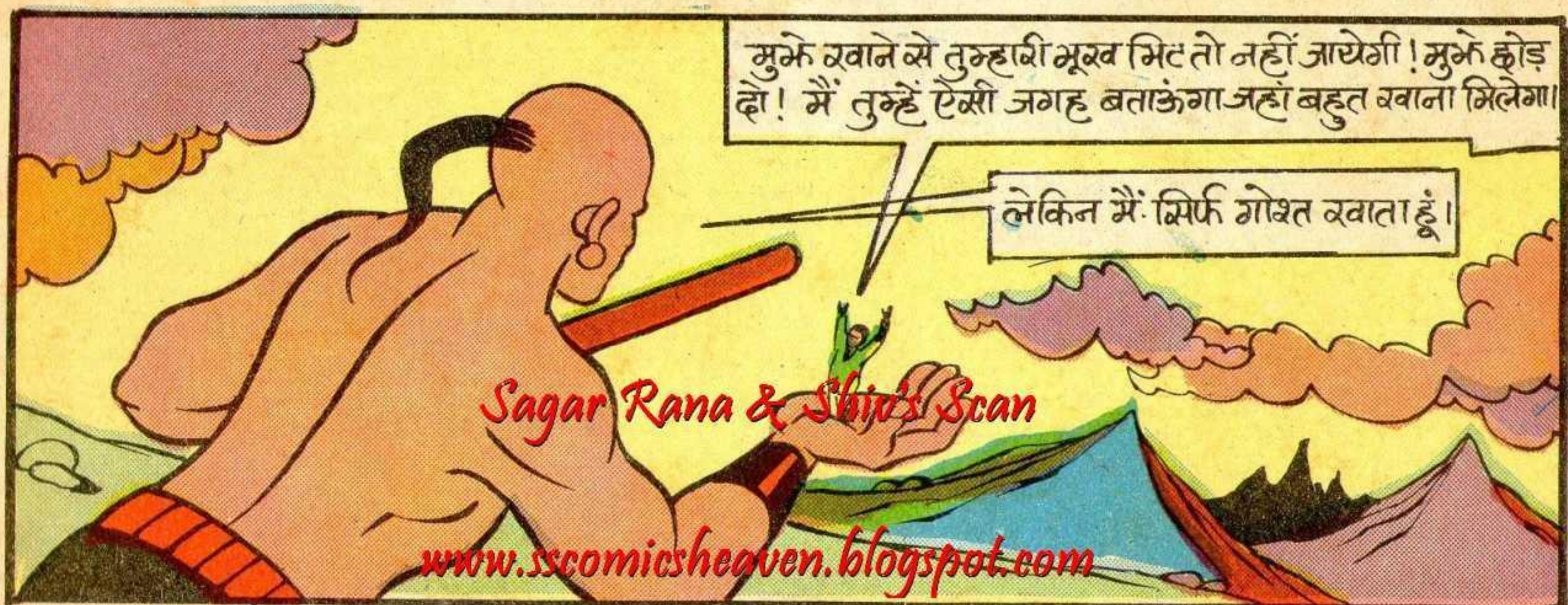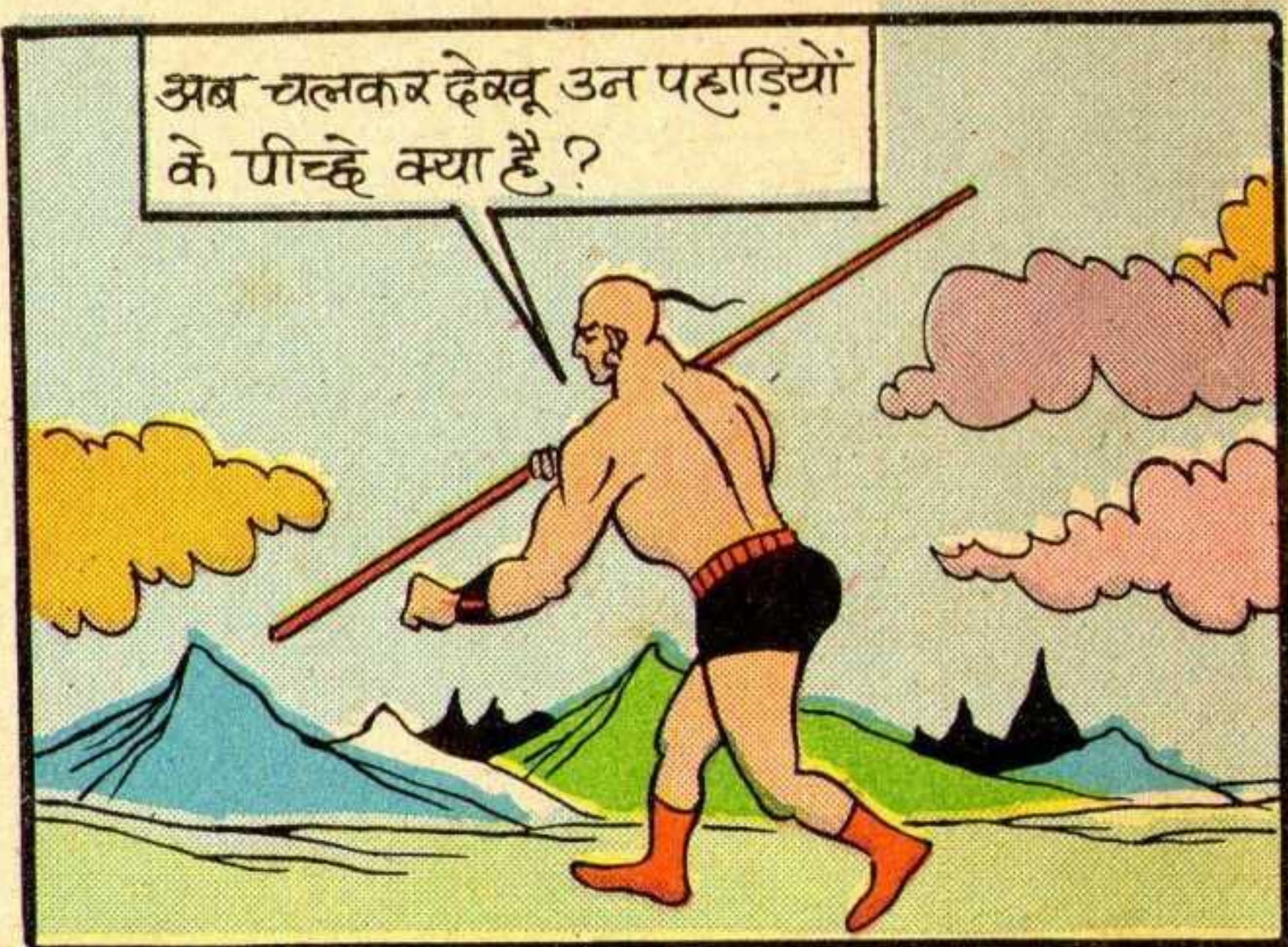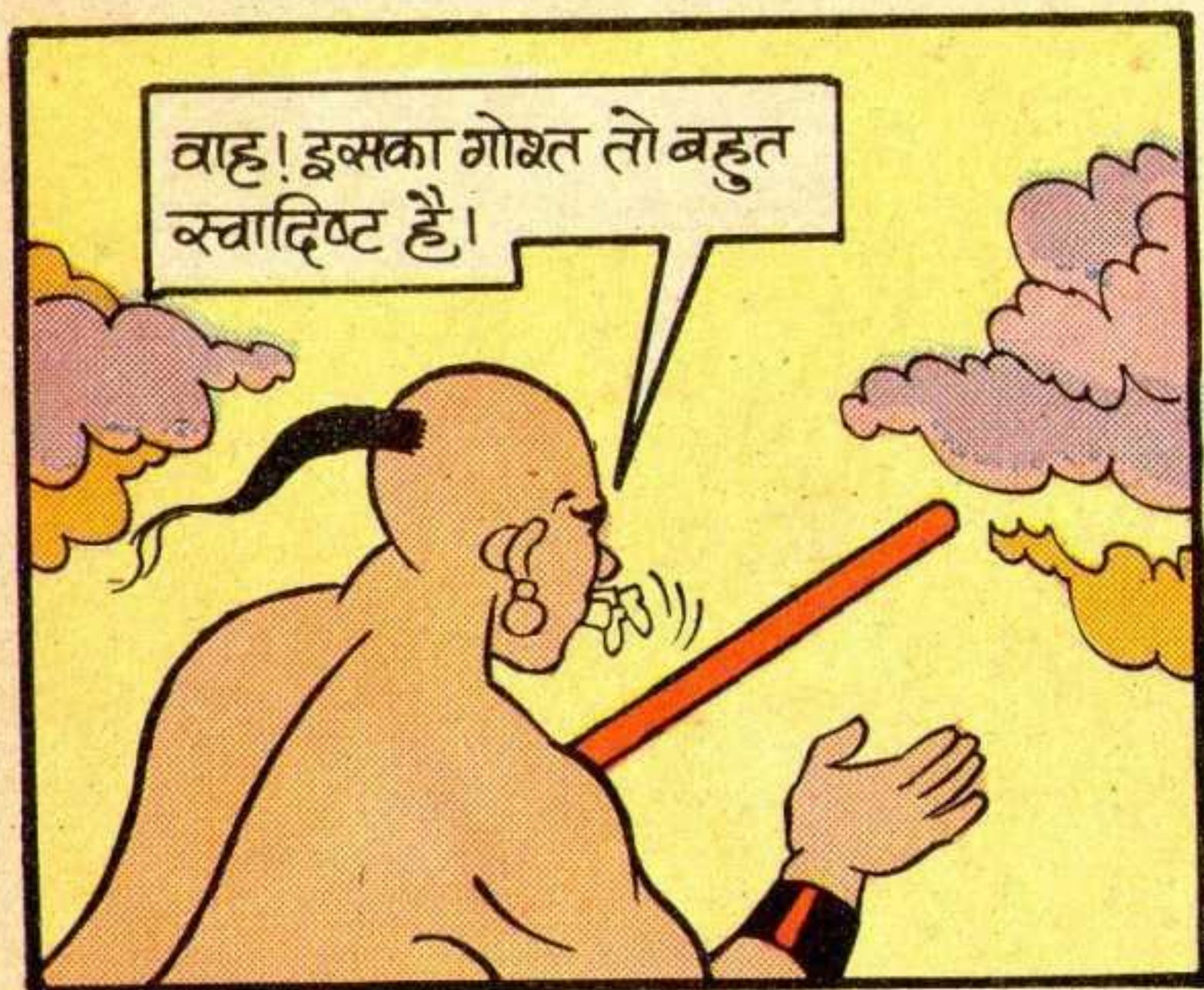
इसे देखकर भूख लग आई है।
न... न... नहीं ऽऽऽ

मुझे मत खाओ।
क्यों न खाऊं?! सदियों बाद सोकर उठा हूं... मुझे भूख लगी है।

मुझे खाने से तुम्हारी भूख मिट तो नहीं जायेगी! मुझे छोड़ दो! मैं तुम्हें ऐसी जगह बताऊंगा जहां बहुत खाना मिलेगा।
लेकिन मैं सिर्फ गोश्त खाता हूं।

इसे हिन्दुस्तान के खिलाफ इस्तेमाल किया जा सकता है। मैं इसे पास के शहर में भेज देता हूं। वहां पहुंचते ही यह तबाही मचा देगा।

इस ओर सीधे चले जाओ! उन पहाड़ों के पीछे बहुत भोजन ही भोजन है।
ठीक है।

अब तुझे खाकर अपने मुंह का स्वाद तो बना लूं!
नहींSSS! तुमने कहा था छोड़ दूंगा! फिर...

मूर्ख! मैं शैतान हूं। तुझे मेरी बातों का विश्वास नहीं करना चाहिये था।
आह!

वाह! इसका गोश्त तो बहुत स्वादिष्ट है।

अब चलकर देखूं उन पहाड़ियों के पीछे क्या है?

अरे! मुझसे भी ऊंचा पहाड़! किसकी ये हिम्मत जो मेरा रास्त रोके!? गुर्र!

दानव गुस्से से पहाड़ पर अपनी लाठी मारता है...
चल, मेरी लाठी हटा इसे!
SAGAR RANA & SHIV's SCAN
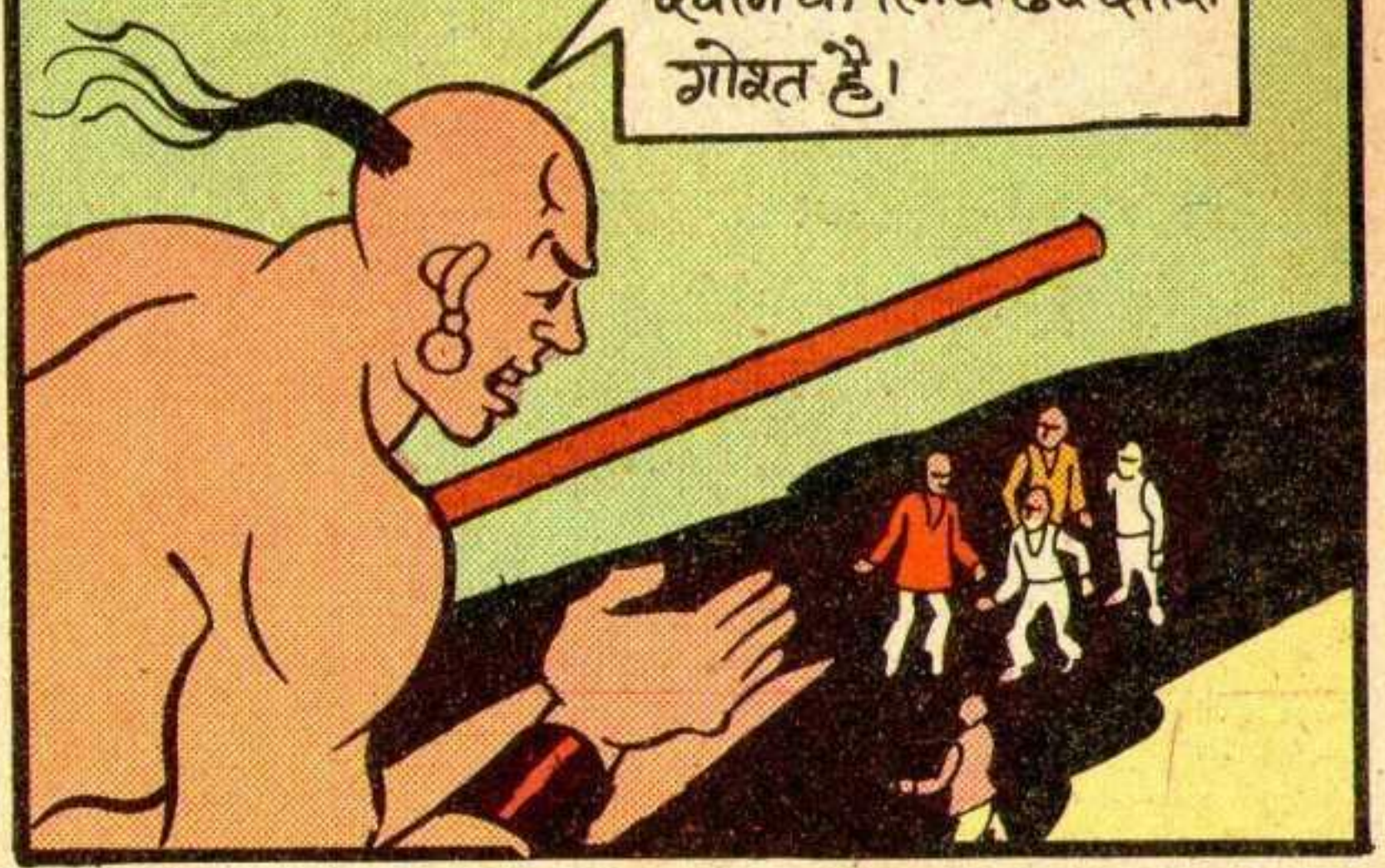
अरेऽऽ! वो!

पहाड़ सा!?

नहीं! चलता हुआ पहाड़ जैसा आदमी!
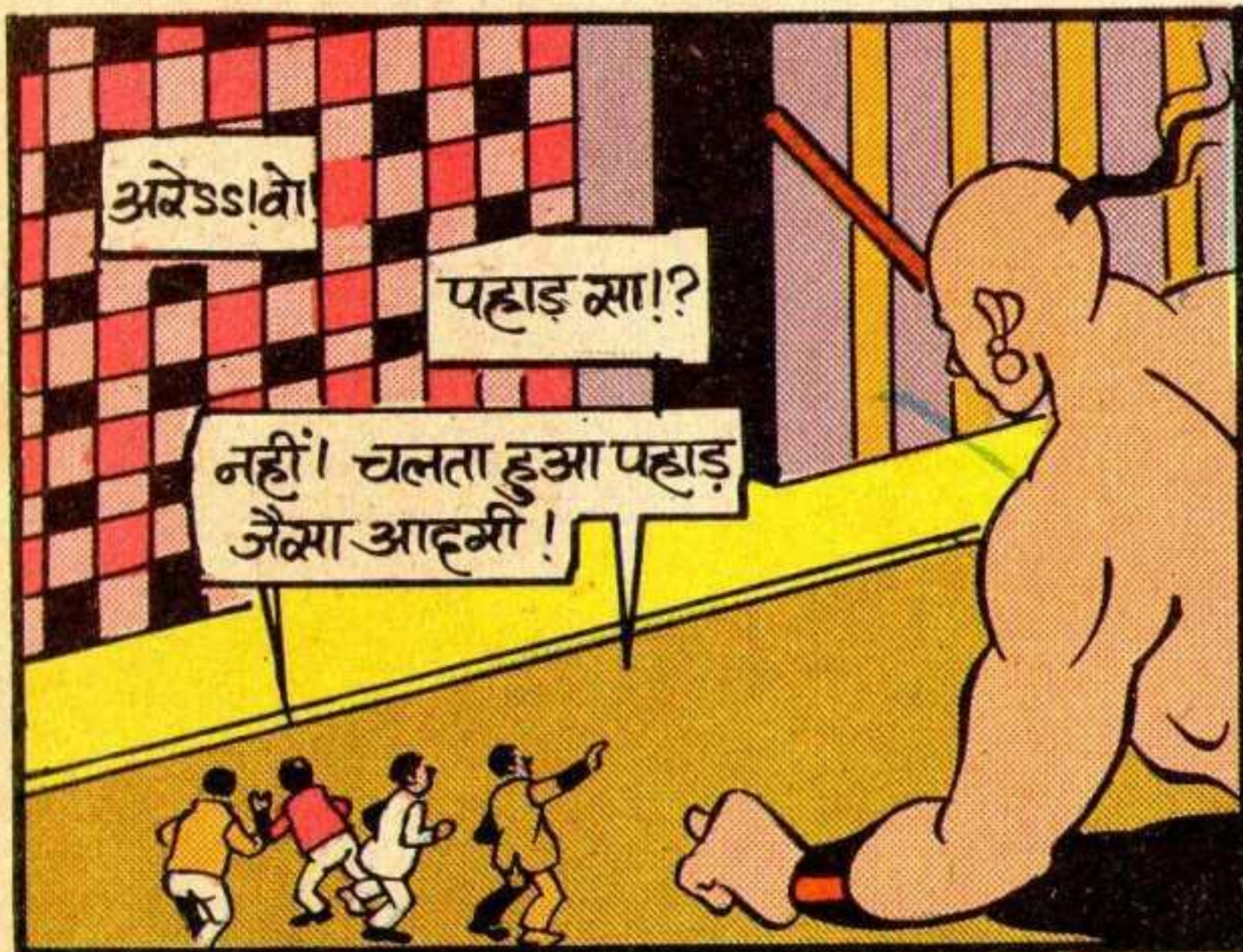
तुम बच नहीं सकते! मैं सैकड़ों सालों से भूखा हूं... मुझे भूख लगी है!
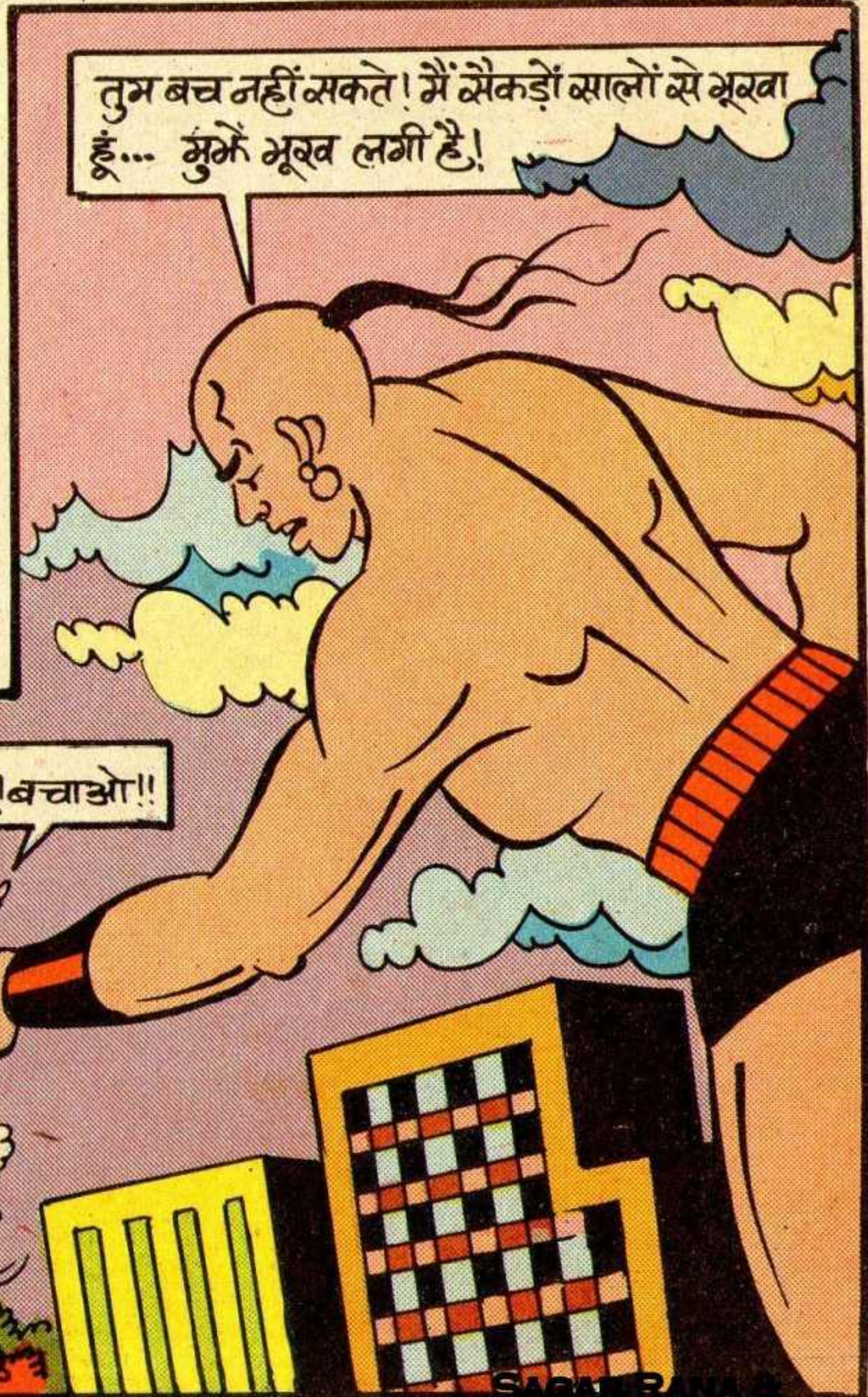
आह! बचाओ!

बचाओ! बचाओ!!

बचाओ! दानव हमें खाना चाहता है!

बचाओ! बचाओ!

दानव! दानव!
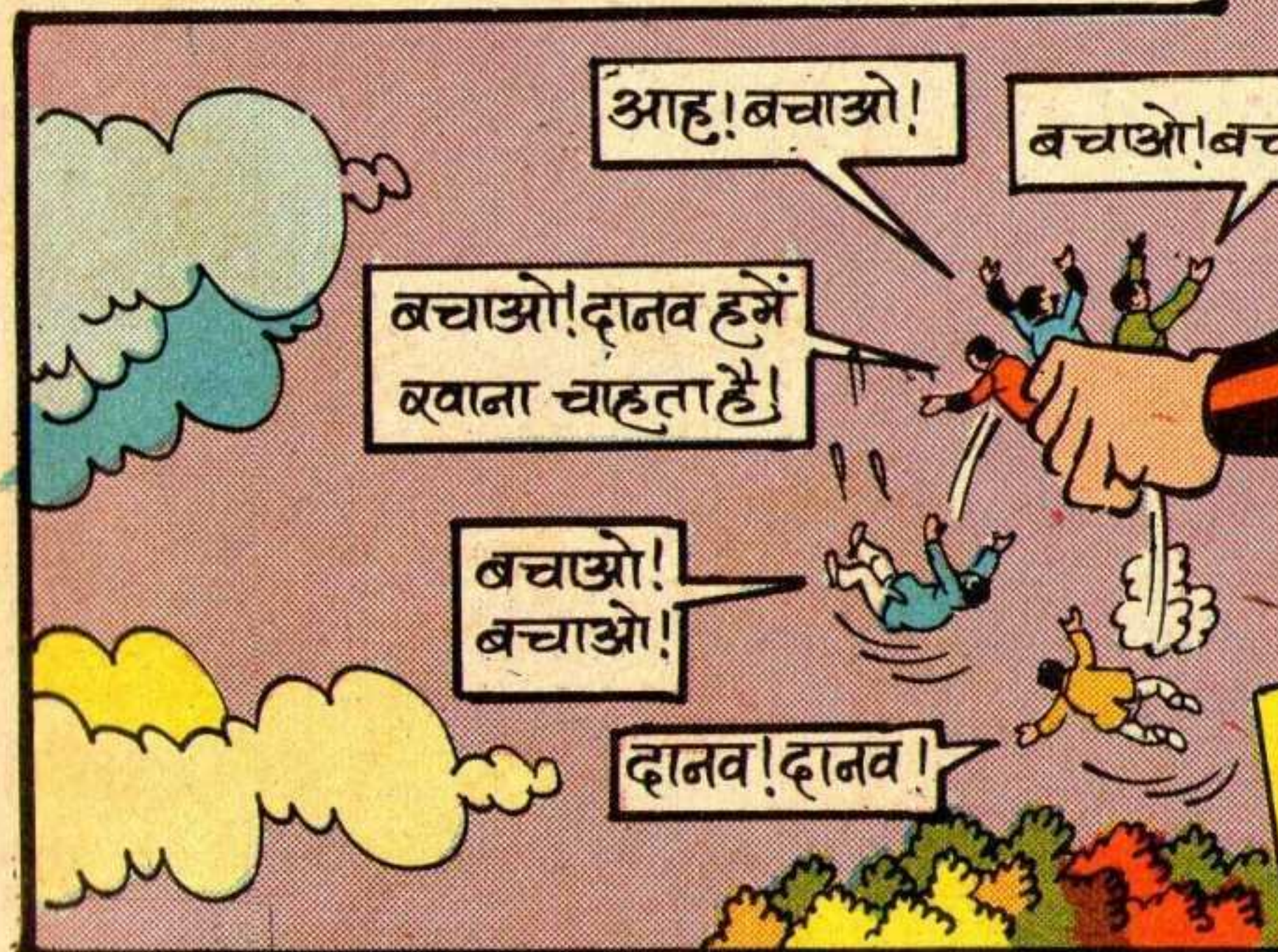
लाठी वाले दानव द्वारा किये जा रहे नरसंहार की खबर जब चदंनगढ़ पहुंची तो महाराज परेशान हो उठे। उन्होंने तत्काल ताऊ जी को बुलवाया और दानव द्वारा किये जा रहे नरसंहार की खबर ताऊ जी को सुनाई, तो वह दुखी: हो उठे।

अरे! यह क्या?

मानवाकार पहाड़! अरे...नहीं यह तो दानव दिखता है।... पहाड़ से भी ऊंचा दानव!
ZZZZZ

सो रखा है, यही मौका है। अब इस अत्याचारी को खत्म कर देना चाहिये।

ताऊ जी ने जादुई डण्डे को हुक्म दिया...
ऐ ऽऽ जादुई डण्डे इस दानव के सिर के टुकड़े-टुकड़े कर दे!
जो आज्ञा!

जादुई डण्डा तलवार बनकर दानव के सिर पर टूट पड़ा....

Sagar Rana & SHIV's Scan

अंधे, दिखाई नहीं देता मैं तेरी गंजी खोपड़ी पर सवार हूं!

आह! मेरे सिर की सवारी!? गुर्र मैं तुझे मसलकर रख दूंगा।

ठीक है। ले मसल मुझे...!

ताऊ जी छलांग लगाकर दानव की चोटी पकड़कर लटक गये।
ओह! इस बूढ़े में इतनी शक्ति कहां से आ गई? यह मुझे उठाकर फेंकना चाहता है।

धड़ाम

ठीक है! मैं समझ गया। तू कोई जादूगर है।...ऐसे तू मेरे हाथ नहीं आयेगा।

मैं हिन्दुस्तान के सारे मकानों और इन्सानों को तबाह कर डालूंगा! अगर तू उन्हें बचाना चाहता है, तो मेरे हाथ में आ जा!

वह बहुत गुस्से में है, और भयंकर तबाही मचा सकता है। उसे रोकना चाहिये।

ताऊ जी ने मन्त्र पढ़कर जादुई डण्डा हवा में हिलाया...
ऐ जादुई डंडे! दिखा कमाल?

पहले तुझे तो खा लूं, तेरा गर्म-गर्म गोश्त देखकर तो मेरी भूख बहुत बढ़ गई है।
ठहरो! मैं नहीं चाहता कि तुम देश में तबाही मचाओ। अगर मुझे खाकर तुम्हारा गुस्सा शान्त हो सकता है, तो मैं मरने के लिये तैयार हूं।

वाह! इस मोटे कीड़े का गोश्त कितना स्वादिष्ट है।
चबर! चबर!!

मुझसे टक्कर लेने आया था।... कीमा बन गया कीड़े का! अब चलकर आराम करूं!

अच्छा मूर्ख बनाया इसे तुमने जादुई डण्डे! यह सोच रहा होगा इसने मुझे खाकर मुझसे छुटकारा पा लिया। ह.. ह.. ह..!! पर यह दानव आया कहां से जादुई डण्डे?
आइये ताऊ जी! मैं बताऊं यह कहां से आया है।
खुर्रर्र sss..

जादुई डण्डा ताऊ जी को ले उड़ चला....

वह इस पहाड़ी में था।
मैं समझा नहीं! विस्तार से समझाओ। पहाड़ी में वह कहां से आया?
SAGAR RANA & SHIV's SCAN

लाखों वर्ष पहले पाताल लोक में कुम्भू नामक दानव राज करता था। उसके पास बहुत सी दैवी शक्तियां थीं। उसका छोटा भाई दम्भी बहुत धूर्त था। वह राजा बनना चाहता था। उसने अपने स्वार्थी साथियों के साथ मिलकर अपने भाई कुम्भू के विरोध में राज्य में विद्रोह फैलाने की योजना बनाई।
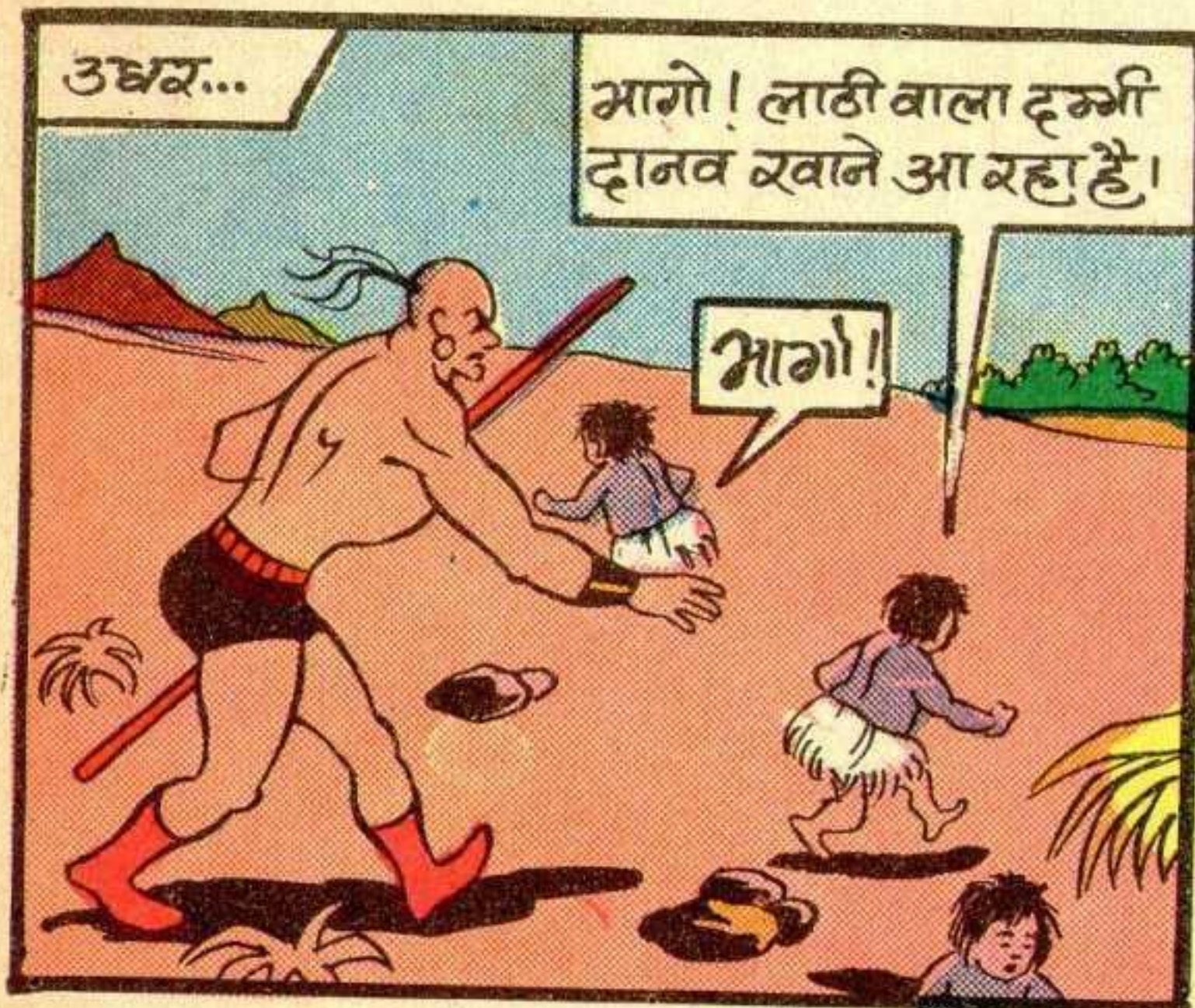
लेकिन इससे पहले कि दम्भी दानव विद्रोह करता, कुम्भू ने उसे देश से निकाल दिया। निराश दम्भी अपने भाई से बदला लेने के लिये पृथ्वी लोक चला आया। यहां के छोटे-छोटे आदमियों को देख, वह निराश हो गया क्योंकि इन छोटे आदमियों की सेना से वह पाताल लोक के विशाल दानवों का मुकाबला नहीं कर सकता था।

पृथ्वी के छोटे आदमी सिर्फ उसका भोजन ही बन सकते थे।

निराश और पाताल लोक से पृथ्वी तक की यात्रा से थके दम्भी दानव को अचानक नींद आ गई और वह, बैठे-बैठे सो गया। कहते हैं, दानव लाखों वर्षों तक सोते हैं, और लाखों वर्षों तक जागते हैं। दम्भी दानव भी लाखों वर्षों तक सोता रहा और उस पर धूल मिट्टी जमती गई जो समय के साथ-साथ कड़ी चट्टानें बन गईं। और

इस तरह दम्भी दानव एक पहाड़ बन गया।

कुछ समय पहले कुछ विदेशी जासूस यहां ऐसे स्थान की तलाश में आये जहां वे अपना गुप्त अड्डा बना सकते हों तभी उनकी नज़र पहाड़ बने दानव वाली पहाड़ी पर पड़ी। उन्होंने वहां मशीनों द्वारा पहाड़ काटना चाहा तो उस दानव की नींद खुल गई और वह जाग गया।
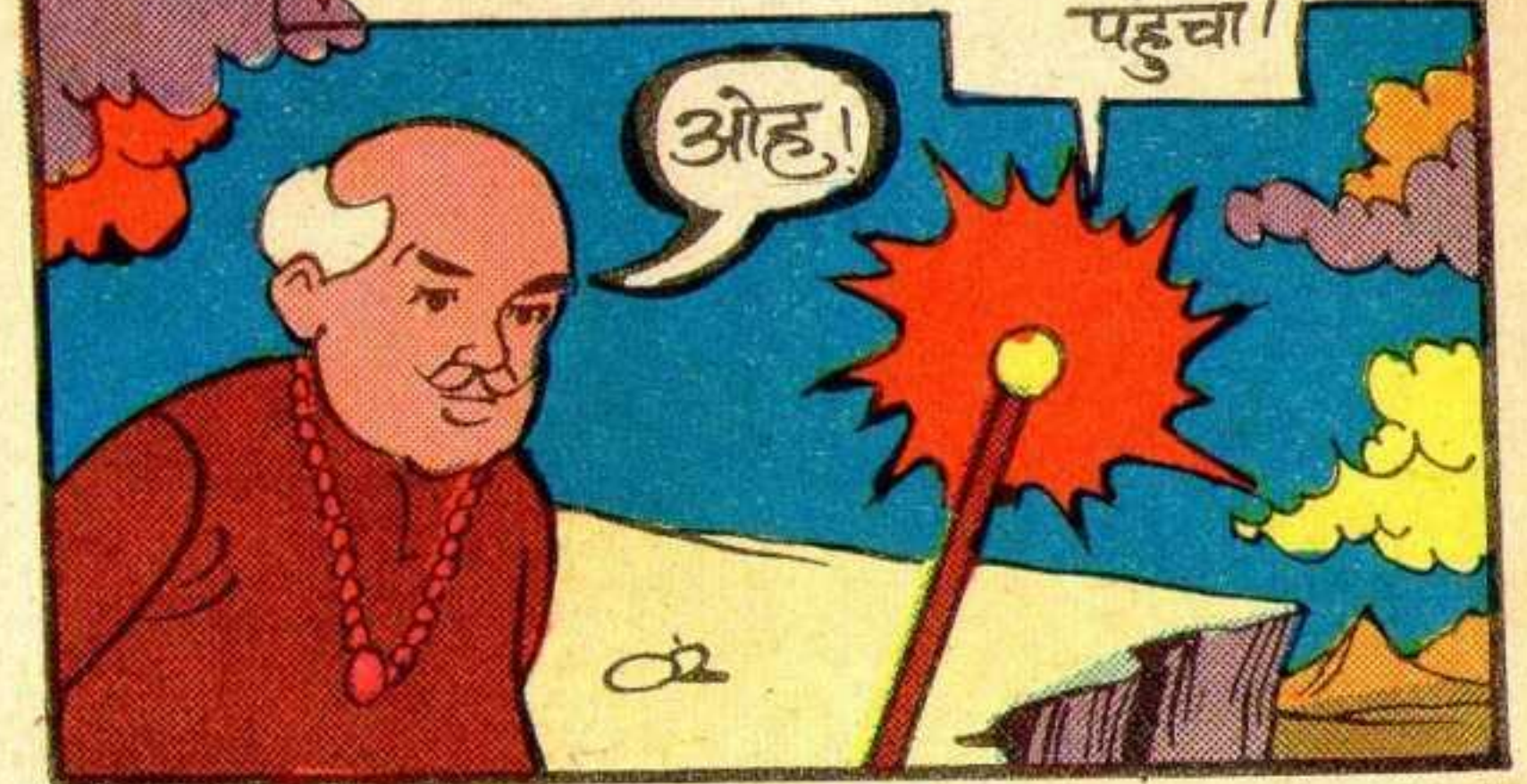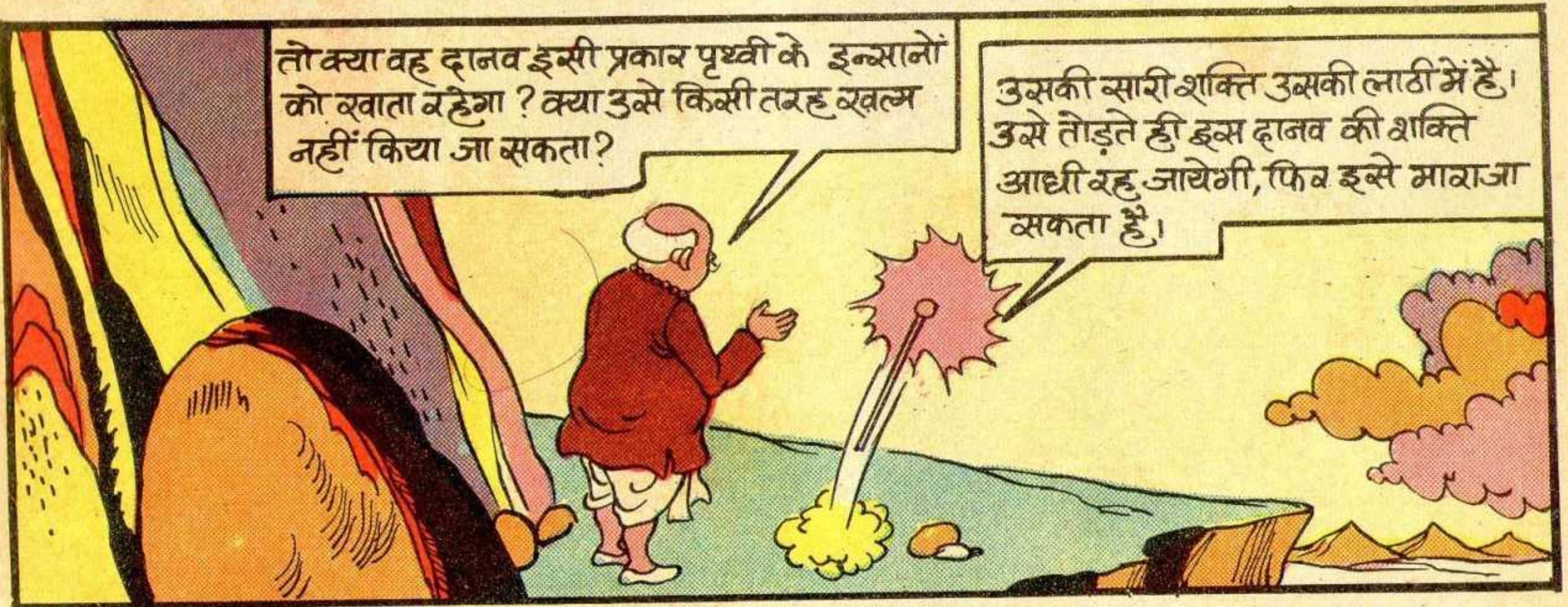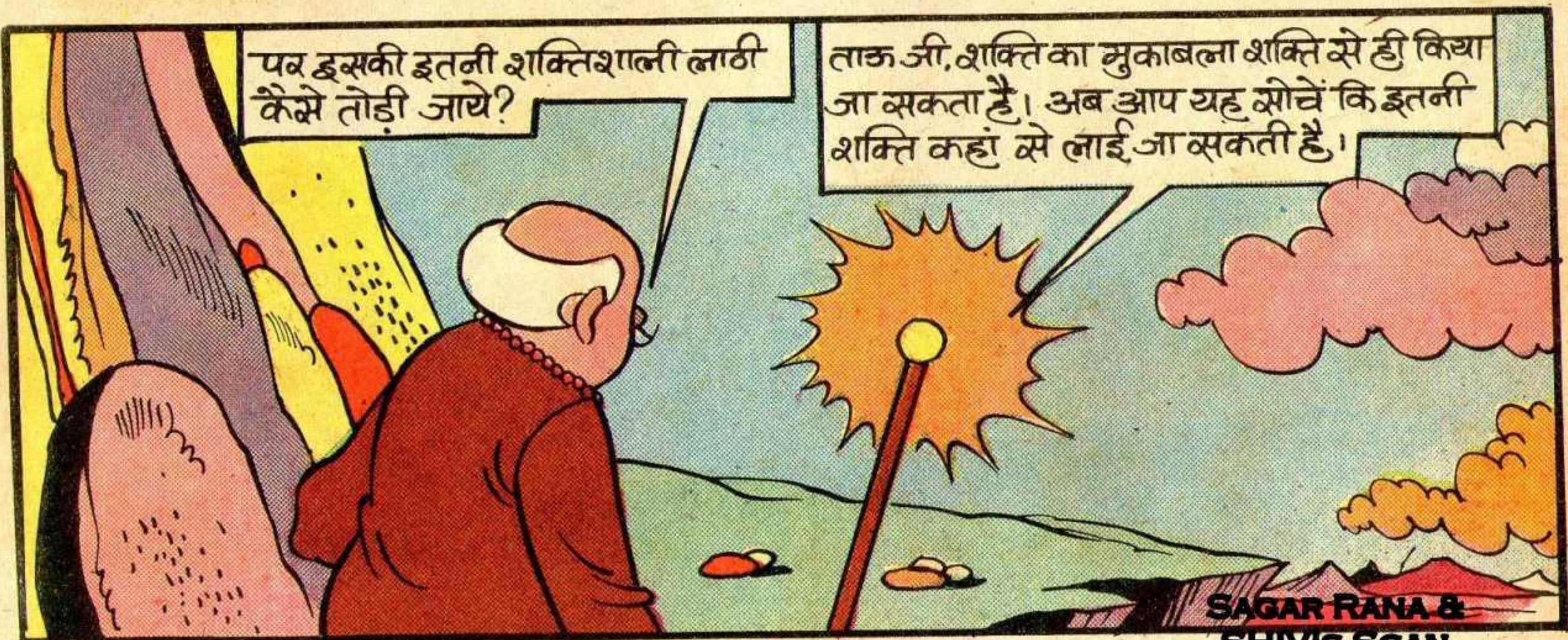
प्रधान मंत्री से मिलकर ताऊ जी ने सहायता लेने की प्रार्थना की तो वे मान गई और उन्होंने रक्षा मंत्रालय को ताऊ जी को मदद देने का हुक्म दिया और कुछ देर बाद देश के विध्वंसकारी टैंक और लड़ाकू हवाई जहाज पहाड़ी की ओर चल पड़े...।

जादुई डण्डे! वह देखो हमारे देश के लड़ाकू जहाज आ गये। अब टैंक भी आते ही होंगे।

खुर्र! खुर्र!

जादुई डण्डे ! हमारे बमवर्षक और टैंक हमला करने ही वाले हैं। हमें इस पहाड़ी से हट जाना चाहिये वरना हम मुसीबत में फंस जायेंगे।
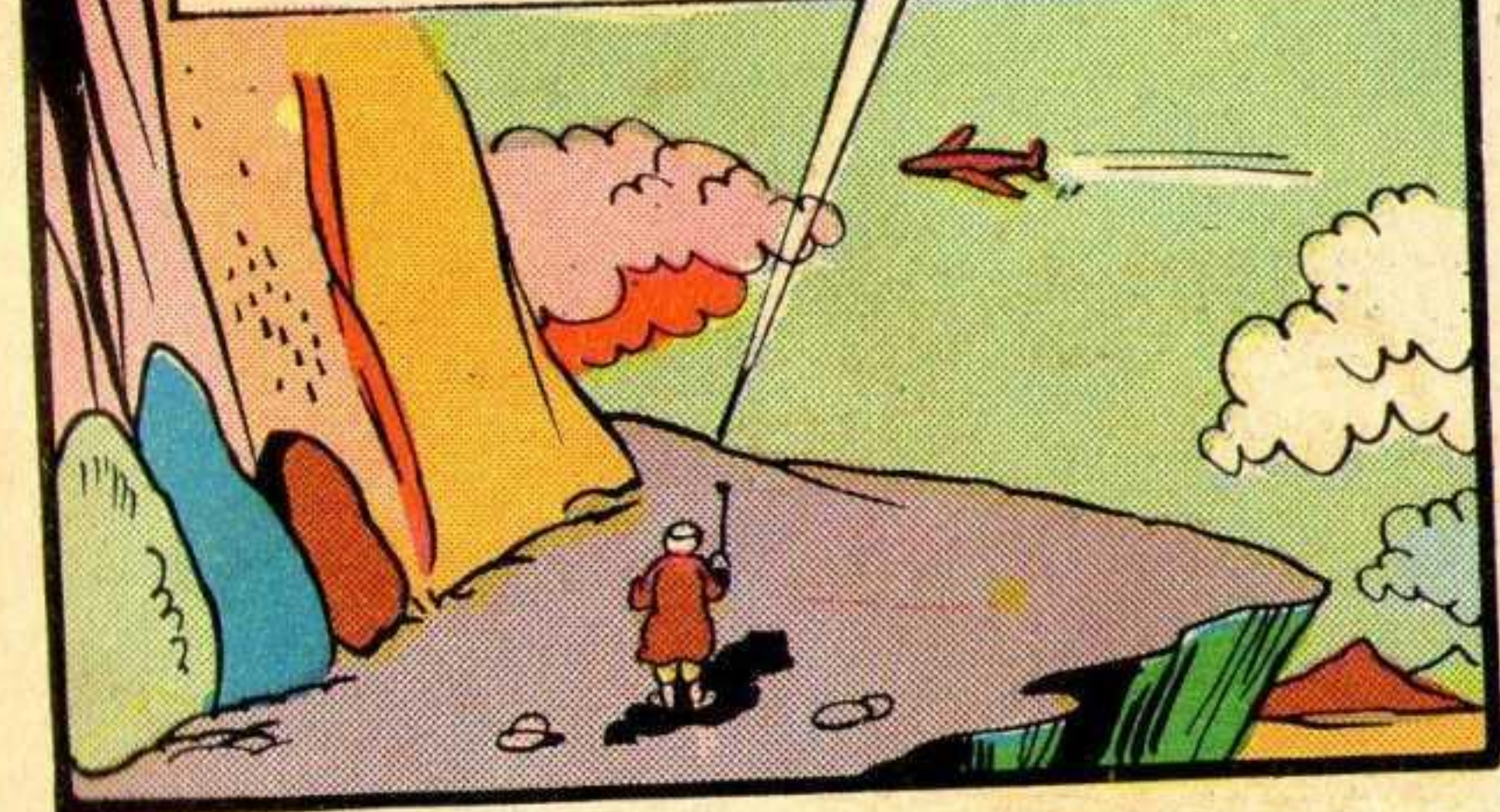
सर, ताऊ जो पहाड़ी से उड़ चुके हैं! क्या हम फायर शुरू करें?
ओ०के! फायर!

... देश के बमवर्षकों ने पहाड़ी पर भयंकर रूप से बमवर्षा शुरू कर दी...
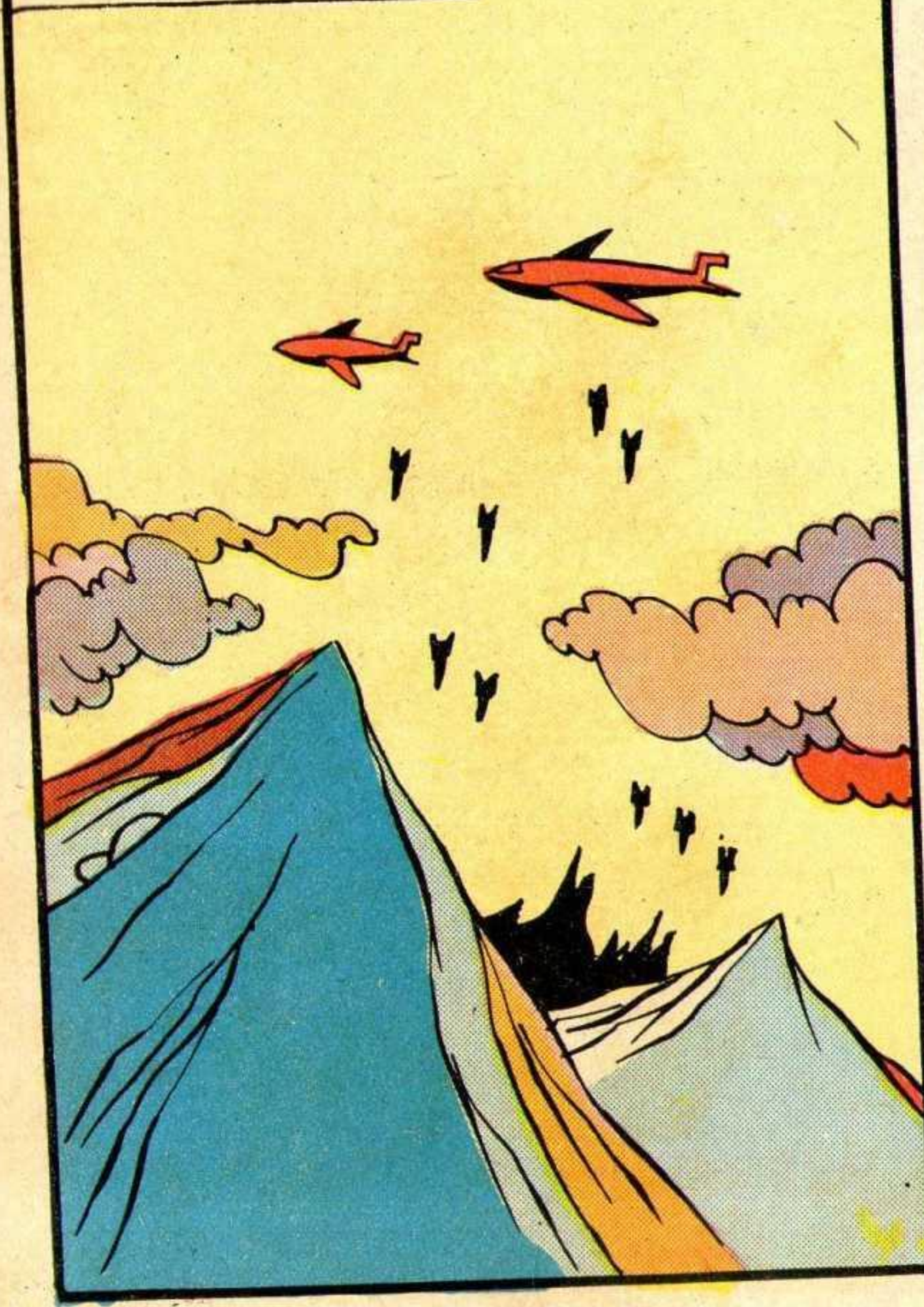
..और बमों के भयंकर विस्फोट से पहाड़ी की चट्टानें उछलने लगीं।
धड़ाम
धड़ाक

और बम दानव पर फटने लगे....
धड़ाम
धड़ाम

ओह! यह धुवाँ और आवाज़ें कैसी?

बम वर्षा से इतना धुवाँ उठ रहा है कि नीचे का कुछ भी दिखाई नहीं देता। जादुई डण्डे बताओ दानव की लाठी टूटी या नहीं?

ताऊ जी दानव की लाठी अब तक सही सलामत है।
ठीक है। तुम मुझे कमाण्डर के पास ले चलो?

बस, यहीं ठीक रहेगा।

कमाण्डर, तब तक गोले दागते रहो जब तक गोले खत्म न हो जायें।
बहुत अच्छा ताऊ जी!

अरे, यह क्या हो रहा है?
धड़ाम

कौन मूर्ख है जो यह शोर मचा रहा है? इस आग और धुवें से मैं सो नहीं पा रहा हूं। गुर्रर।

ओह!... वह कीड़ा आग उगल रहा है। गुर्रर मैं इसे खत्म कर दूंगा
धड़ाम

कीड़े अब तू आग नहीं उगलेगा। गुर्रर
धड़ाम

....और ये परिंदे भी शोर मचा कर मुझे सोने नहीं दे रहे हैं। गुर्रर...

यह परिंदा कुछ ज्यादा ही तेज दिखता है! गुर्रर.
SAGAR RANA & SHIV's SCAN

चल मेरी लाठी दिखा अपना कमाल ?

धड़ाम

धड़ाम
धड़ाम

आकाश में तहलका मचाती दानव की लाठी ने एक-एक कर सारे विमानों को नष्ट कर दिया।
वापस आओ! ये परिन्दे अब मुझे तकलीफ नहीं देंगे।

ताऊ जी दानव की लाठी ने हमारे बमवर्षक और सारे टैंक नष्ट कर दिये। हमारे सैकड़ों सैनिक मारे गये। अब?

जादुई डण्डे अब तुम्हें शक्तिशाली मिसाइल बनकर उसकी लाठी तोड़नी होगी।
जो आज्ञा ताऊ जी।

जादुई डण्डा अपनी जादुई शक्ति से शक्तिशाली मिसा-इल में बदलने लगा...

ऊऽऽऽ

धड़ाम
आह!

मिसाइल के हमले से दानव के शरीर से खून की धारा धरती पर गिरते ही धरती से दूसरा दानव पैदा होने लगा।
ही ही ही
हो हो हो

अरे, यह क्या जादुई डण्डे? अब तो एक और दानव पैदा हो गया।

ताऊजी, यह दानव के रक्त से उत्पन हुआ उसका रक्त पुत्र है। यह भी अपने पिता की ही तरह शक्तिशाली होगा।

ओह! अब तक तो यह अकेला दानव ही मुसीबत बना हुआ था। अब यह उसका बेटा भी आ गया। अब दोनों पृथ्वी पर तबाही मचा देंगे।

लेकिन ताऊजी, दानव को अपने बेटे से एक नुकसान भी है।
वह क्या?

अगर बेटा मर गया तो दानव की शक्ति आधी रह जायेगी। इसलिये बाप अपने बेटे को अपनी आंखों से कभी दूर नहीं होने देगा।

जादुई डण्डे, आओ, देखें वे दोनों दानव बाप-बेटे कहां जा रहे हैं?
वह अपने बेटे को कोई गुप्त रहस्य बताना चाहता है।

ताऊ जी जादुई शक्ति से अदृश्य हो गये
अब दानव हमें नहीं देख सकेगा। आओ, चलकर उनकी बातें सुनें।
बहुत अच्छा!

पिताजी, हम दोनों की शक्ल हूबहू मिलती है, बस फर्क चोटी और लाठी का है। जो मेरे पास नहीं है। क्या तुम मुझे अपनी लाठी नहीं दे सकते?

ऐसा मत सोचो, मेरे पास जो कुछ है वह सब तुम्हें भी मिलेगा।
पर कब?

दानवी लाठी पाने के लिये तुम्हें दानवों के महान देवता होगांहू की तपस्या कर उन्हें खुश करना होगा तब तुम मुझ जैसे ही शक्तिशाली हो जाओगे।
मंजूर है। मैं शक्तिशाली दानवी लाठी पाने के लिये तपस्या करूंगा।

आओ, हम किसी और जगह चलते हैं। यहां काफी देर से धरती के कीड़ों ने मुझे परेशान कर रखा है। मैं नहीं चाहता कि वे कीड़े तुम्हारी तपस्या में विघ्न डालें।
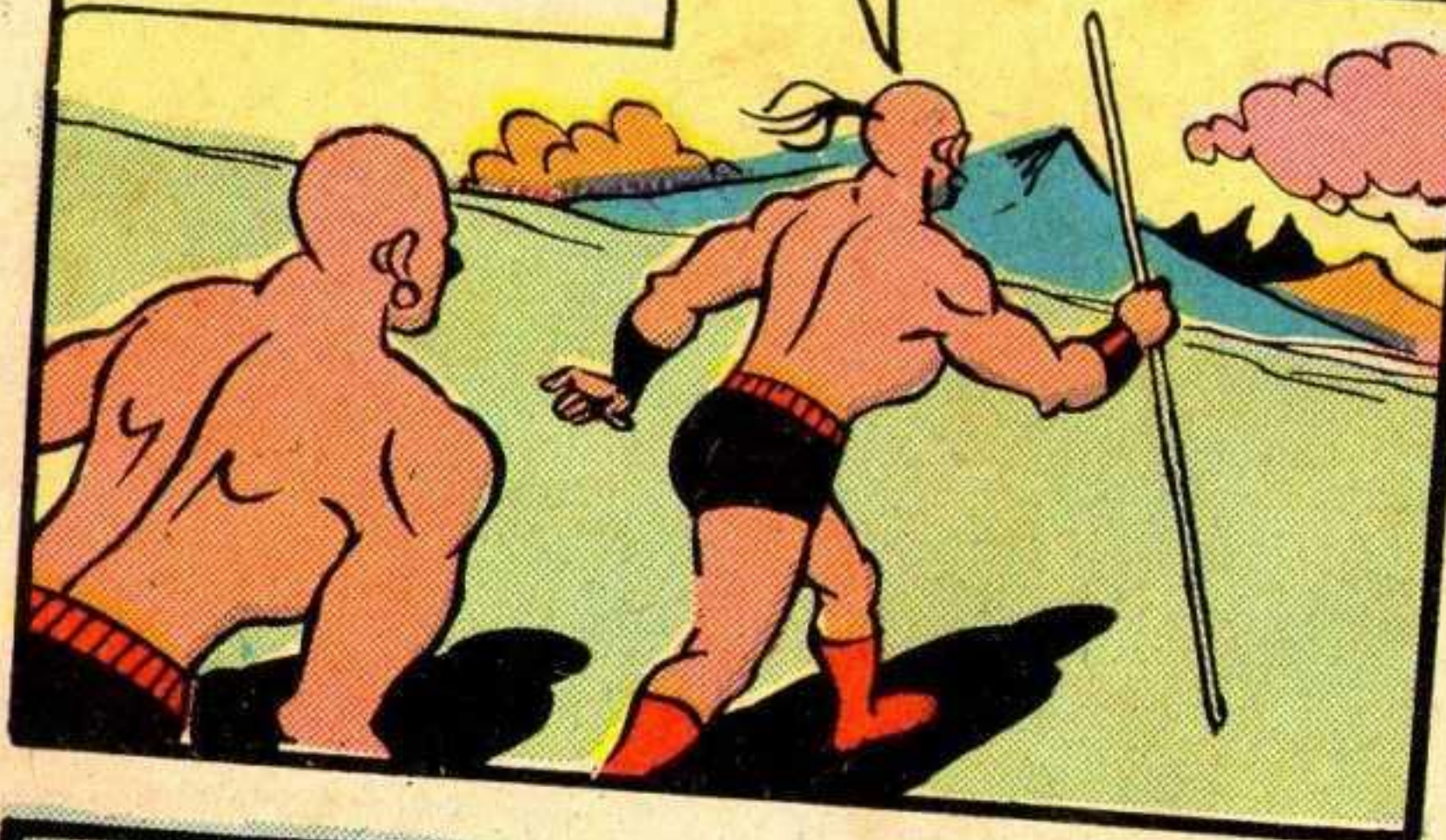
यह जगह ठीक रहेगी। तुम महान देवता होंगडू की तपस्या करो। मैं और मेरी दानवी लाठी दुश्मनों से तुम्हारी रक्षा करेंगे।

अदृश्य ताऊ जी दोनों दानव बाप बेटे की बातें सुन रहे थे।

जादुई डण्डे क्या तुझे पता है दानवों का देवता होंगडू कैसा होता है?
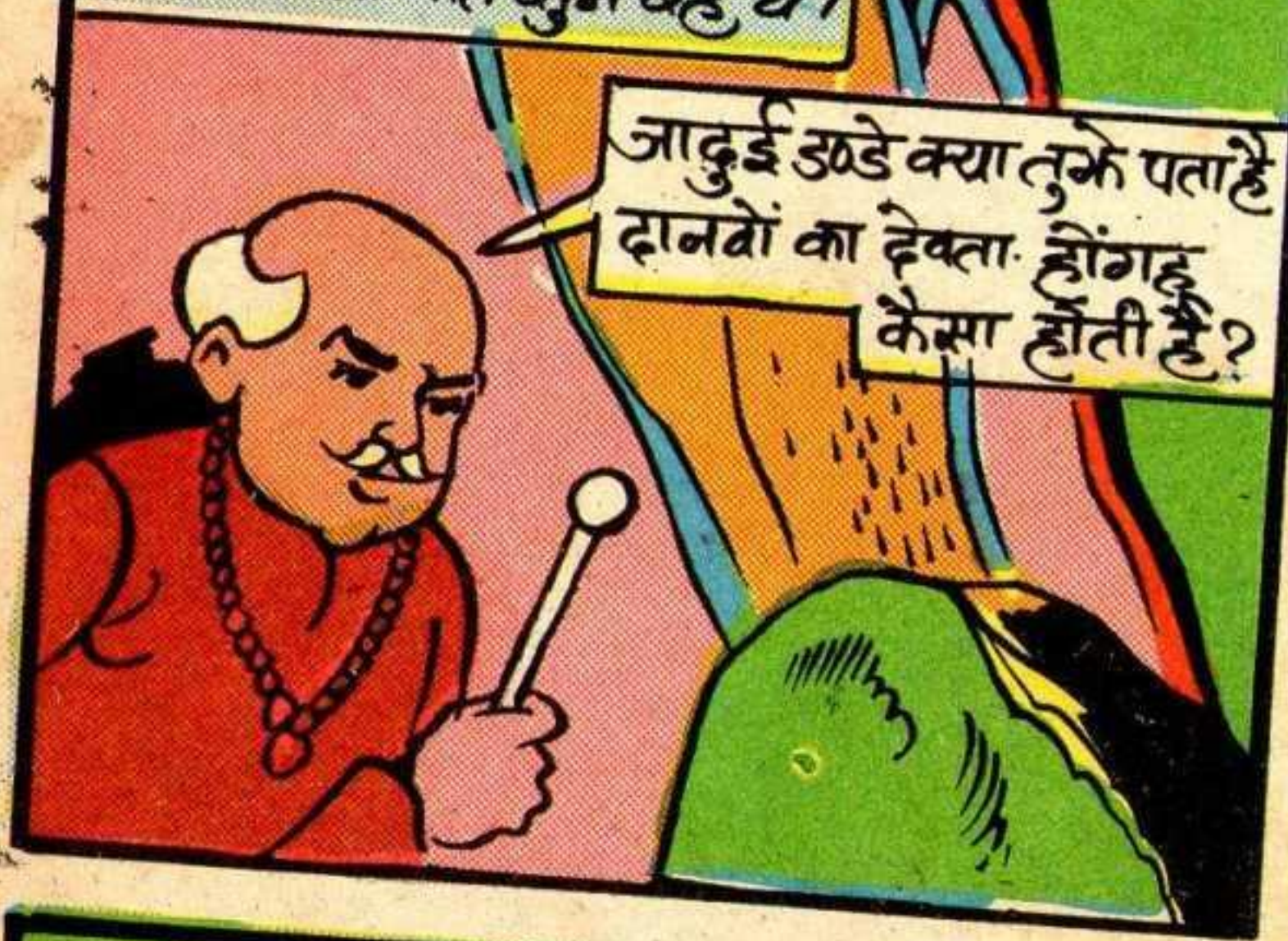
ताऊ जी, होंगडू का मुंह भैंसे के समान और शरीर दैत्यों की ही तरह विशाल होता है।
तब ठीक है। जादुई डण्डे, तुम मुझे उस जैसा ही बना दो?

जादुई डण्डे ने ताऊ जी को दानवों के देवता होंगडू में बदल दिया।
उठो दानव पुत्र, उठो! हम तुम्हारी तपस्या से प्रसन्न हुये।
द.. द.. देवता! होंगडू देवता!

इतनी जल्दी प्रकट हो गये होंगह्रू देवता! मेरा बेटा सच्चा भक्त है।
क्या चाहता है दानव पुत्र, मांग! हम तुझसे खुश हो गये।

मुझे दानवी लाठी चाहिये, होंगह्रू देवता।

दानवी लाठी मैं तुम्हें दे दूंगा, पर उसे पाने के लिये एक शर्त है।

महाशक्तिशाली दानवी लाठी पाने के लिये मुझे हर शर्त मंजूर है। कहिये क्या करना होगा मुझे?

तुझे अपने पिता दम्भी दानव से युद्ध करना होगा। क्या यह मंजूर है तुझे?
अगर मैं युद्ध न करूं तो?
SAGAR RANA & SHIV's SCAN
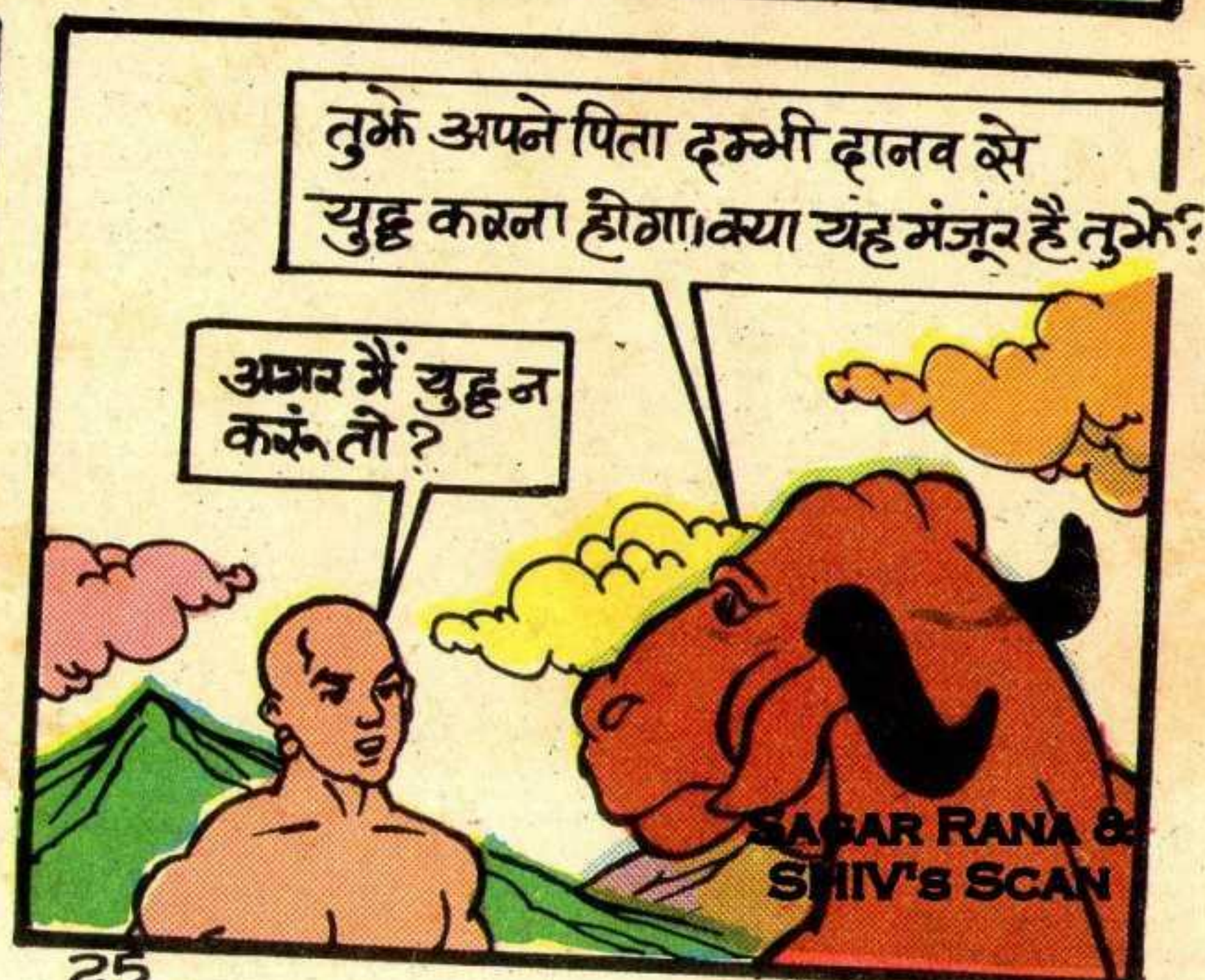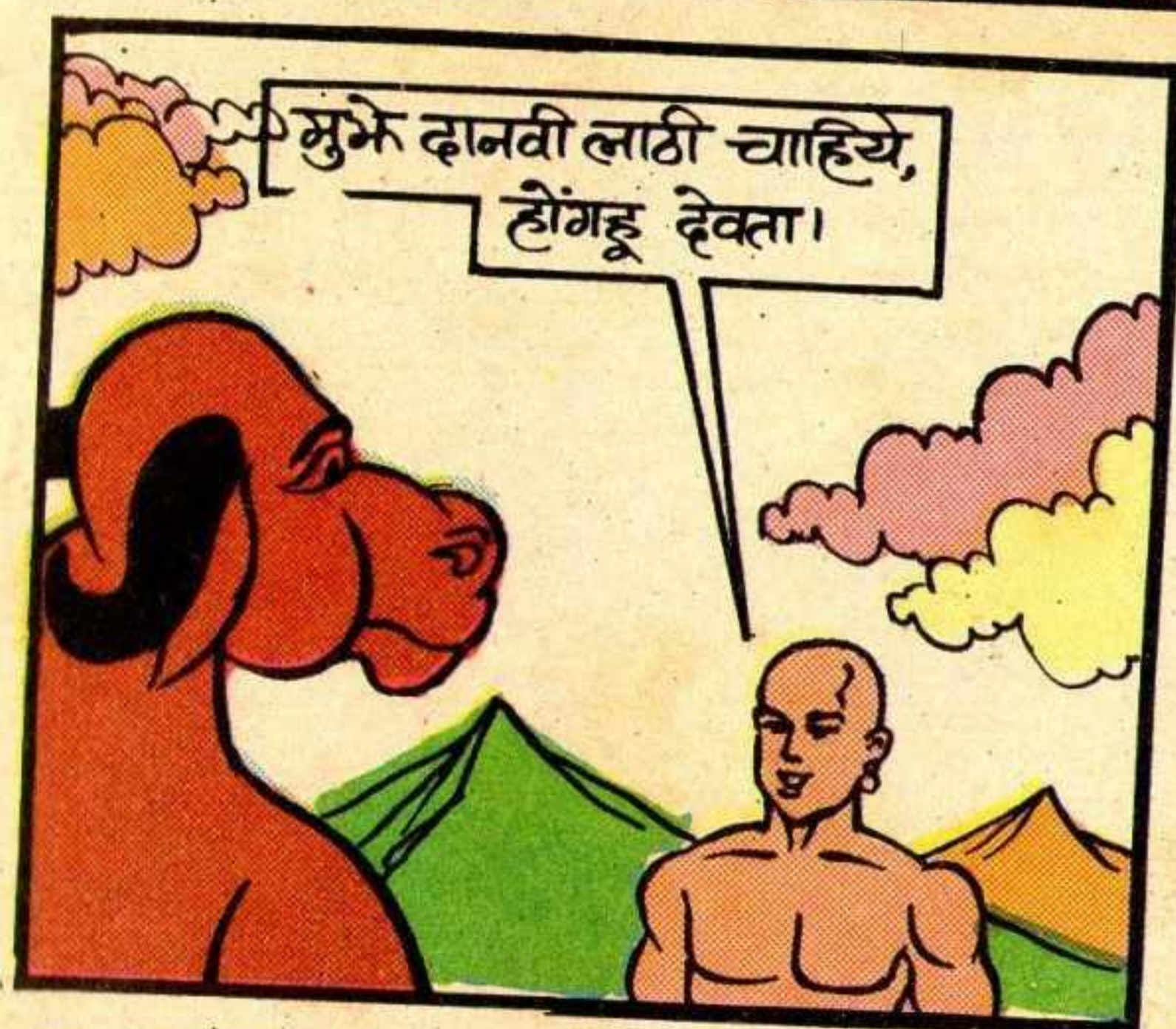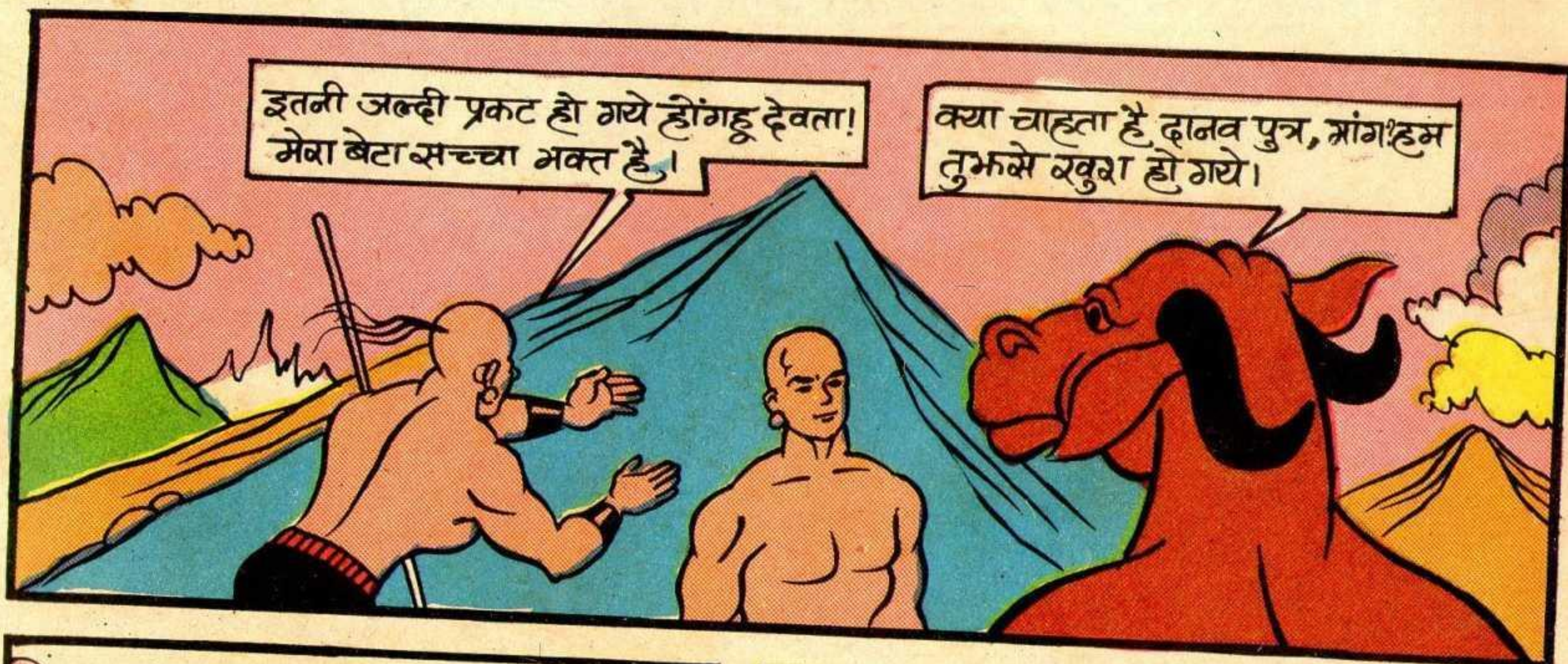
तो किसी भी युद्ध में दानवी लाठी टूटकर तेरे सिर पर ही गिर पड़ेगी और तू मर जायेगा।

और अगर तूने अपने पिता को हरा दिया तो तुझे अपने पिता की शक्ति भी मिल जायेगी और तू अमर हो जायेगा।

तो ठीक है, मैं अपने पिता से युद्ध करूंगा।
नहीं बेटे, नहीं, तुम मुझसे जीत नहीं सकोगे, हो सकता है, तुम मेरे हाथों मारे जाओ।

महान देवता होंग ढू की आज्ञा है। तुम्हारी शक्ति और अमरता पाने के लिये मैं युद्ध करूंगा।

नहीं देवता नहीं! मेरे बेटे को रोक लो, यह युद्ध नहीं होना चाहिये।

दम्भी दानव के रक्त पुत्र ने चीते की फुर्ती से हवा में छलांग लगाई और लाठी का वार बचा लिया।

सड़ाक
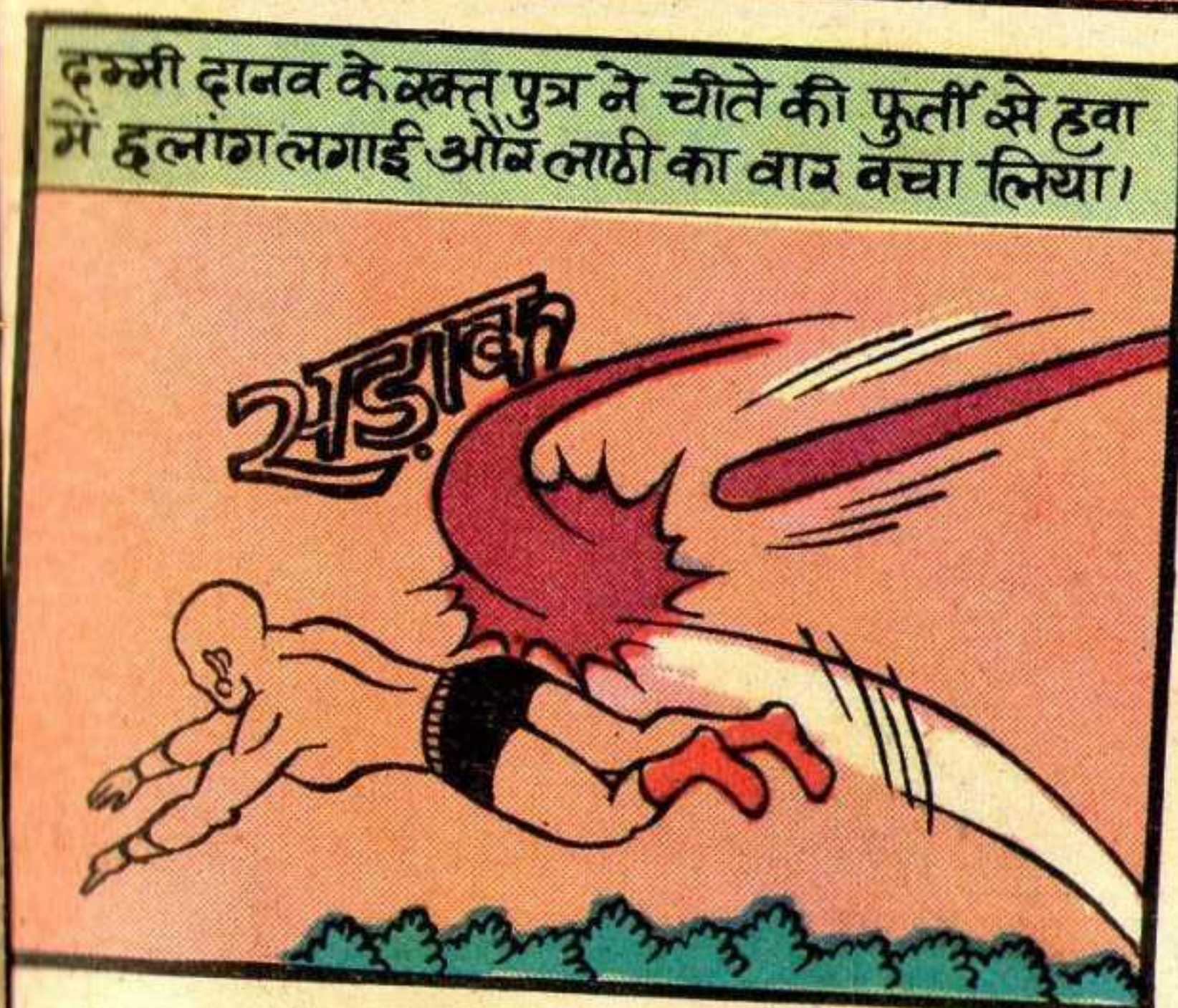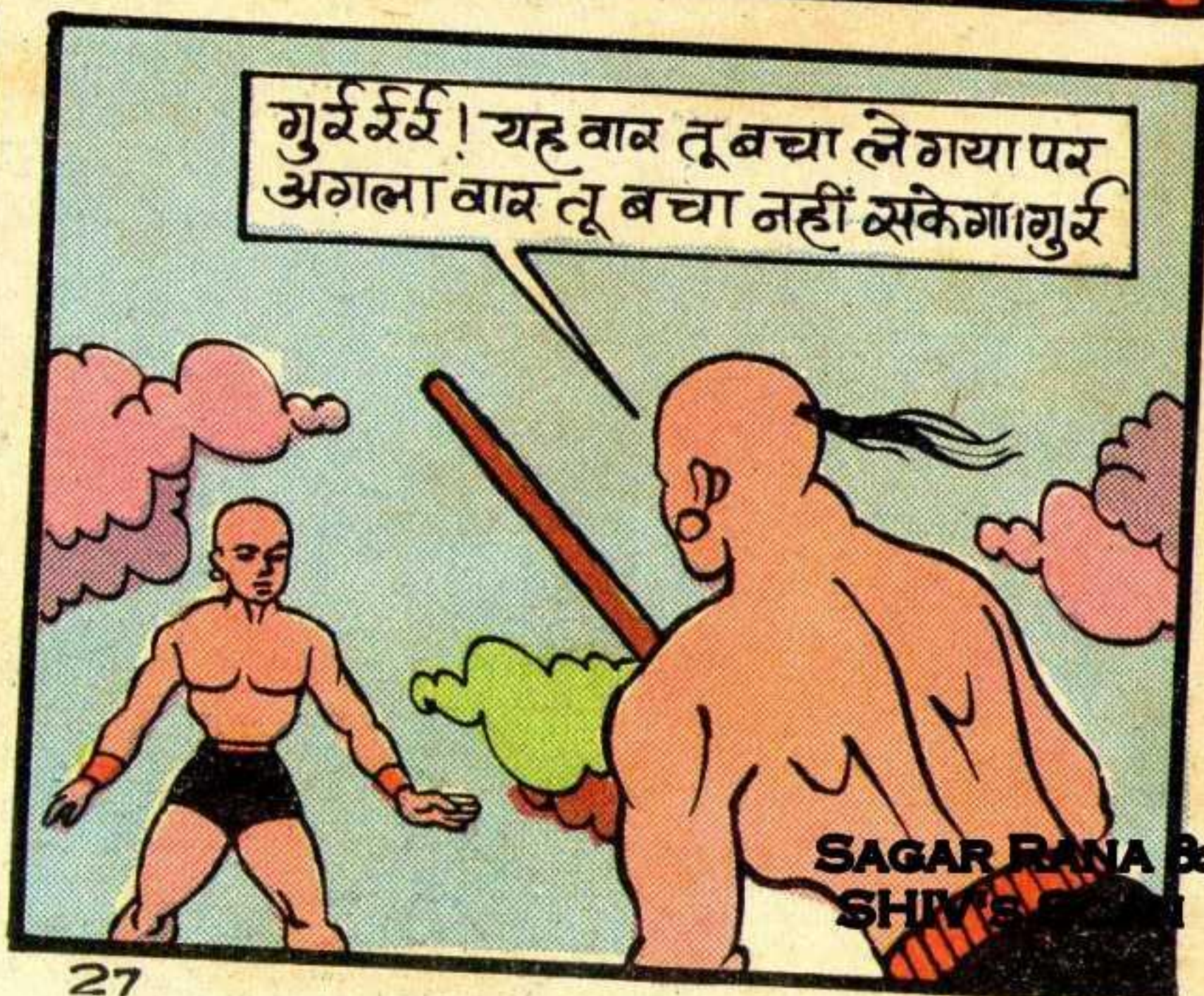
.... दानव पुत्र को समझने में देर नहीं लगी। वह अपने पिता के पास महाशक्तिशाली लाठी के रहते उन तक नहीं पहुंच सकता। उसने एक चट्टान अपने पंजों में पकड़ ली...
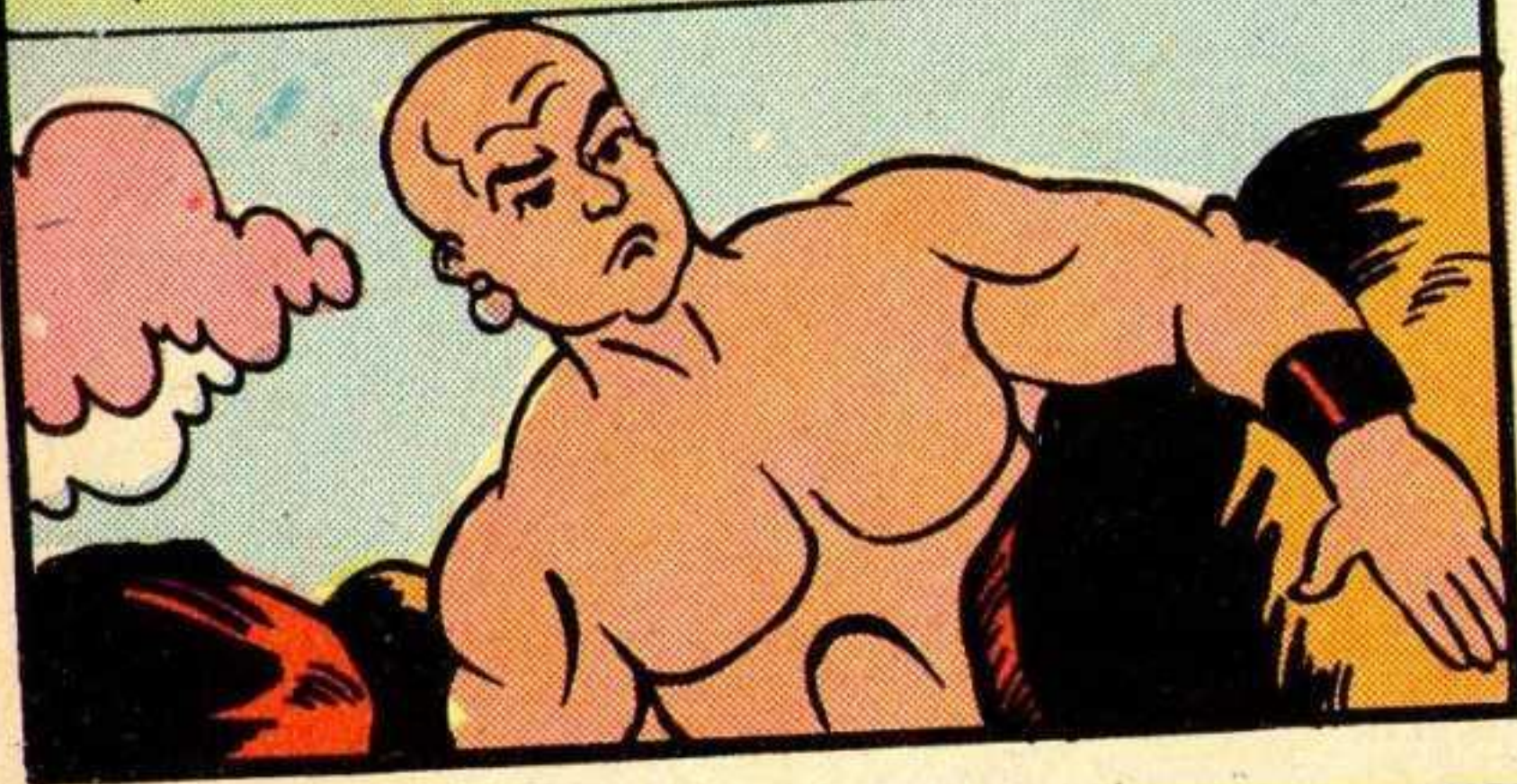
और खिलौने की तरह चट्टान अपने सिर से ऊपर उठा ली...।
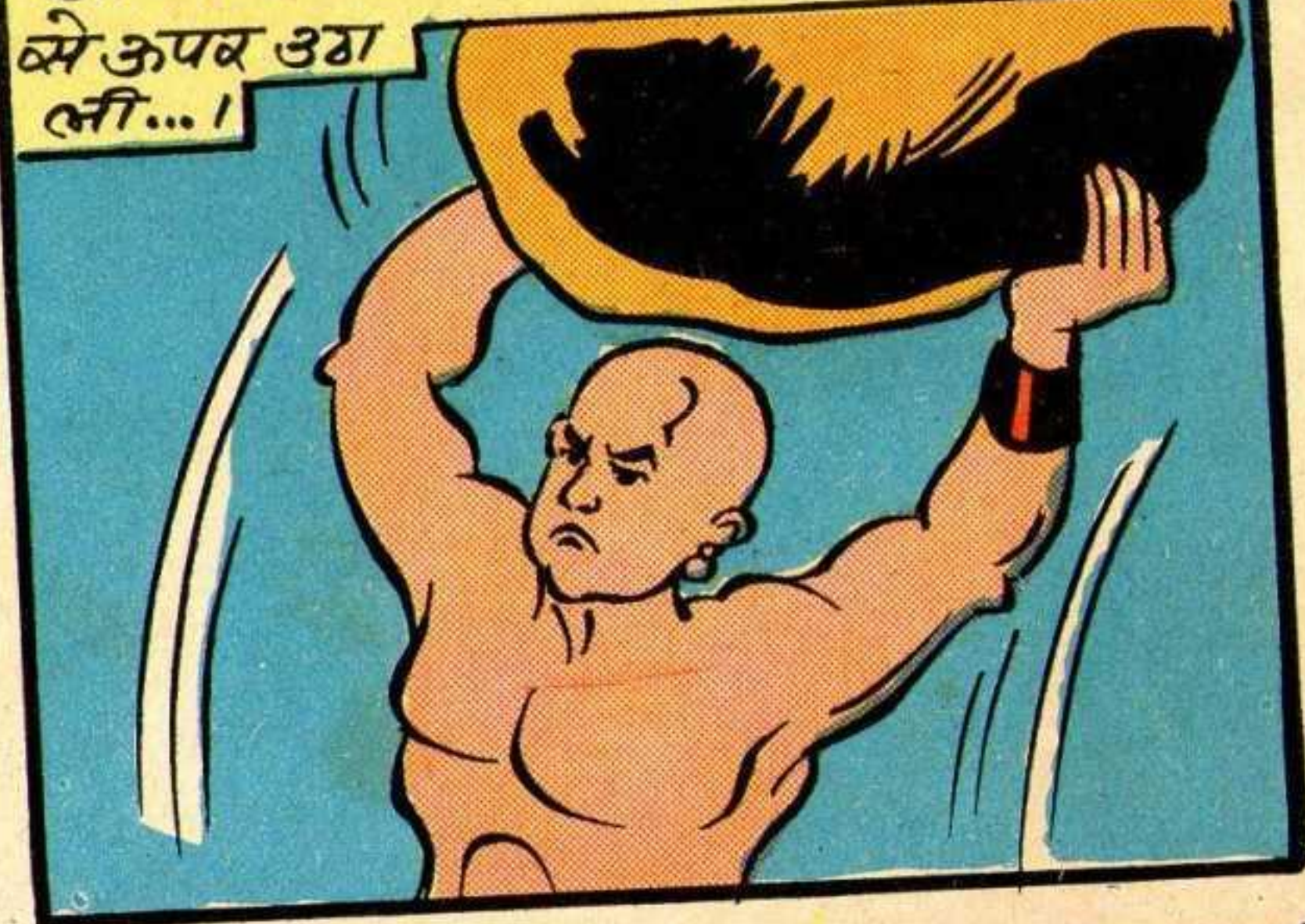
घबराओ मत पिताजी! संसार की कोई भी शक्ति मेरा रास्ता नहीं रोक सकती। महान देवता होंगहू को दिया वचन मैं निभाऊंगा।

उड़ती हुई विशालकाय चट्टान आसमान से गिरी किसी उल्का की तरह कर्ण भेदी धमाके के साथ उसी जगह गिरी जहां दम्भी दानव खड़ा था।
गुर्र्र्र! तू...? मुझे ललकारने लगा?
धड़ाम

दम्भी दानव क्रोध में आकर भयंकर तरीके से दहाड़ा...
गुर्र्र.....रक्तपुत्र! तूने मेरे सोये हुये दानव को ललकारने की हिमाकत की है। मैं तुझे च्यूंटी की तरह मसल दूंगा।
दम्भी दानव, हिम्मत है तो वार करके तो देख?

नहीं, अब मैं इस बड़बोले को जिन्दा नहीं छोड़ूंगा। जा मेरी लाठी कर दे इसे राख।
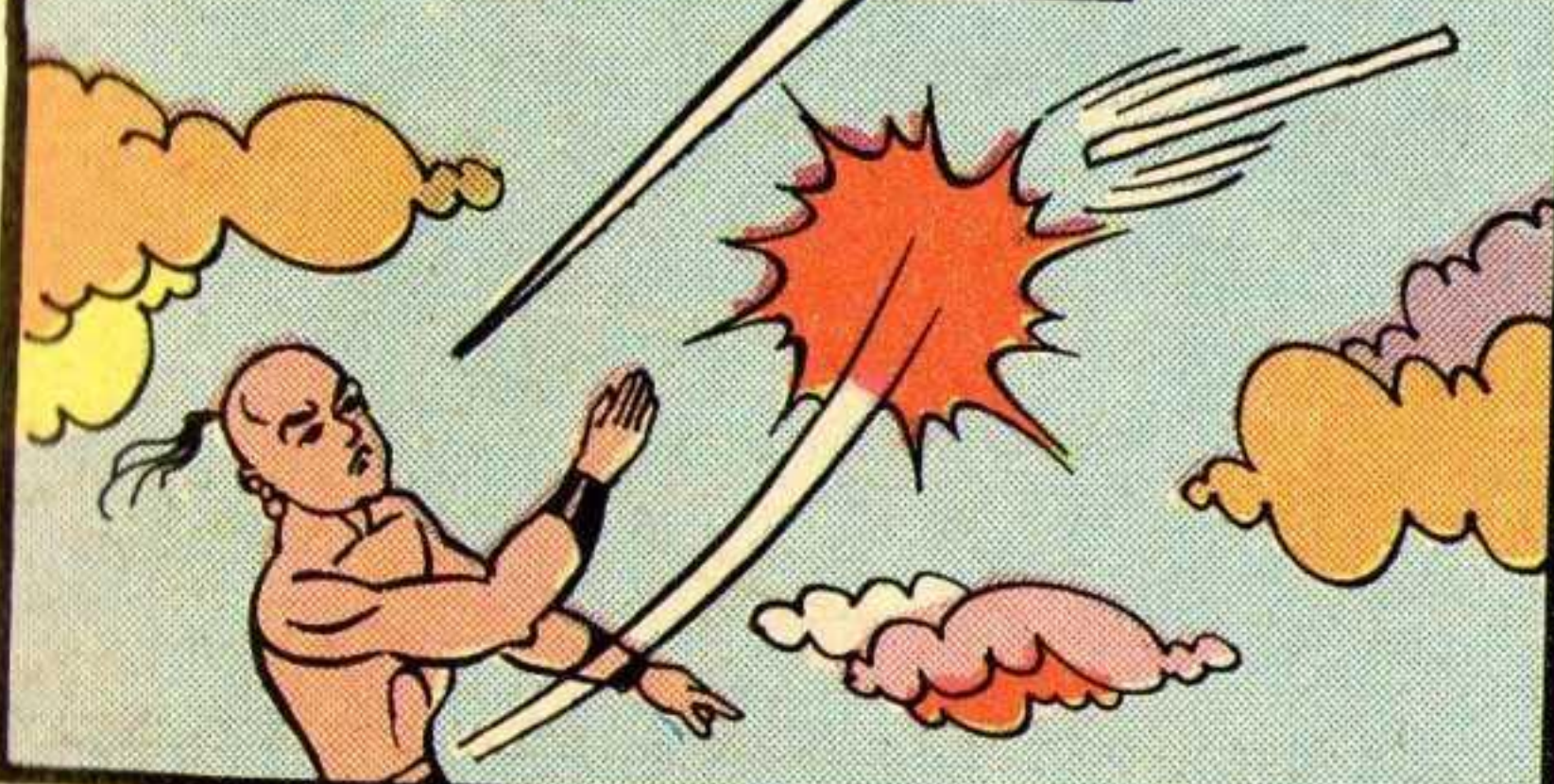
दानवी लाठी तेजी से आग की भयंकर लपटें उगलती हुई दम्भी दानव के रक्त पुत्र की ओर लपकी...
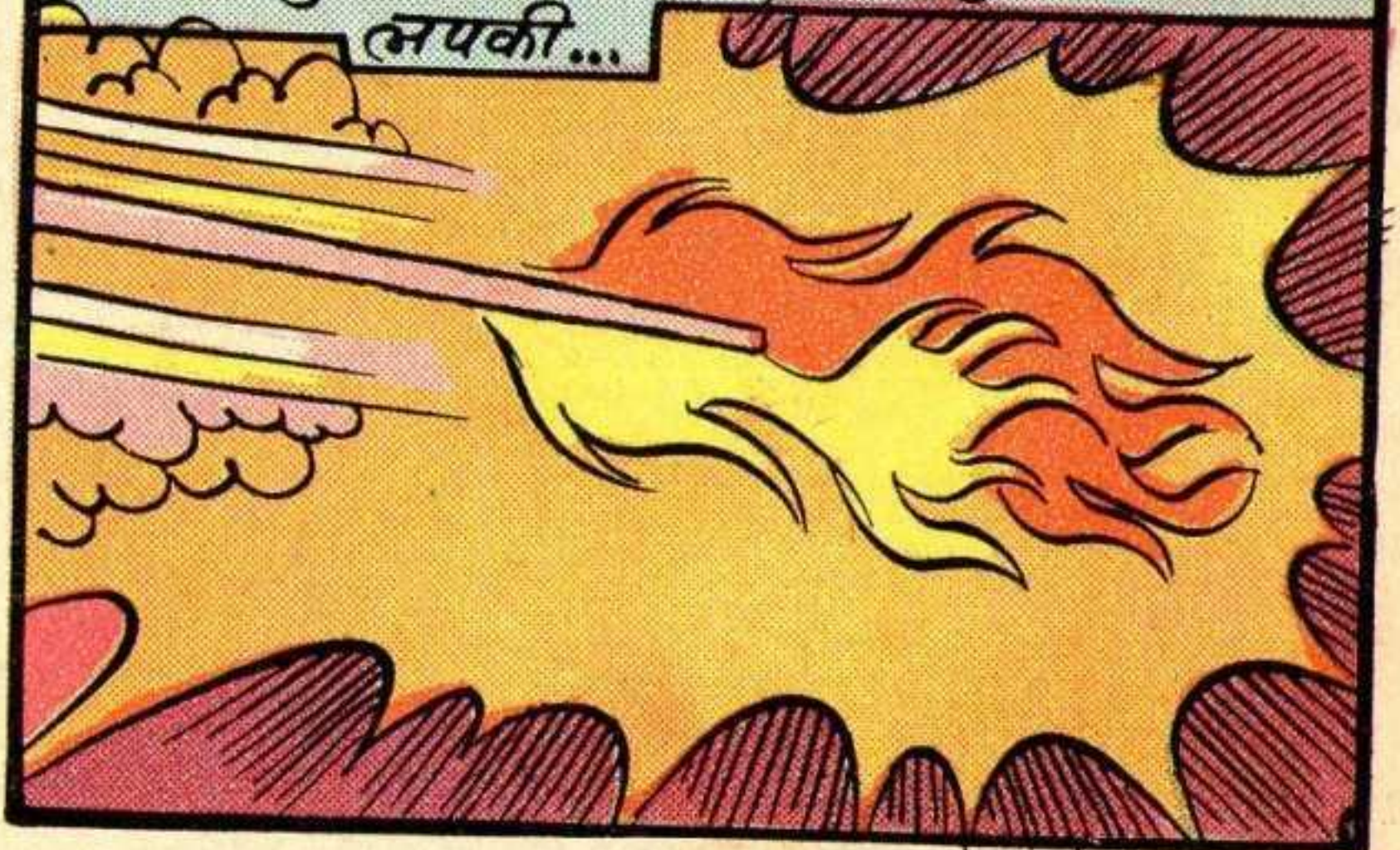
ओह! दानवी लाठी की लपटें मुझे राख कर देंगी इससे मुझे पाताल लोक का राजा कुम्भी ही बचा सकता है।
दानवी लाठी की आग से बचने के लिये दानव के रक्त पुत्र ने समुद्र में छलांग लगा दी...
SAGAR RANA & SHIV's SCAN

हा..हा..हा!!! मुझसे युद्ध करने आया था, कमबख्त! जान बचाकर भाग गया! हा..हा..हा..!

हो गए देवता! मैं जीत गया। अब तुम्हें मुझे अमरता का वरदान देना होगा।

अगर तुम अमरता का वरदान पाना चाहते हो तो एक ही रास्ता है। दानवी लाठी को वापस बुलाना होगा।

ऐ! मेरी दानवी लाठी वापस आ!

यह क्या? मेरी दानवी लाठी समुद्र से बाहर क्यों नहीं आ रही?
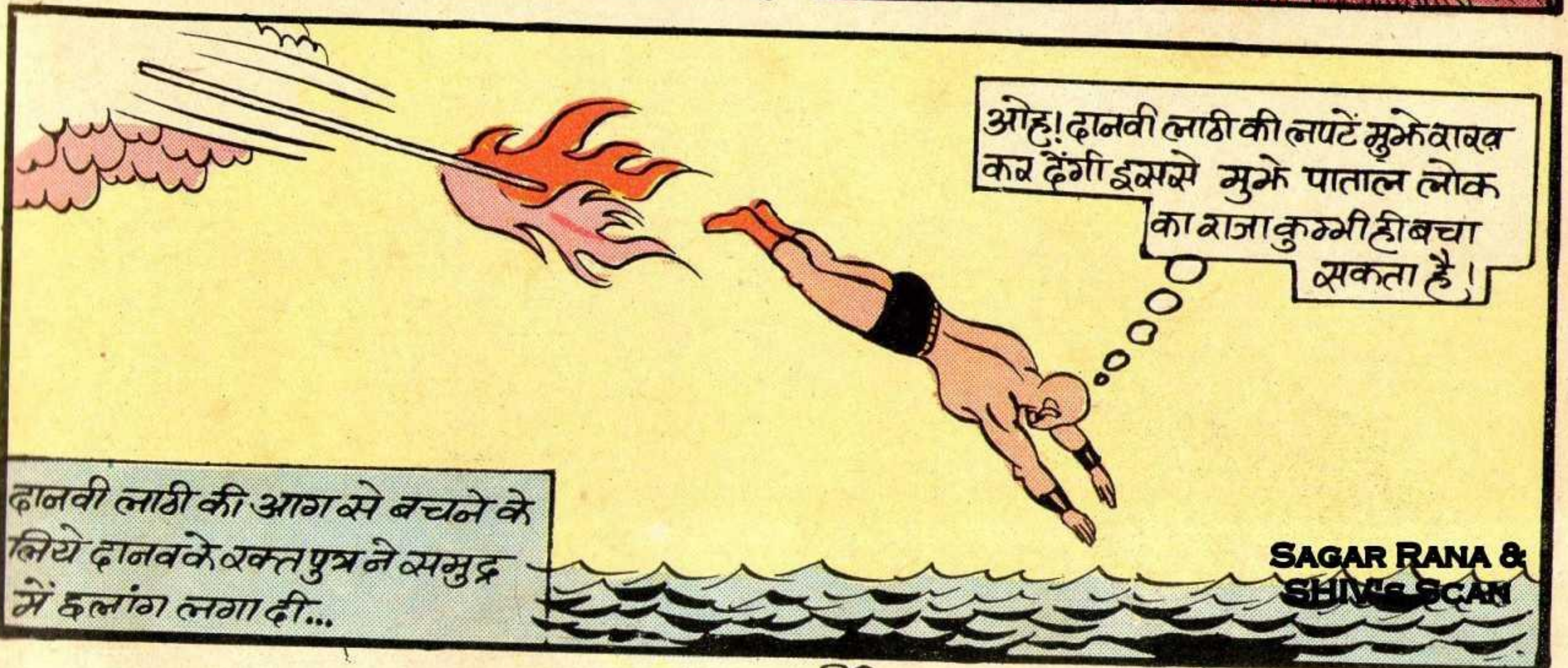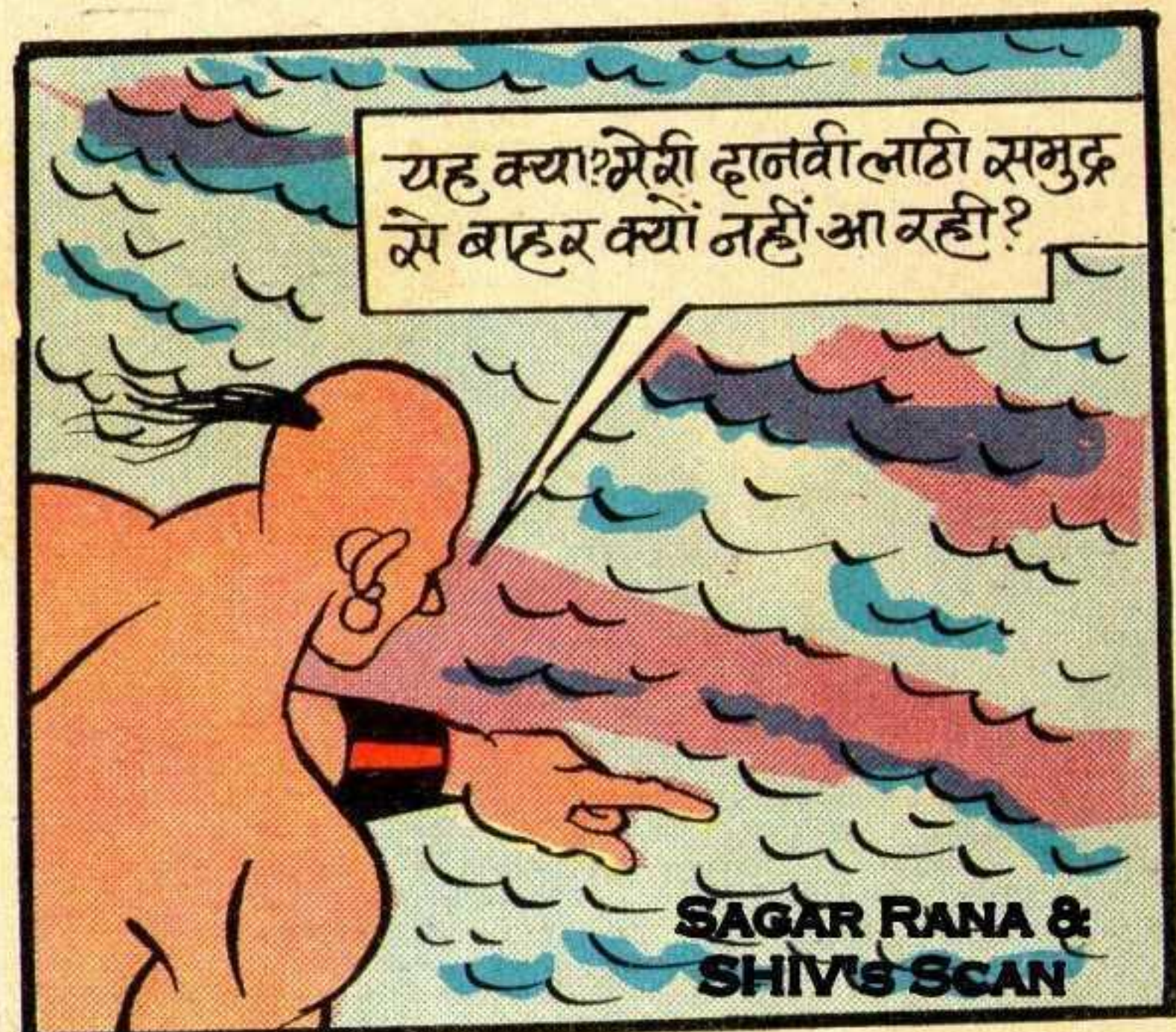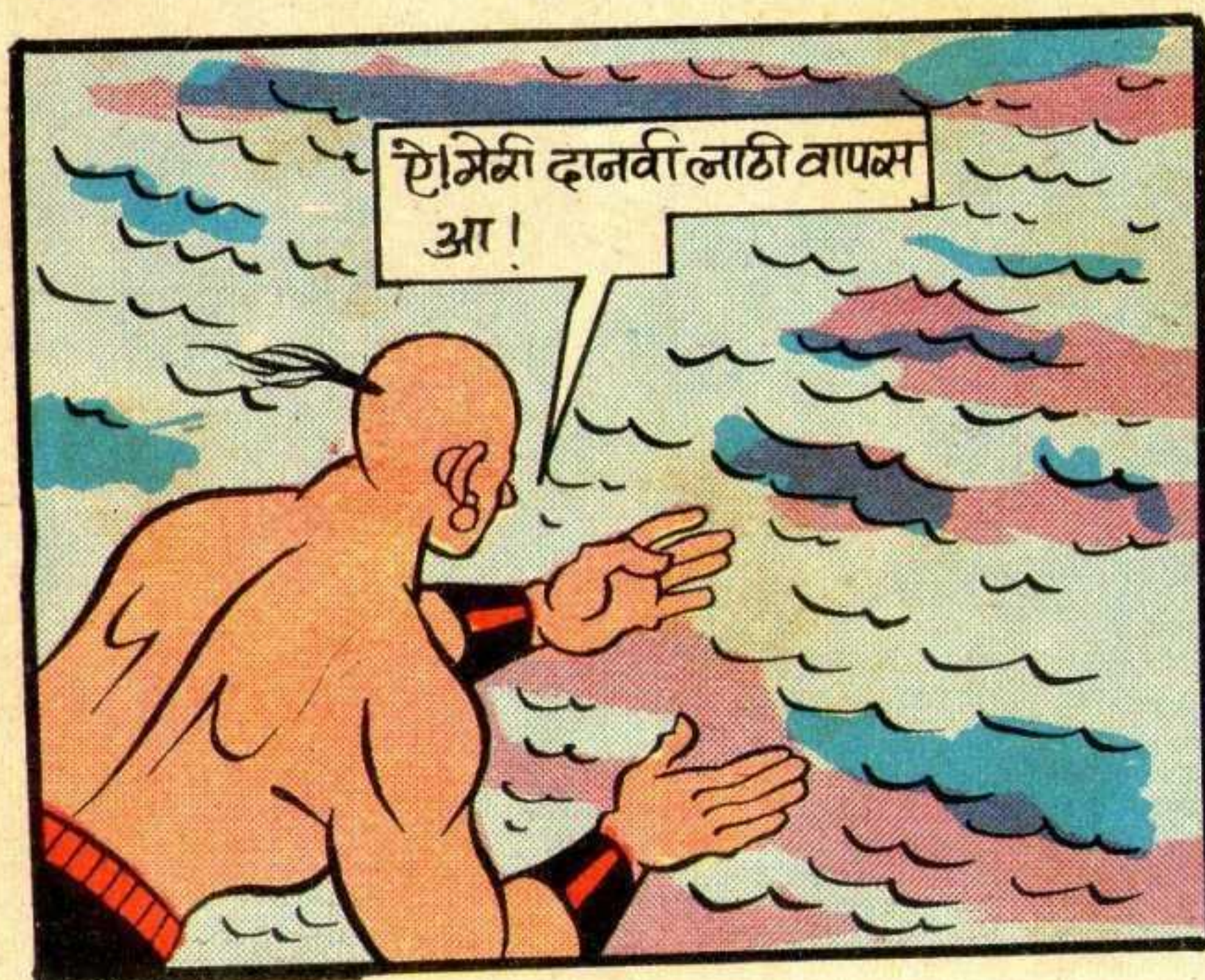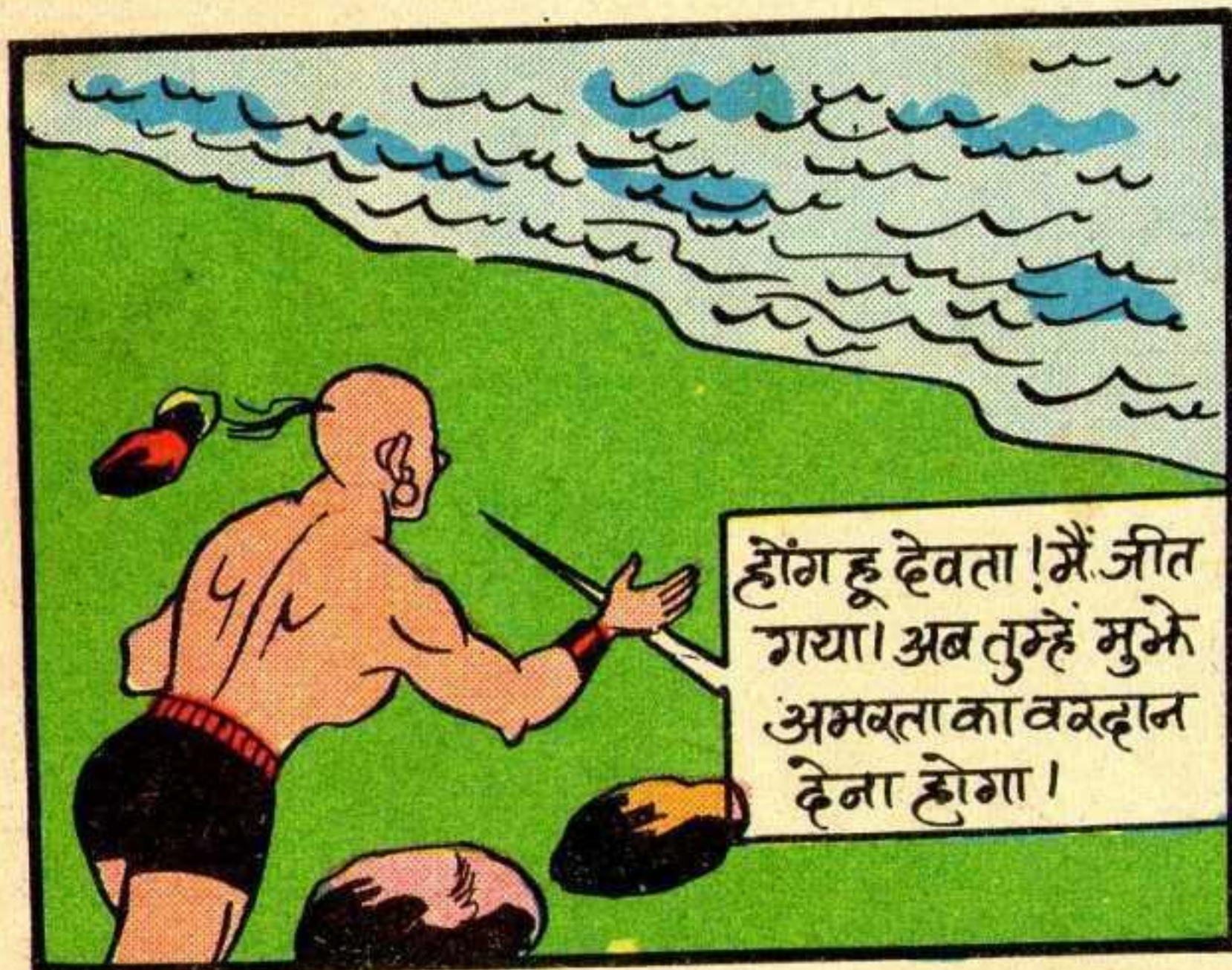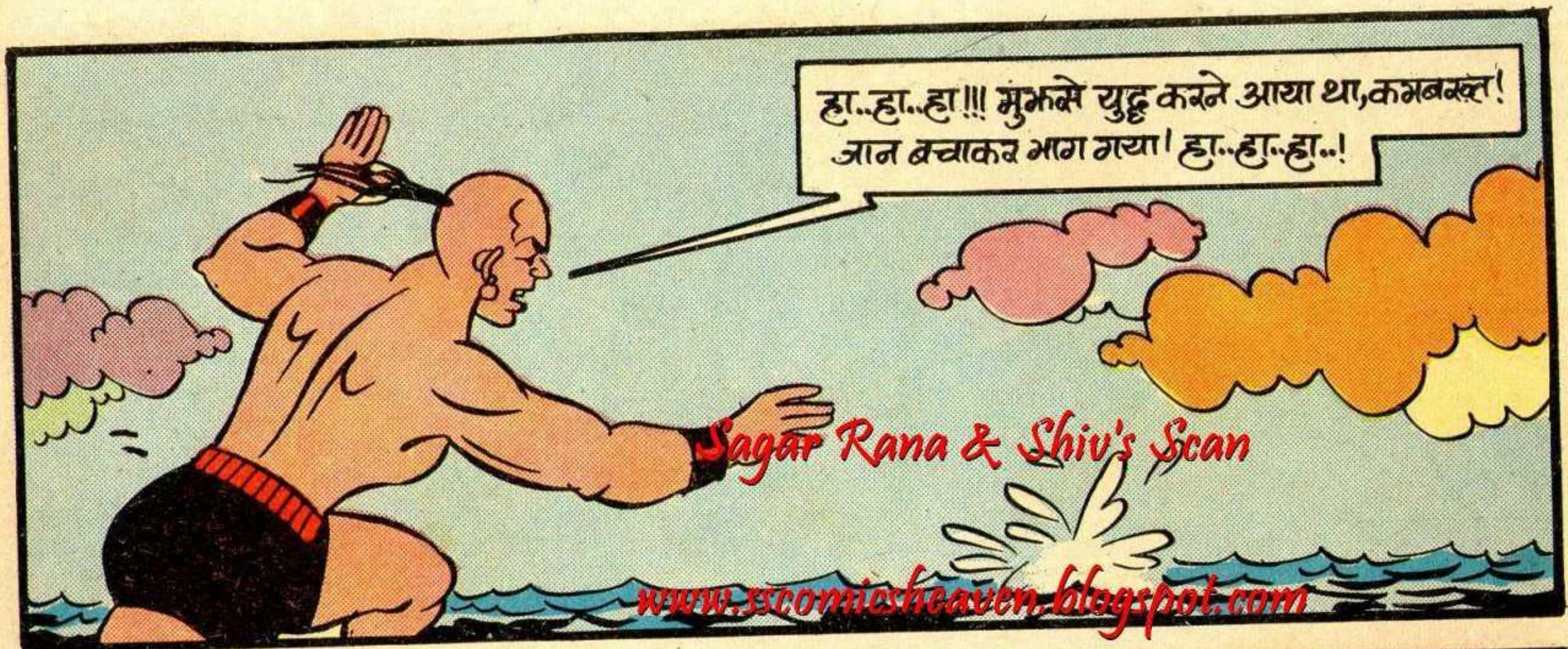
अचानक ही होंग हू देवता बने ताऊ जी अपने असली रूप में आ गये।
हा..हा..हा..! बेवकूफ दम्भी तेरे रक्त पुत्र के साथ ही तेरी दानवी लाठी भी पाताल लोक के राजा, तेरे भाई कुम्भी के पास चली गई है।
दम्भी, दानवी लाठी के जाते ही तेरी शक्ति आधी रह गई है। अच्छा हो अब पृथ्वी लोक छोड़कर, पाताल लोक वापस लौट जा।
नहीं, तूने मुझे होंग हू देवता बनकर धोखा दिया है। मैं पृथ्वी लोक पर तबाही मचाकर ही पाताल लोक जाऊंगा लेकिन पहले तुझे ठिकाने लगा दूं।
जैसे ही दानव ने ताऊ जी को पकड़ने के लिये अपना भयंकर पंजा बढ़ाया ताऊ जी जादुई डण्डे के जादू से गायब हो गये।
अँय!? गायब हो गया!
इसकी यह हिम्मत कि मुझ जैसे शक्तिशाली दानव को मूर्ख बनाये!
SAGAR RANA & SHIV's SCAN
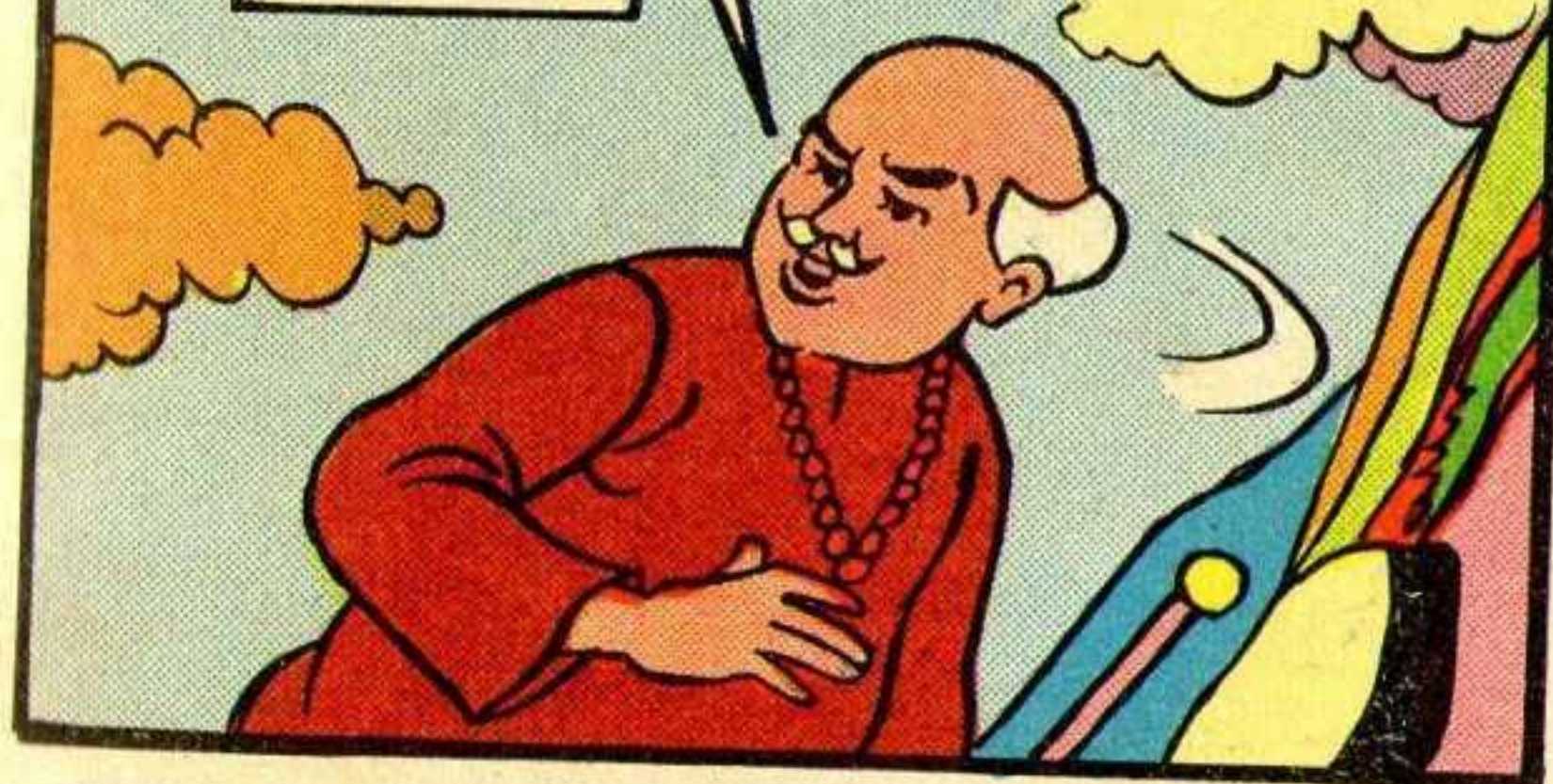
चालाक बूढ़े के जादू से बचने के लिये मुझे महान देवता होंग हू से जादुई शक्ति पानी होगी।

सात समुन्दर और सात आसमानों के पार सोनेवाले दानवों के महान देवता होंग हू, जागो... जागो!

अचानक ही ताऊ जी का जादुई डण्डा बोल उठा...
ताऊ जी, जल्दी कुछ करिये? होंग हू देवता से शक्ति पाकर यह दानव भयंकर शक्ति-शाली हो जायेगा।

जादुई डण्डे जाओ अपनी सारी शक्ति से इसे होंगहू देवता की तपस्या से रोको?
ताऊ जी ने अपना जादुई डण्डा आसमान में उछाल दिया...

जादुई डण्डे ने दानव पर हमला किया...
जागो... जागो होंग हू देवता जागो!
ओह, इसके शरीर से निकलने वाली शक्तियां मुझे इस तक पहुंचने से रोक रही हैं।
SAGAR RANA & SHIV's SCAN

जादुई डण्डा ताऊ जी के पास लौट आया।
ताऊ जी, दानव की आधी बची शक्ति भी पचास अरब प्राणियों की शक्ति के बराबर है। मेरी शक्ति इसका मुकाबला नहीं कर सकती।

यह तो बहुत बुरा हुआ। देवता से शक्ति पाकर यह सारी पृथ्वी ही उजाड़ देगा। क्या इसे मारने का कोई उपाय नहीं जादुई डण्डे?

ताऊ जी इस दानव को मारने के लिये अपको भी अपनी मानसिक शक्ति पचास अरब प्राणियों की शक्ति के बराबर करनी होगी तभी इसे मारा जा सकता है।

ओह! जब तक मैं इतनी शक्ति पाने के लिये तपस्या करूंगा तब तक यह दानव सब कुछ उजाड़ चुका होगा। मुझे ही कुछ सोचना होगा।

जादुई डण्डे, मुझे आकाश में ऐसे बादलों के झुण्ड की आड़ में ले चलो जहां से दम्भी दानव मुझे देख न सके।
जो आज्ञा ताऊ जी।
और ताऊ जी आकाश में उड़ चले...

जागो... जागो। सात समुन्दर और सात आसमान के पार के महान होंग हू देवता जागो...

तभी दूर बादलों के पार से आवाज़ आई...

बेवकूफ़ दम्भी। करोड़ों वर्षों की गहरी नींद से जगाकर तूने मुझे क्यों बुलाया?

ओ दानवों के महान देवता होंग हू मुझे पृथ्वी के एक चालाक जादूगर से निपटने के लिये शक्ति चाहिये।

मूर्ख दम्भी, इतना शक्तिशाली दानव होकर भी तू पृथ्वी के कीड़े जैसे जादूगर को अब तक नहीं मसल सका ?!

नहीं, नहीं देवता! जादूगर इतना छोटा है कि मेरे विशाल पंजों की पकड़ में आने से पहले ही छिटककर निकल आता है।

हा..हा..हा! दम्भी तेरी अक्ल भी तेरे शरीर की तरह ही मोटी है मूर्ख, छोटे कीड़े को पकड़ने के लिये तुझे भी छोटा होना चाहिये।
ओह! यह तो मुझे सूझा ही नहीं।

देखते ही देखते दम्भी दानव छोटा होने लगा...

उधर बादलों में छिपे ताऊ जी...
जादुई डण्डे मुझे नीचे पहाड़ी पर ले चलो जल्दी!
जो आज्ञा ताऊ जी!
SAGAR RANA & SHIV's SCAN

ताऊ जी आकाश से उतर कर एक चट्टान के पीछे छिप गये।
वह हमें ढूंढते हुये यहां ज़रूर आयेगा

हुम्म! आदमी के ताजे गोश्त की गंध।.... वह पास ही कहीं छुपा है।

अब वह इन्सानों जैसा छोटा हो गया है, जादुई डण्डे! क्या इसमें अब भी पहले जैसी शक्ति है?

नहीं, छोटा होते ही इसकी शक्ति भी कम हो गई है। अब इसमें साधारण दानव की शक्ति है।

अब मैं अपनी शक्ति से इसे खत्म कर सकता हूं?
नहीं ताऊ जी, इसकी मौत का रहस्य जाने बिना आप इसे नष्ट नहीं कर सकते।

इसकी लाखों सालों की कठोर तपस्या से खुश होकर दानवों के महान देवता होंगहू ने इसे मृत्यु का अभयदान दिया है। परन्तु इसकी मृत्यु होने की एक शर्त भी है जिसे यह खुद ही जानता है।
SAGAR RANA & SHIV's SCAN

जादुई डण्डे, यह तो एक नई मुसीबत खड़ी हो गई। भला यह खुद अपनी मृत्यु का रहस्य क्यों बतायेगा?
फिक्र मत करो ताऊ जी। इसका भी एक रास्ता है।

इसके छोटे शरीर के अनुपात मे इसकी मानसिक शक्ति भी कम हो गई है अब आप अपनी मानसिक शक्ति से इसे आसानी से सम्मोहित कर, इसी से पता कर सकते हैं।

ताऊ जी ने मानसिक सम्मोहन किया...

दानव को लगा आकाशवाणी हो रही है।
कुम्भी, क्या तुम्हें अपने देवता की आवाज सुनाई दे रही है?
हां, महान देवता होंग हू आज्ञा दीजिये।

क्या तुम्हें याद है, किसी से लड़ते समय अपनी मृत्यु से बचने के लिये तुम्हें किस चीज़ से बचना चाहिये।

हां, महान देवता होंग हू याद है अमरता का वरदान होने पर भी अगर गलती से भी मेरा हाथ मेरे सिर पर चला गया तो मेरी मृत्यु हो जायेगी।
SAGAR RANA & SHIV's SCAN

होंग हू देवता से लड़ाई में विजय का वरदान पाकर दम्मी उस चट्टान की ओर बढ़ा जहां ताऊ जी छिपे थे।

ताऊ जी सावधान, वह चट्टान उठाकर आपको पकड़ने आ रहा है

गंजे जादूगर, अब तू मेरे पंजे से बच नहीं सकता।
ओहऽऽ! अब मुझे पकड़ने के लिये तुझे पिद्दी जैसा बौना बनना पड़ा, दम्मी, हा..हा..हा.।

इसके पहले कि तू अपने जादू से डण्डे की जादुई शक्ति से मुझ पर हमला करे मैं तेरा सर धड़ से अलग कर दूंगा गुर्रर्र

ताऊ जी, दानव के वार करने से पहले ही आप हमला करिये वरना आप मुसीबत में पड़ जायेंगे।
SAGAR RANA & SHIV's SCAN
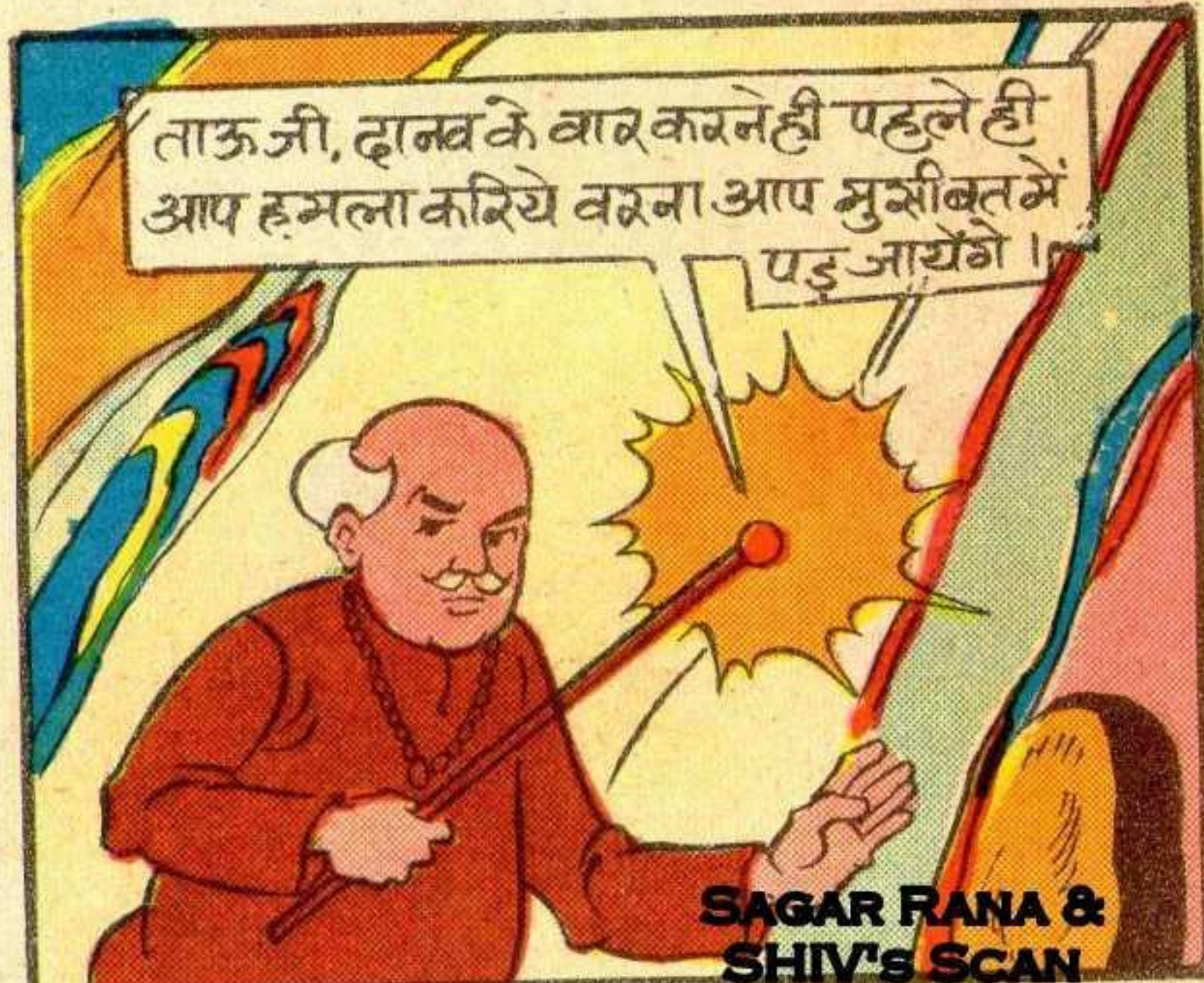
जादूगर बूढ़े . इसके पहले कि तू मुझ पर जादू के डण्डे से हमला करे, मेरा वार सम्भाल गुर्र र र...।
ओह..जादू का डण्डा!
खटाक

हा-हा..हा! जादू के डण्डे के बिना अब तेरी शक्ति मेरी शक्ति के बराबर है। मैं तुझे कच्चा खा जाऊंगा।

ताऊ जी ने मंत्र पढ़कर हाथों से जादुई इशारा किया।
ठीक है, पर तू किस-किस को खायेगा?

हा.. हा..हा..! मूर्ख बूढ़े तू सोचता है तेरा जादू मुझ पर चल जायेगा? पागल..

पाताल लोक के दानव दिमाग के इतने कमज़ोर नहीं होते कि पृथ्वी के तुझ जैसे जादूगरों का जादू उन पर चल जाये। मूर्ख...
SAGAR RANA & SHIV's SCAN

खबरदार दम्भी जादुई डण्डा अब मेरे हाथों में है।
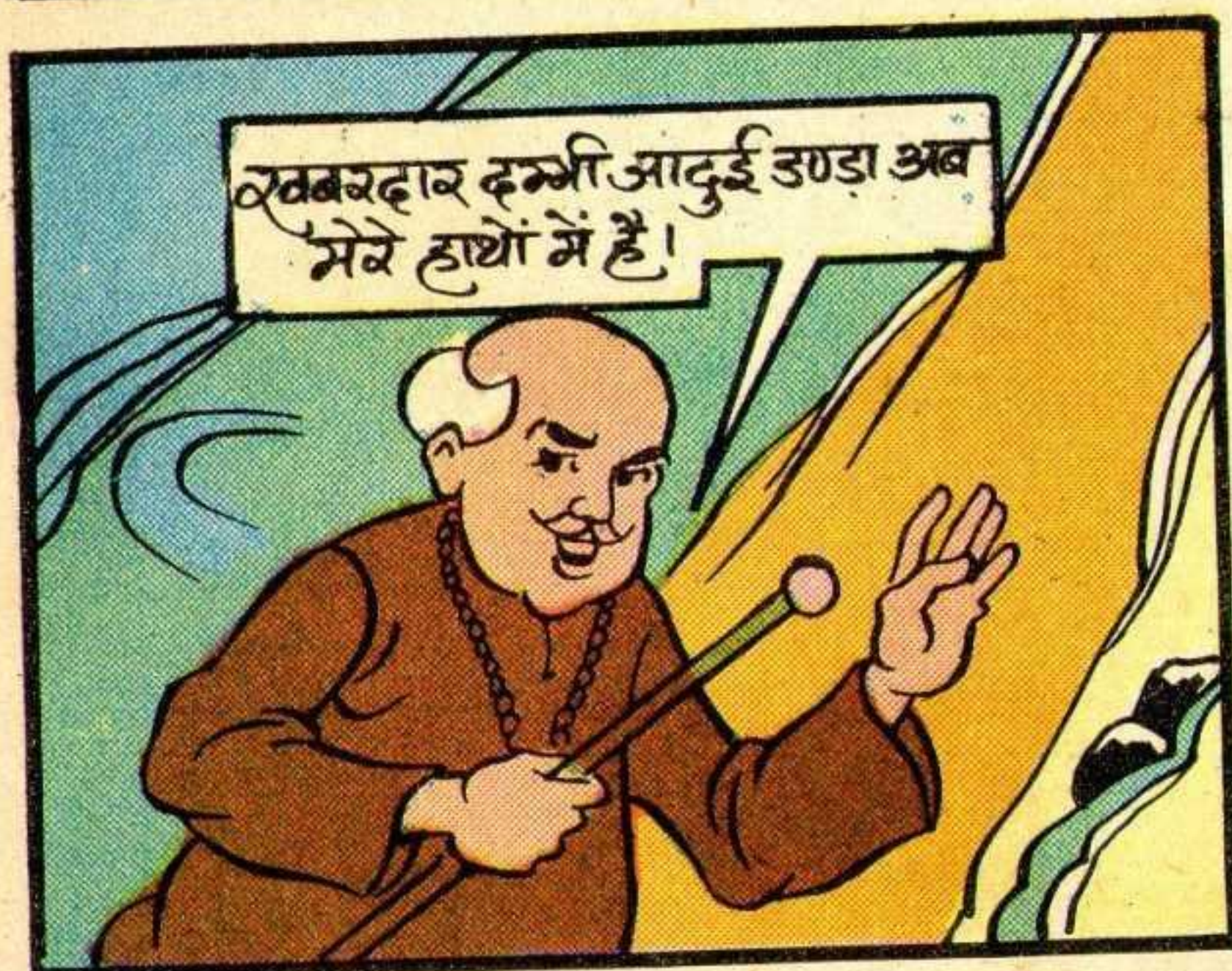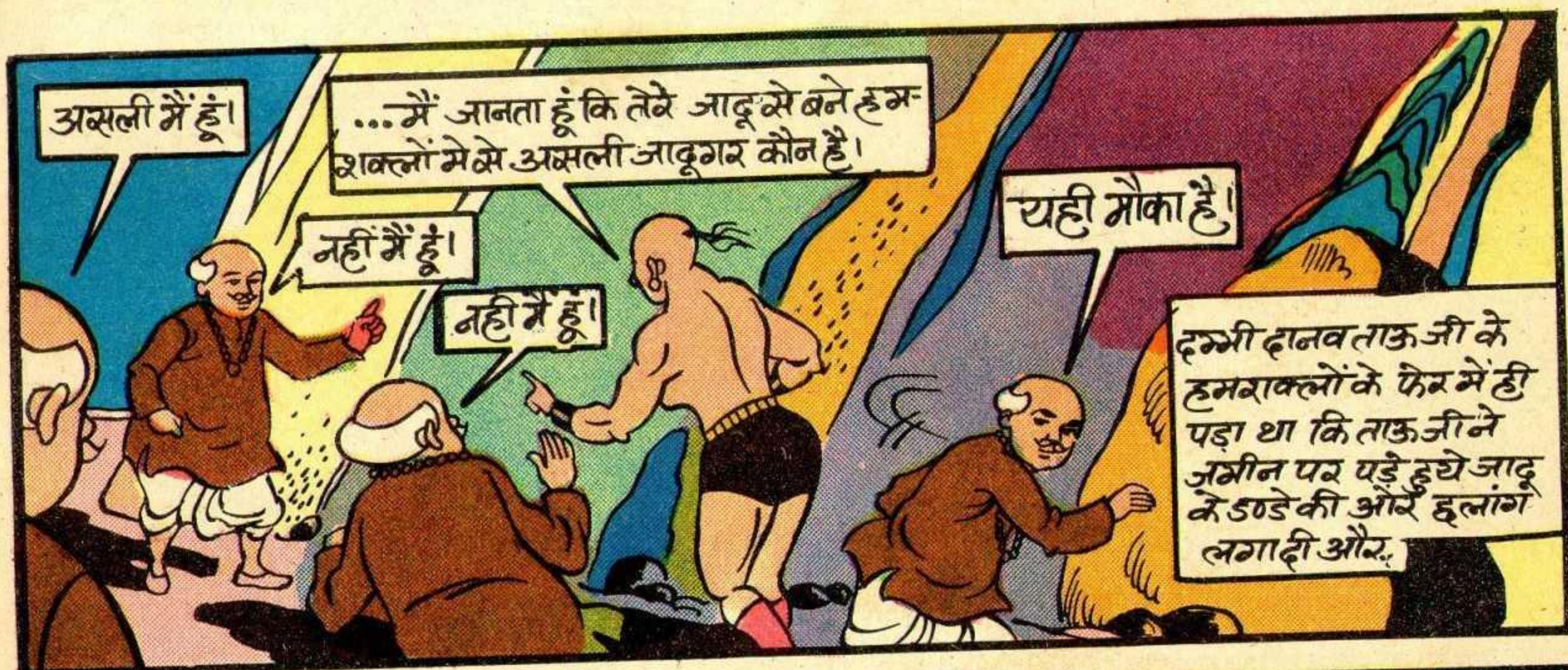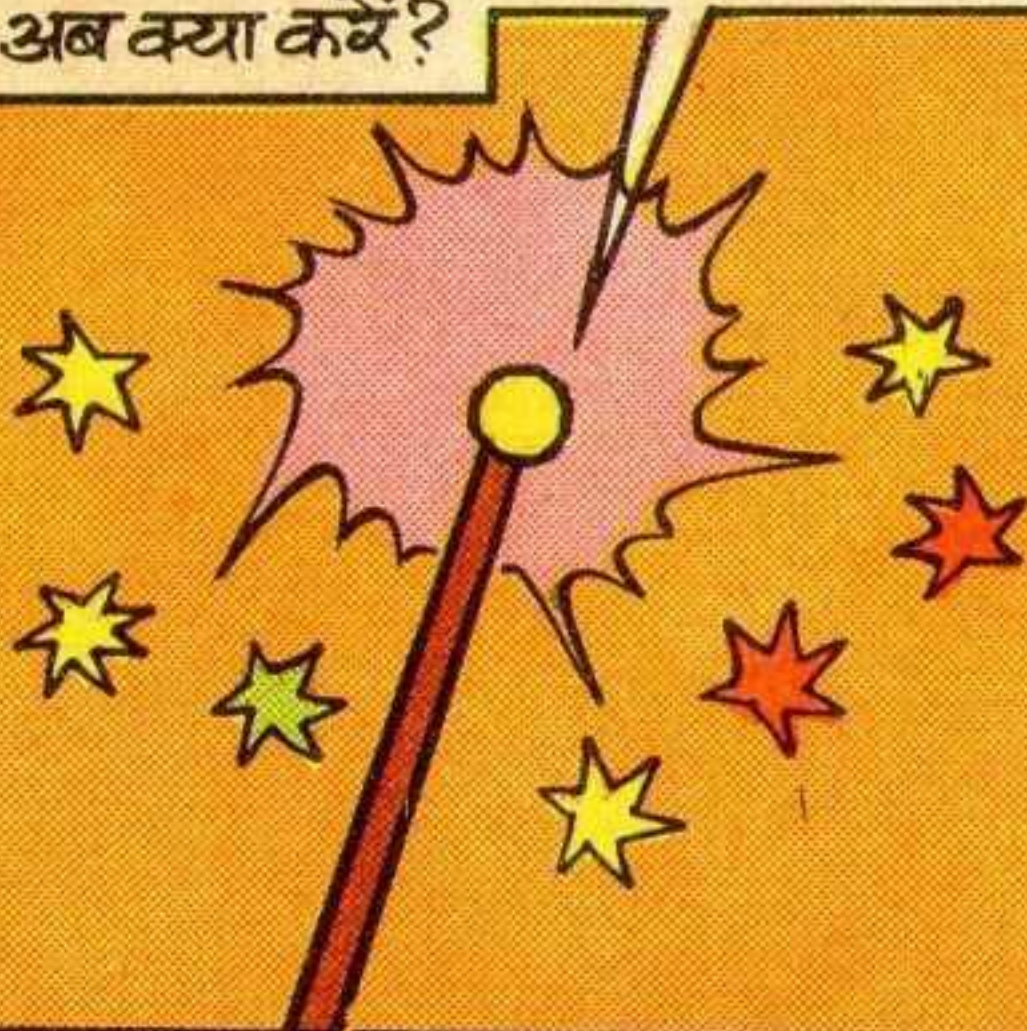
ताऊ जी के हाथों में जादुई डण्डा देख दम्भी दानव समझ गया कि अब उसकी शक्ति ताऊ और उसके जादुई डण्डे का मुकाबला नहीं कर सकेगी इसलिये उसने अपना शरीर बढ़ाना शुरू कर दिया।

चालाक बूढ़े, तेरी और जादुई डण्डे की शक्ति का मुकाबला करने के लिए मैं तैयार हूं, वार कर!

जादुई डण्डे यह बुरा हुआ। अब उसकी शक्ति फिर पांच अरब प्राणियों की शक्ति के मुकाबले की हो गई।
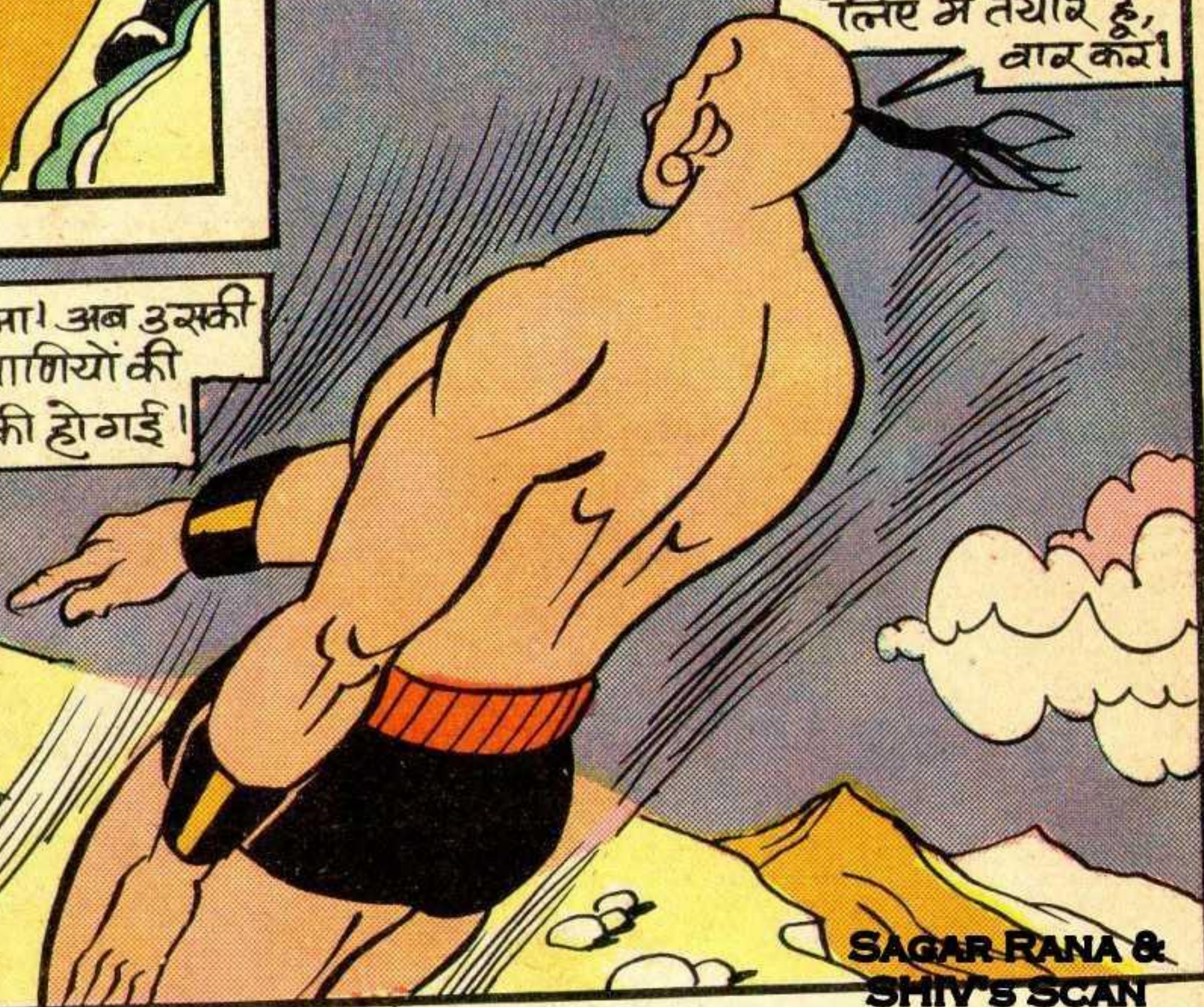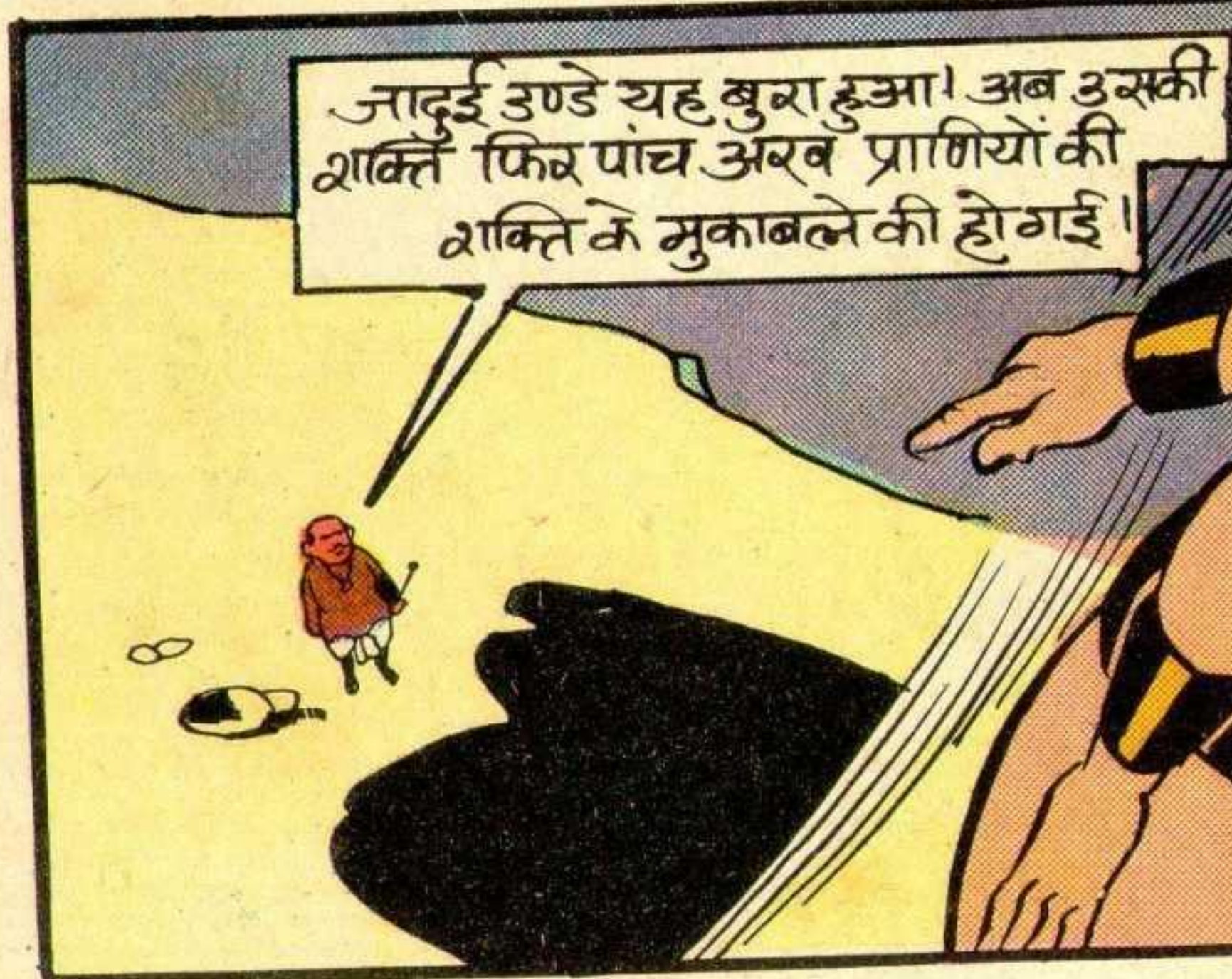
ताऊ जी, दानव के बढ़ते ही अब इसकी शक्ति फिर पाँच अरब प्राणियों की शक्ति के बराबर हो गई। अब क्या करें?

गंजे जादूगर! अब तेरी और तेरे जादुई डण्डे की शक्ति भी मेरा कुछ नहीं बिगाड़ सकती।

अब तेरी ज़िन्दगी के दिन पूरे हो गये, मरने के लिये तैयार हो जा।

ओह! बूढ़ा फिर गायब हो गया। गुर्रर्र

यह इस तरह हाथ नहीं आयेगा। मैं सारे हिन्दुस्तान को ही तबाह कर डालता हूं! गुर्रर्र!
SAGAR RANA & SHIV's SCAN

ताऊ जी कुछ करिये वरना यह लाखों करोड़ो इन्सानों की हत्या कर देगा!

इसे रोकने का अब एक ही तरीका है।

ताऊ जी ने मंत्र पढ़ा और...
जादुई डण्डे जाओ मेरी और अपनी मिली शक्ति से दानव को रोको?

जादुई डण्डा भयंकर आग उगलता हुआ हवा में उड़ चला...

ओह! अब जादूगर बूढ़ा मुझे अपनी और जादुई डण्डे की शक्ति से रोकना चाहता है, गुर्र र्र र्र

जादुई डण्डे. वापस जाओ! ... वापस जाओ!

ओह, जादू का डण्डा भी लौट आया हमारी शक्ति भी उसे रोक नहीं सकी।

हो..हो..हो! चिंचड़े अब तुझे भगवान भी नहीं बचा सकता।

ताऊजी, इस दानव का अन्त करने के लिये इसका हाथ किसी तरह, इसके सिर तक पहुंचाइये?

यहां इसका मुकाबला करना ठीक नहीं, इसे जंगल की ओर ले चलना चाहिये।
हा..हा..हा भाग कर अब तू बच नहीं सकता। हा..हा..
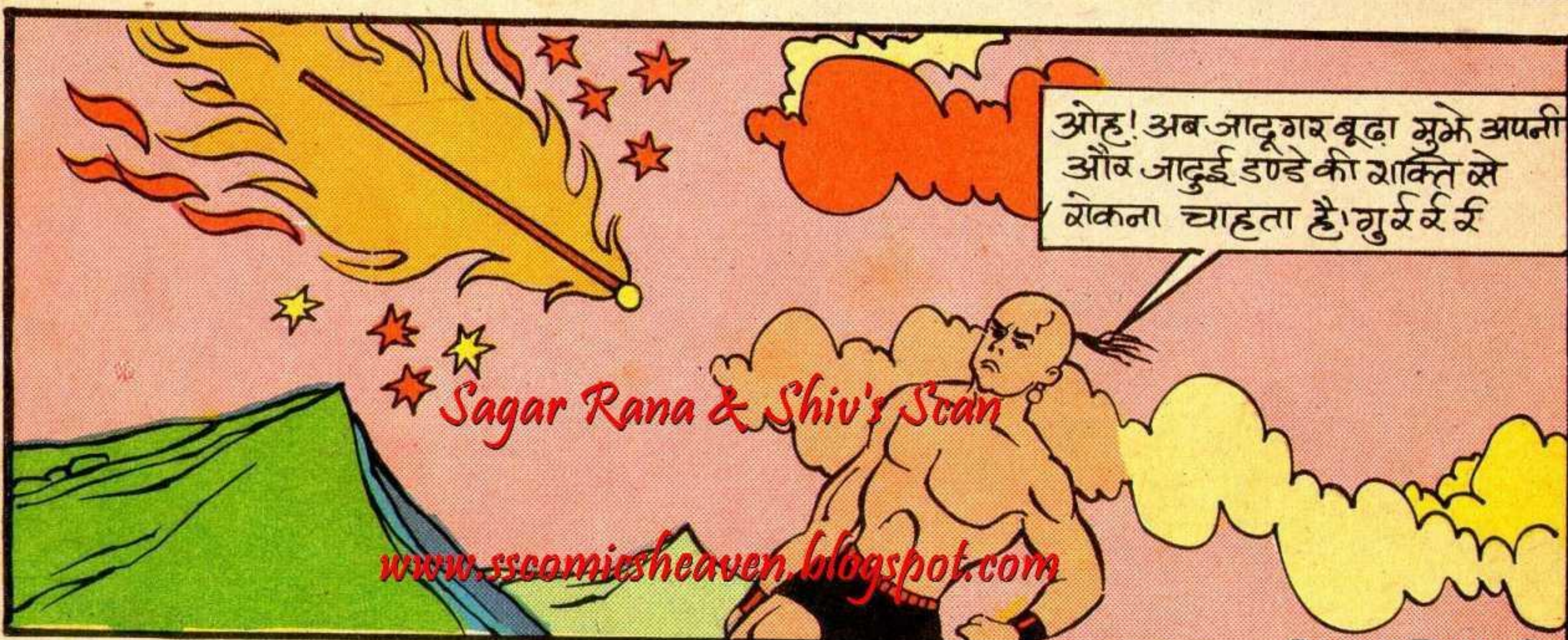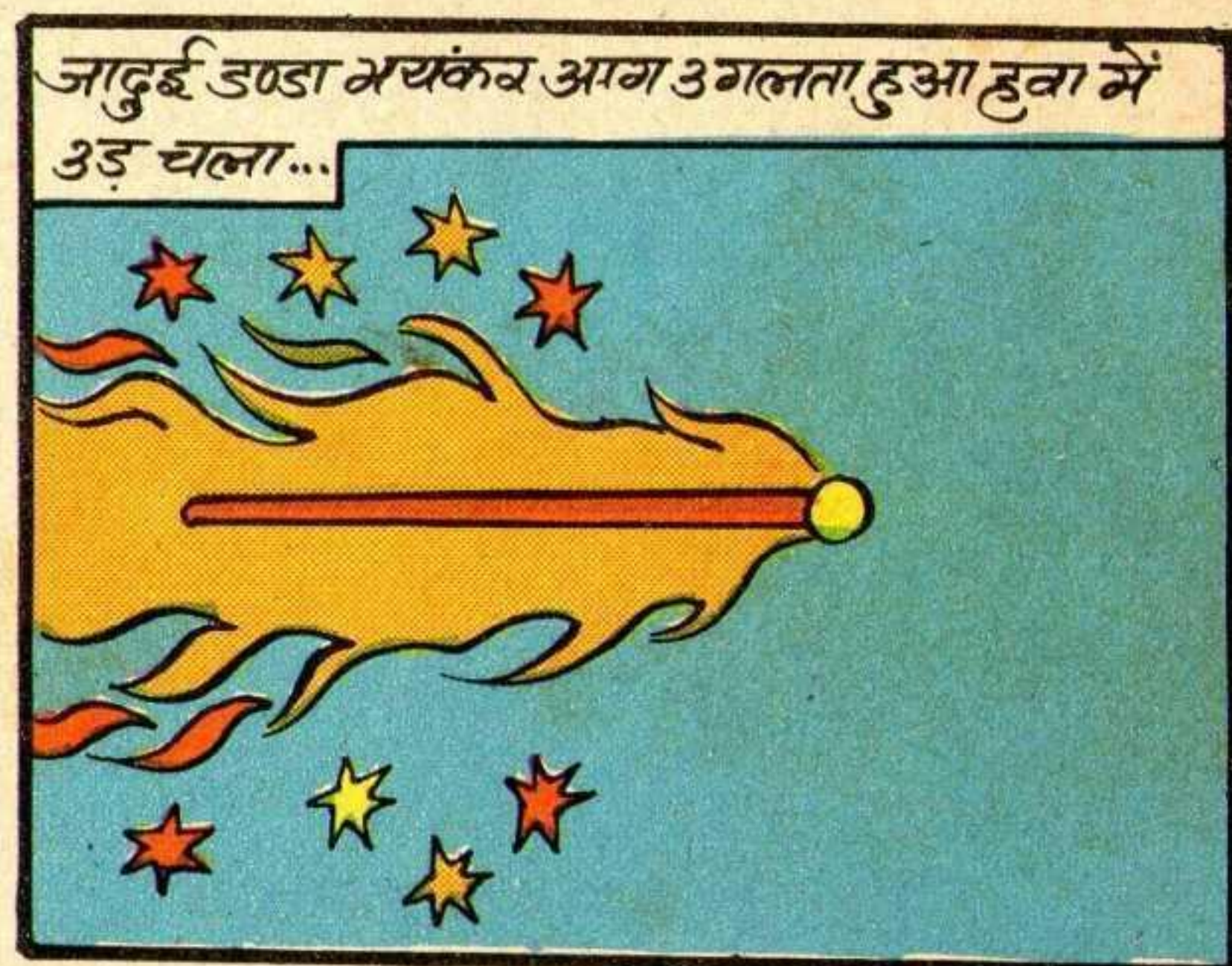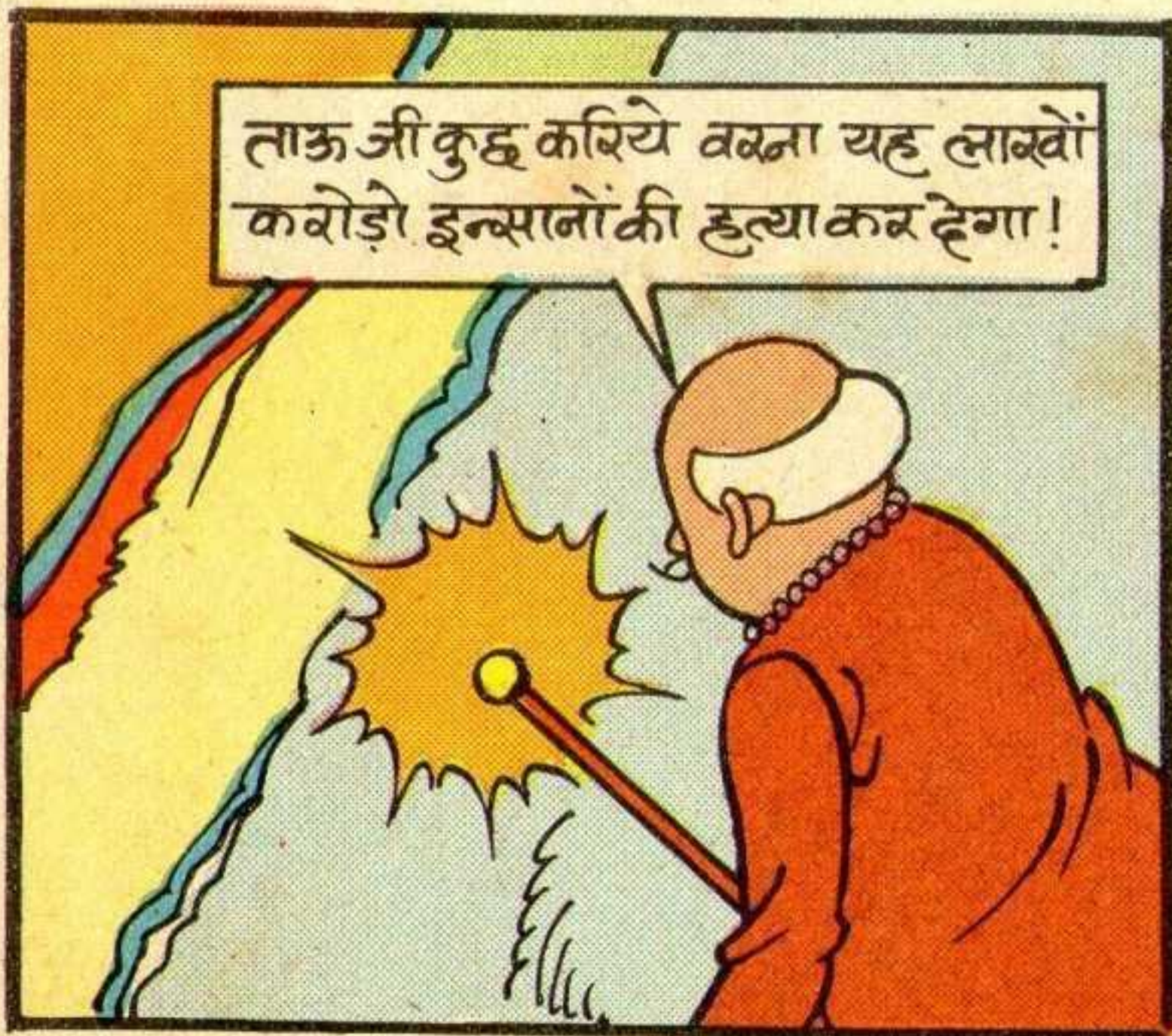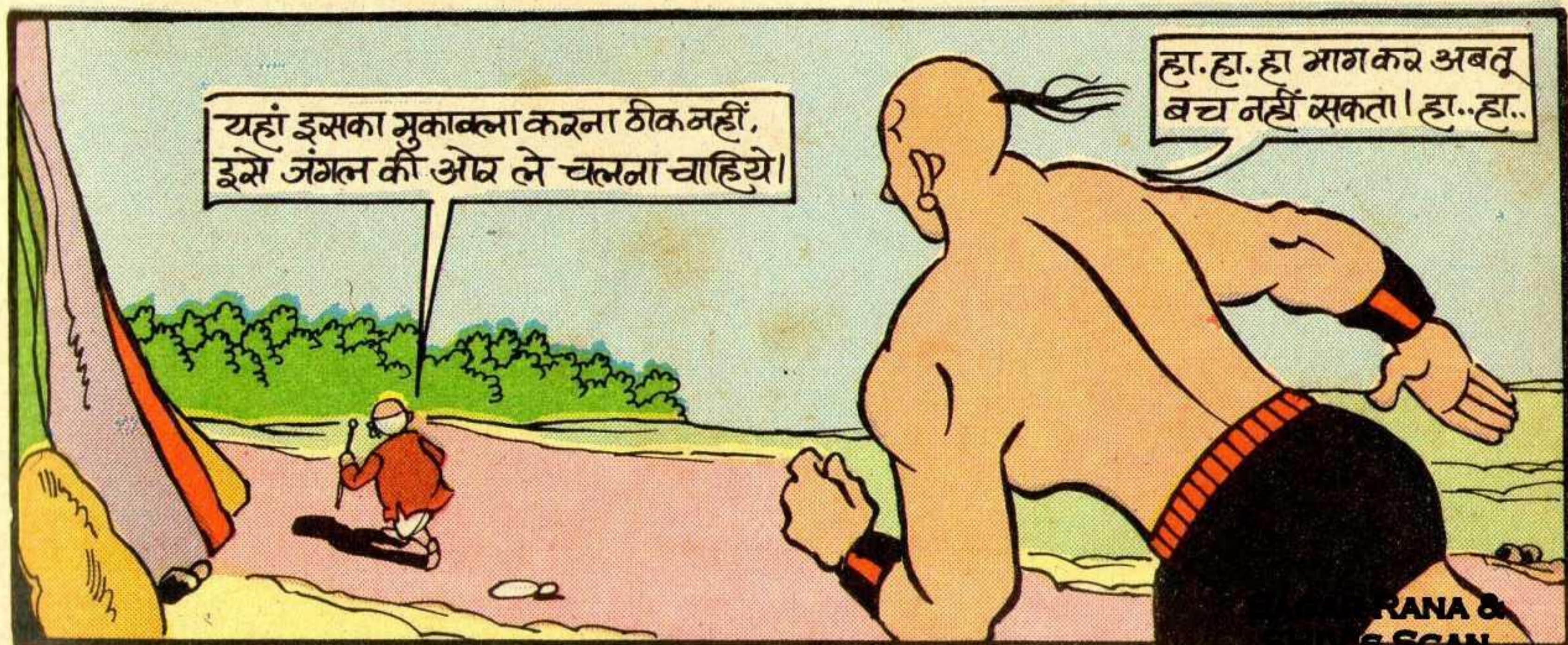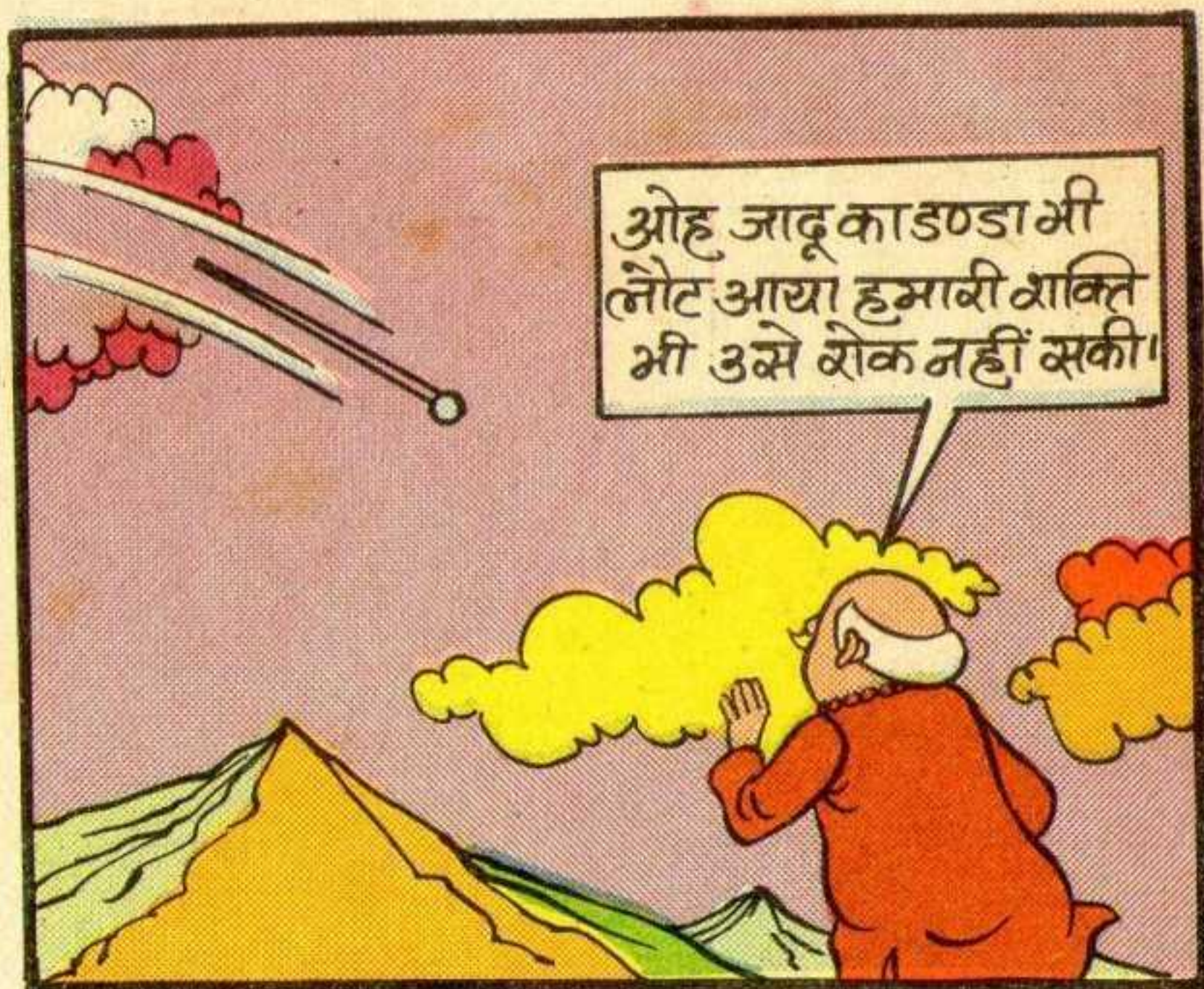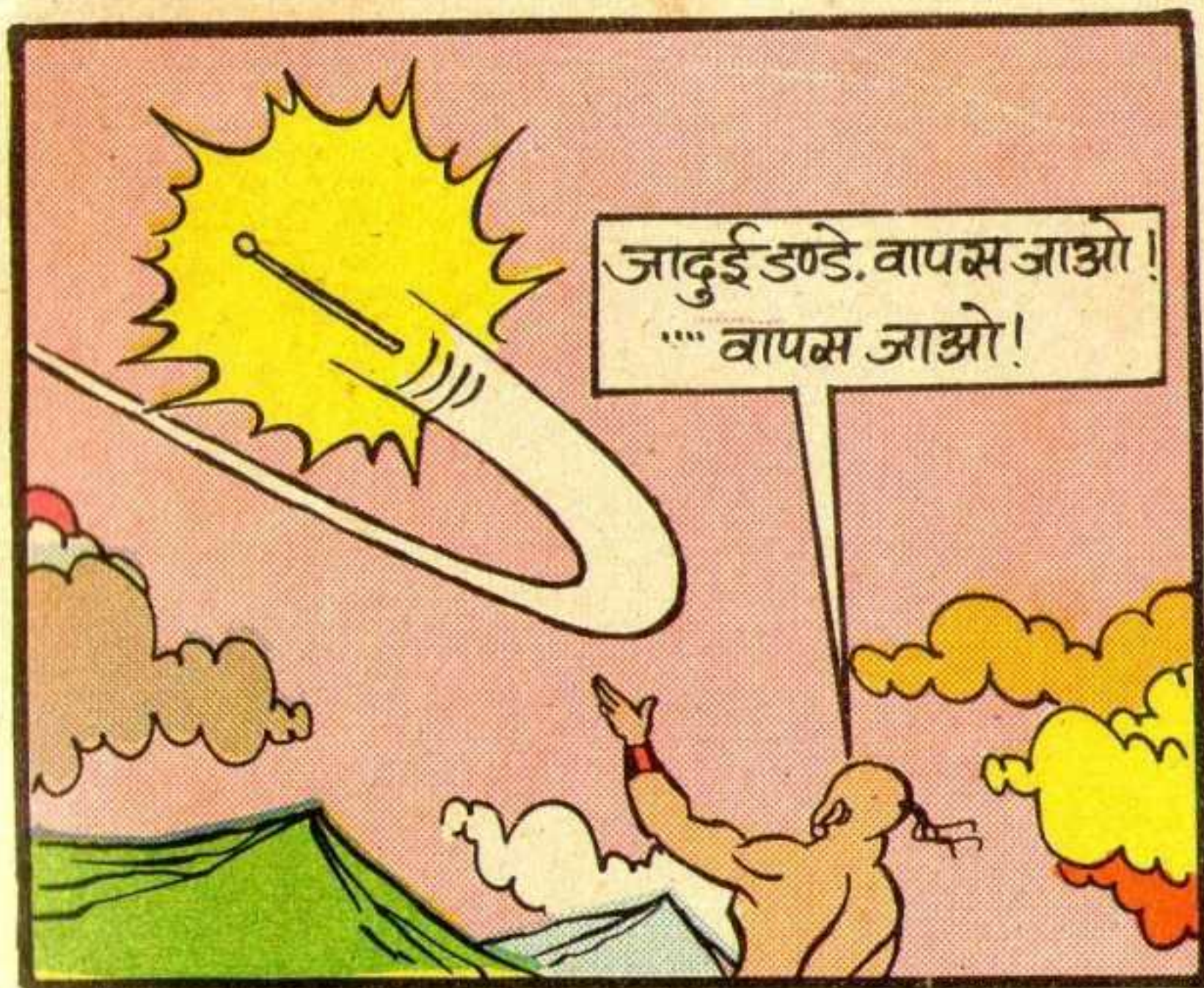
अचानक ताऊ जी की नज़र पेड़ पर लटके मधु-मक्खियों के छत्ते पर पड़ी...
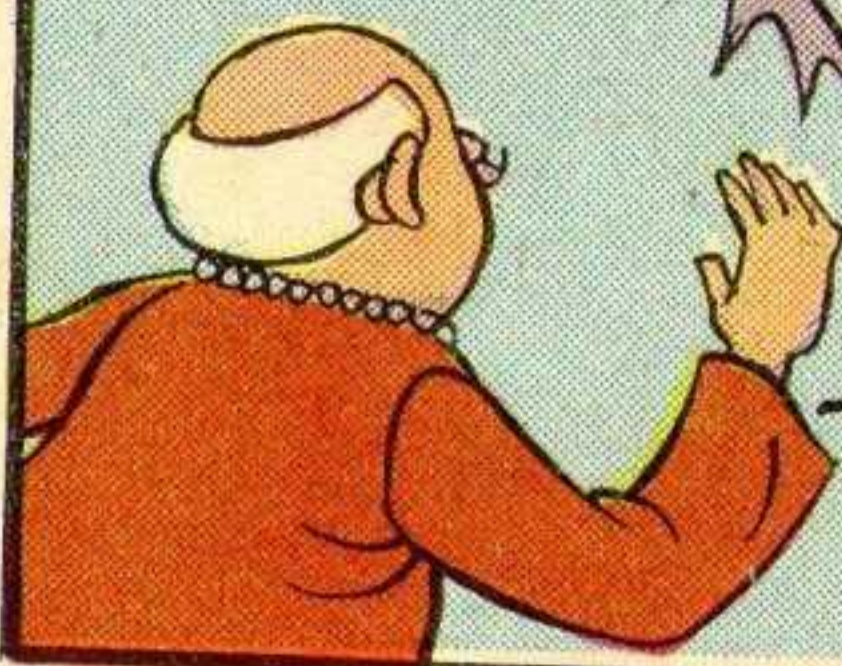
खटाक
जादुई डण्डे, दिखा अपना कमाल?

गुर्रर्र
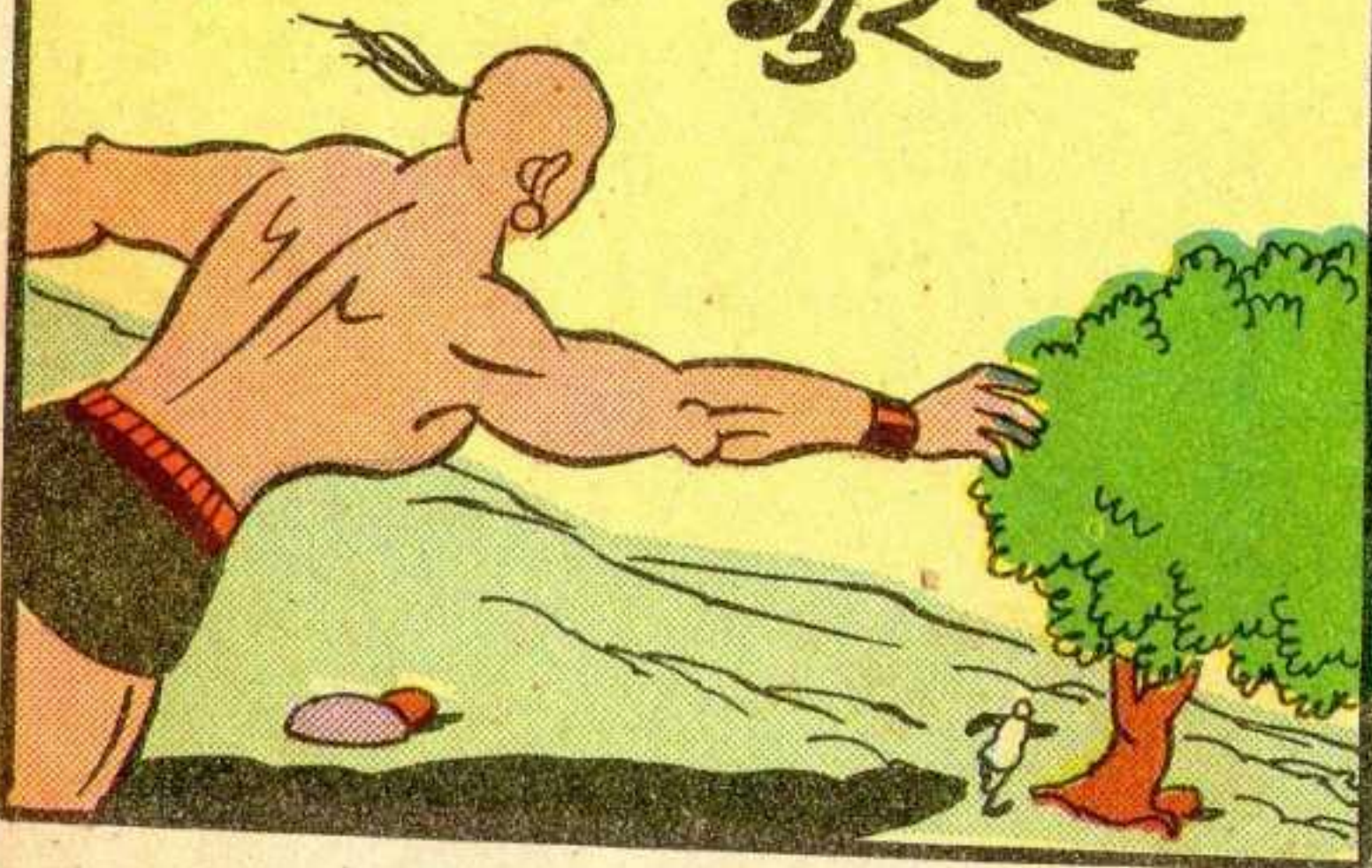
ओह! यह क्या?
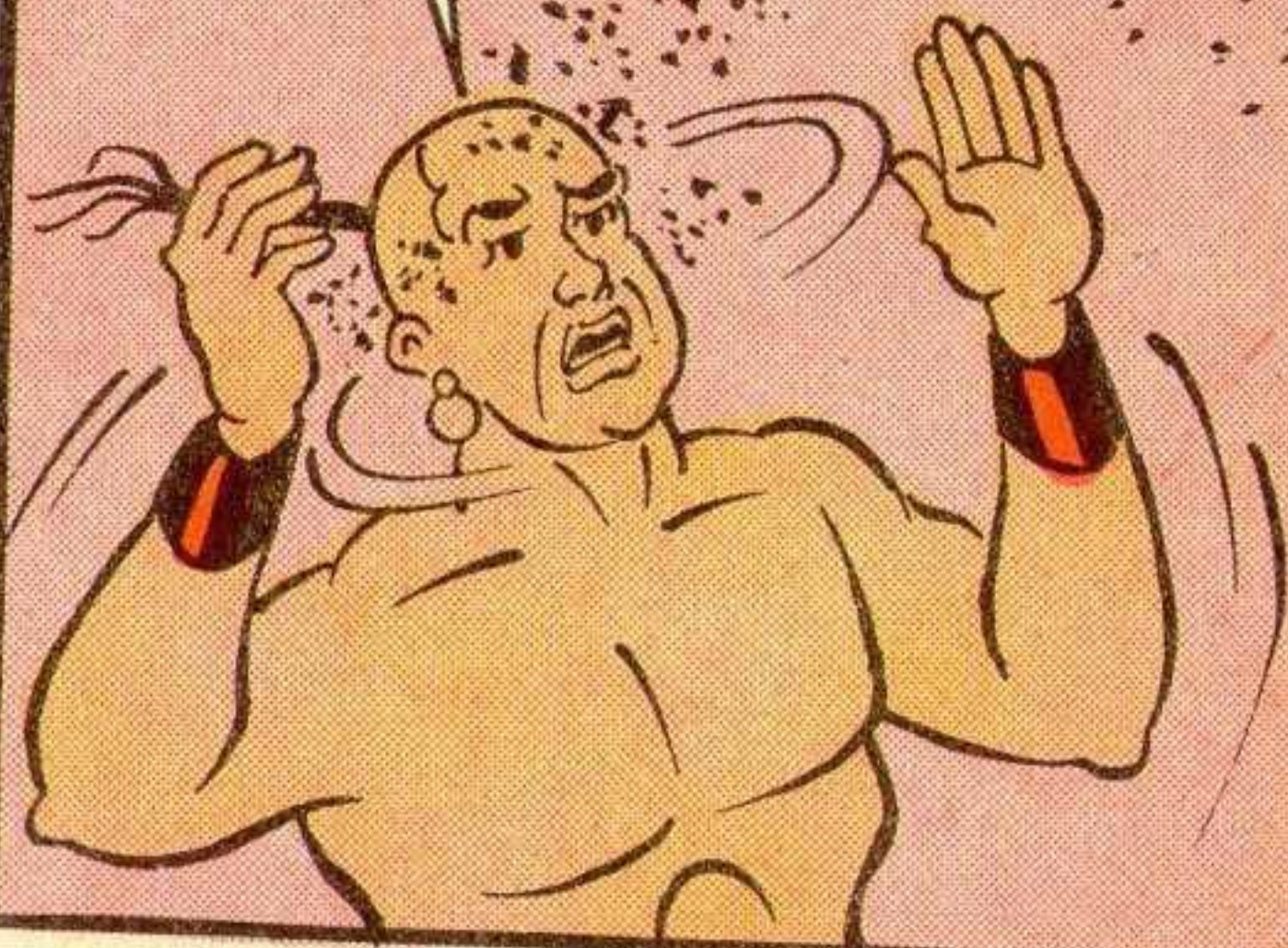
मैं मरा! ये मक्खियां मेरे सिर को बुरी तरह काट रही हैं!
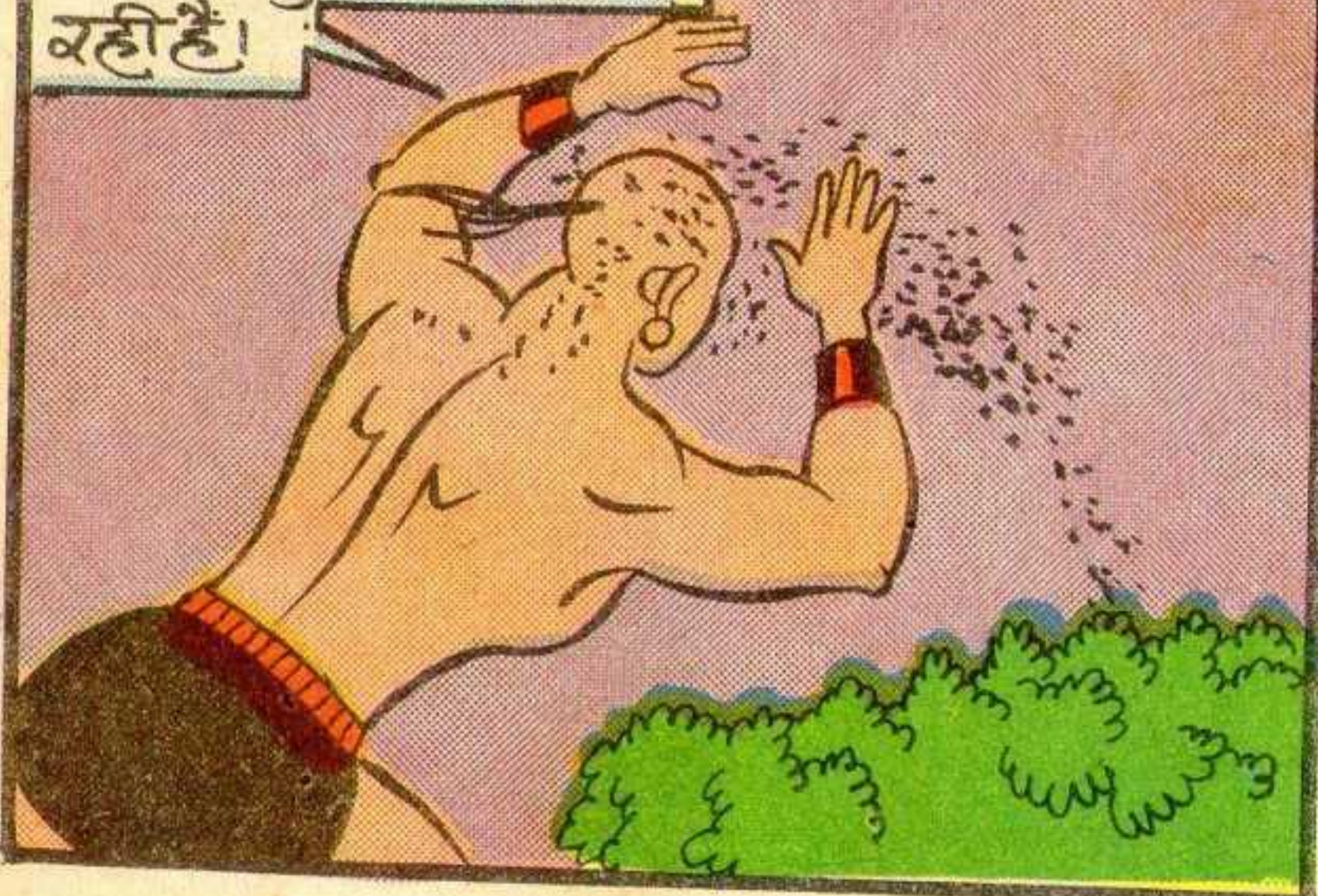
मधुमक्खियों को मारने की हड़बड़ी में दम्मी दानव का हाथ उसके खुद के सिर पर चला गया और...

देखते ही देखते विशालकाय दैत्य आग की लपटों में समा गया।
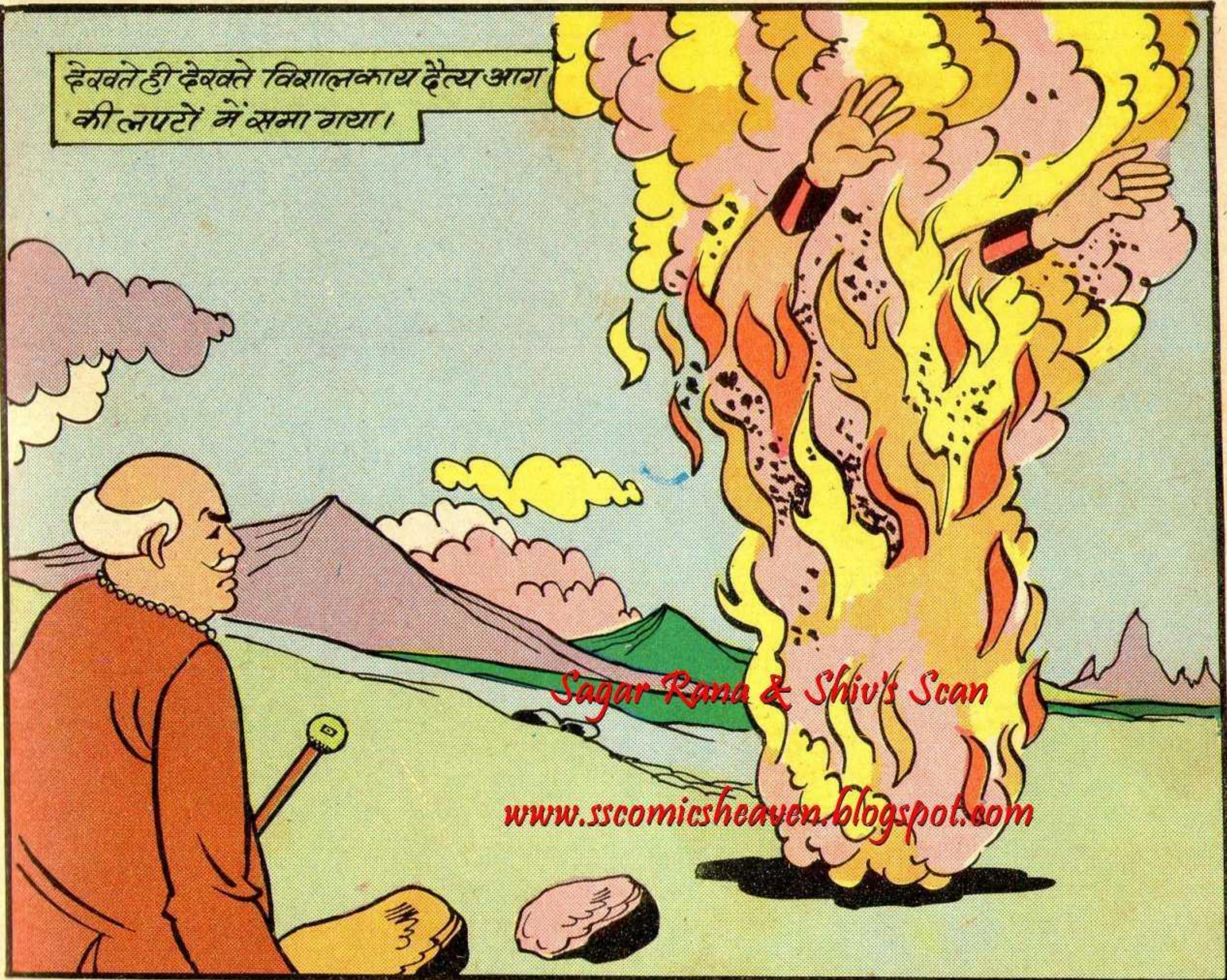
ताऊ जी ने देश की प्रधान मंत्री से मिल कर उन्हें जब दम्भी दानव के अन्त की कहानी सुनाई तो प्रधान मन्त्री ताऊ जी की सूझबूझ और बहादुरी का कारनामा सुनकर बहुत खुश हुई, और उन्होंने ताऊ जी को बहादुरी के सबसे बड़े पुरस्कार परमवीर चक्र से सम्मानित किया।

ताऊ जी कुछ दिनों तक प्रधान मन्त्री के आग्रह पर उनके मेहमान रहे और...

बिल्लू की सूझबूझ

छोटा सा बिल्लू और बातें बड़ी बड़ी उसकी हर शैतानी एक कारनामा बन कर पाठकों का मनोरंजन करती है. बिल्लू की चंडाल चौकड़ी के तोशी, गब्दू और गोबर गणेश जहां जाते है पाठकों को हंसाना नहीं भूलते.
बजरंगी पहलवान और छक्कन की तो बातें छोड़ो बेचारे ताऊजी की क्या मजाल जो बिल्लू की शैतान निगाहों से बच सकें.

बिल्लू सीरीज़ का नया कारनामा

बिल्लू की सोफ्टी	5.00	Billoo's Softy 5.00
बिल्लू का हंगामा	4.00	Mad Mad Mad world of Billoo 3.50
बिल्लू 1	4.00	Billoo I 3.50
बिल्लू 2	4.00	Billoo II 3.50
बिल्लू 3	4.00	Billoo III 3.50

अपने निकट के बुक स्टॉल से खरीदें या हमें लिखें

डायमंड कामिक्स प्रा.लि. 2715 दरिया गंज, नई दि